"विषय सूची"

पृष्ठ संख्या

1. फेंग शुई क्या है ? 1
2. 'ची' प्राण ऊर्जा का महत्व 2
3. यीन और यांग 4
4. पंच तत्व क्या हैं ? 7
5. अपना तत्व व जानवर कैसे खोजें ? 13
6. शार से संभल कर रहें 17
7. चमत्कारी पाकुआ व इसका रहस्य 19
8. बिल्डिंग व आस–पास की जगह का चुनाव 26
9. आकार 29
10. मुख्य द्वार से सम्बन्धी कुछ विशेष बातें 33
11. अन्य कमरों के दरवाजे–खिड़कियाँ किस प्रकार हों ? 35
12. दिशा निर्धारण 37
13. किनारे, कोने, एवं बीम से कैसे बचें ? 45
14. गलियारा, लॉबी, सीढ़ियाँ 47
15. फेंग शुई द्वारा व्यवस्था 49
16. अस्तव्यस्तता से छुटकारा पाएं 67
17. फेंग शुई द्वारा उपचार में काम आने वाली चीजें 69
18. आदर्श फेंग शुई घर 83
19. सुखी व समृद्धशाली बनने के उपाय 84
20. निष्कर्ष 114

Future Point

Future Point

पाठ –1

फेंग शुई क्या है ?

फेंग शुई आखिर क्या है ? कहां से आई है ? ऐसे बहुत सारे सवाल मन में उठते हैं।

फेंग शुई चीन की एक विद्या है तो पिरामिड मिस्र की देन है। ये दोनों ही मानव कल्याण के लिए हैं। फेंग शुई दो शब्द–फेंग और शुई से मिलकर बनी है। यह चीन की वास्तु शास्त्रीय पद्धति है। चीनी भाषा में फेंग का अर्थ है जल और शुई का अर्थ है वायु। इससे यह ज्ञात होता है कि फेंग शुई प्रकृति के दो प्रमुख तत्वों के सन्तुलन पर आधारित विद्या है। इन दोनों तत्वों का सही सन्तुलन व्यक्ति को स्वास्थ्य, यश, सम्मान और अच्छा भाग्य देने में समर्थ है। यह विज्ञान हमें बताता है कि हम अपने आस–पास की वस्तुओं को आकार, रंग, तत्व, ग्रह और अंकों के हिसाब से किस दिशा में रख सकते हैं। अपने आस–पास की वस्तुओं को इस तरह से रखते हैं ताकि न तो ऊर्जा का बहाव कहीं रुकने पाए औन न ही ऊर्जा की गति इतनी तेज हो कि वो हमें कुछ दिए बगैर भवन से निकल जाए।

फेंग शुई के आधार पर किया गया संशोधन किसी भी आम मनुष्य के भाग्य को ठीक करने का सबसे सरल इलाज है । इसके पीछे एक महान् कारण है । इसे भाग्य का त्रित्व कहते हैं भाग्य तीन प्रकार का होता है – 1.पृथ्वी से प्राप्त भाग्य, 2. मनुष्य का अपने द्वारा प्राप्त किया गया भाग्य और 3. स्वर्ग द्वारा प्राप्त किया गया भाग्य। जिसे आप अपने पूर्व जन्मों के कर्मों के कारण प्राप्त करते हैं जैसे ग्रहों, नक्षत्रों, सितारों का आपके भाग्य पर बहुत प्रभाव या आपके पूर्व जन्म के कर्मों के प्रतिफल या पुरस्कार के रूप में होता है। इस प्रकार भाग्य वह होता है जिसे मनुष्य अपनी कड़ी मेहनत और लगन के बल पर हासिल करता है। इसे कर्म कहते हैं। आमतौर पर मान्यता यह है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी–अपनी सामर्थ्य के अनुसार पूरी शक्ति के साथ काम करता है। पृथ्वी से प्राप्त भाग्य वह भाग्य होता है जिसे आप उन स्थानों से अर्जित करते हैं जहाँ आप रहते हैं अथवा काम करते हैं। इस प्रकार के भाग्य का संशोधन करना सर्वाधिक आसान होता है और इसे पूर्ण रूप से आपके पक्ष में भेजा जा सकता है। फेंग शुई इस अवस्था में लाभकारी सिद्ध हो चुकी है। फेंग शुई में जिस पद्धति का सर्वाधिक उपयोग होता है वह है कम्पास पद्धति जो मुख्य रूप से लो–शु (चमत्कार वर्ग) पा–कुआ चौखट पर आधारित है।

फेंग शुई के उपयोग से हम अपने फ्लैट को घर की अनुभूति दे सकते हैं तथा उसे सामंजस्यपूर्ण बना कर स्वयं को पहले से ज्यादा प्रसन्न, स्वस्थ तथा जीवन के प्रत्येक पक्ष को ज्यादा सफल बना सकते हैं।

चीन के अधिकांश महत्वपूर्ण भवनों का निर्माण फेंग शुई के सिद्धान्तों के अनुसार किया गया है।

Future Point

पाठ –2

'ची' प्राण ऊर्जा का महत्व

व्यक्ति की आत्मिक शक्ति का नाम है **'ची'**। **'ची'** को शेगं ची भी कहते हैं। **'ची'** का फेंग शुई में प्रमुख स्थान है। **'ची'** एक अदृश्य शक्ति है जो सभी सजीव एवं निर्जीव पदार्थों में पाई जाती है। निर्जीव पदार्थों में यह उस पदार्थ का विशेष निर्माण करती है जबकि सजीव पदार्थो में यह प्राण ऊर्जा अदृश्य होती हैं।

फेंग शुई की मान्यता है कि व्यक्ति का भाग्य जन्म द्वारा ही निर्धारित होता है। किन्तु **'ची'** के प्रभाव से इसमें परिवर्तन किया जा सकता है। **'ची'** दो प्रकार की होती है– प्राणवान ची (Live chi) और निष्प्राण **'ची'** (Dead chi)। प्राणवान **'ची'** सकारात्मक व लाभदायक होती है जबकि निष्प्राण **'ची'** नकारात्मक और हानिकारक।

ची समस्त सजीव प्राणियों में रहने वाली बाह्यांडीय ऊर्जा को कहते हैं तथा अनेक तरीकों से इसे उत्पन्न किया जा सकता है। मंथर गति से प्रवाहित जल प्रचुर रूप से ची उपलब्ध कराता है और यही कारण है कि झील, नदी, तालाब या फव्वारे के पास कुछ समय गुजारने पर हम स्वयं को स्फूर्तियम अनुभव करते हैं। इसी प्रकार धीमी बहती वायु भी हम तक ची को लाती है जबकि इसके विपरीत तेज हवाएं तथा झंझावत ची को अपने साथ बहा कर ले जाते हैं ठीक वैसे ही जैसे मूसलाधार वर्षा अपने साथ उसे बहा ले जाती है। ची के जाने के साथ–साथ हमारा सौभाग्य भी चला जाता है।

सही ढंग से किया गया कोई भी कार्य ची का उत्पादन करता है। इस प्रकार एक कुशल संगीतकार संगीत की रचना करते हुए तथा कोई एथलीट अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते समय **'ची'** की रचना करता है। प्रकृति तो प्रायः हर वक्त **'ची'** का उत्पादन करती रहती है। सौंदर्यपूर्ण वातावरण जैसे कि भव्य पर्वत–चोंटियां और हरे भरे मैदान **'ची'** की रचना करते हैं या उसे बढ़ाते हैं। 17वीं शताब्दी के एक अज्ञात उत्साही ने ची का वर्णन इस प्रकार किया है, 'अच्छी पहाड़ियां, निर्मल जल, सुंदर धूप, मंद बयार और नभ में स्थित नवीन प्रकाश, इन सभी में ची रहती है। इसकी संगति में नेत्र खुल जाते हैं तथा बैठने या लेटने पर आनंद मिलता है। यहां ची एकत्रित होकर सुगंध में जमा होती है। मध्य में प्रकाश झिलमिलाता है और प्रत्येक दिशा में चमत्कार फैलता है।'

यह ची सुस्त होकर सड़ भी जाती है। एक प्रदूषित तालाब नकारात्मक ची की रचना करता है जिससे सौभाग्य भी नष्ट हो जाता है। अतः अपनी जीवन–शक्ति को बढ़ाने के उद्देश्य से हमें अपने एपार्टमेंट में ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक ची को बढ़ावा देना चाहिए। प्राणवान चीजों की, पर्यावरण के गुण की, सूर्य, चन्द्रमा व मौसम की गति की तथा मानव गतिविधियों की जीवनी शक्ति है ची। चीन में हाथ–पैरों के ताल द्वारा शरीर में ची **'ऊर्जा'** को समाहित किया जाता है। जब इसकी अधिकता होती है तो एक्युपंक्चर की सूइयों से इसके प्रवाह को रोक दिया जाता है। चीन में खास तरह की ऊर्जावान

जड़ी–बूटियों से असंतुलित **'ची'** को ठीक किया जाता है, योग से स्वस्थ दिमाग की रचना की जाती है। चीनी कलाकार के ब्रश का प्रत्येक अंकन या कैलिग्राफर के पेन की लहरदार लिखावट प्रशिक्षित दिमागी प्रक्रिया और सांस लेने की सही तकनीक का परिणाम है, और कलाकार को विश्वास होता है कि पेंटिंग और लेखन में **'ची'** का समुचित समावेश हुआ है।

फेंग शुई का उद्देश्य ऐसे पर्यावरण का निर्माण करना है जिससे **'ची'** सुगमता से प्रवाहित हो ताकि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बना रहे। जिस घर में **'ची'** का प्रवाह संतुलित व निर्बाध होता है उसमें रहने वाले अनुकूल स्थिति में होंगे और उनकी जिंदगी बड़ी सरलता से व्यतीत होगी। जब **'ची'** की गति सुस्त और मंद पड़ जाती है तो इसकी संभावना बढ़ जाती है कि हर रोज नयी समस्याओं का सामना करना पड़े। जिस ऑफिस में **'ची'** का प्रवाह मुक्त व स्वच्छंद होता है वहां कर्मचारी सुख और मददगार होते हैं, योजनाएं समयानुसार पूरी होती हैं और तनाव का नामोनिशान नहीं रह जाता। जहां **'ची'** का प्रवाह रुका हुआ होगा, वहां सौहार्द का अभाव होगा और व्यापार कभी प्रगति नहीं करेगा। चीन में यह **'ची'** कहलाती है तो जापान में **'की'** और भारत में ऊर्जाशक्ति कहलाती है।

जिस स्थान पर दोनों में से किसी भी **'ची'** की उपस्थिति नहीं हो वहां **'शा'** की उपस्थिति होती है। यह वह शक्ति है जो कि नकारात्मक व हानिकारक दुष्ट, शैतान का प्रतीक है। जिस स्थान पर **'ची'** का प्रवाह होता है वह स्थान फेंग शुई सम्भव होता है।

Future Point

Future Point

पाठ –3

यीन और यांग

'ची' की रचना यीन व यांग से होती है। ये दोनों ब्रह्माण्ड की विपरीत ऊर्जाएं हैं। इनमें से किसी एक का दूसरे के बिना अस्तित्व नहीं है। जैसे रात के बिना दिन, स्त्री के बिना पुरुष।

चीनी शुई को दो भागों में बांटा गया है।

1. यीन
2. यांग

यीन (काला) एवं यांग (सफेद)

यह एक वृत्त है। दो मछलियों की तरह इस वृत्त में दो टैडपाल से लगने वाले प्रतीक ब्रह्माण्ड के द्योतक हैं। एक टेडपाल काला है जिसके अन्दर श्वेत बिन्दु है जबकि दूसरा श्वेत, काले बिन्दु वला है। ये बिन्दु इस बात के सूचक हैं कि यीन में कुछ मात्रा में यांग होती है जबकि यांग में से कुछ मात्रा यीन है यीन काले रंग का प्रतीक है तो यांग सफेद रंग का।

1. यीन– यीन शक्तियों को पृथ्वी का प्रतीक कहा जाता है। यीन शक्ति स्त्री, प्रकृति, अन्धकारपूर्ण तथा निष्क्रिय है। यह ब्रह्माण्ड की ऋणात्मक शक्ति है।

2. यांग– पुरुष प्रकृति, प्रकाश से पूर्ण सक्रिय है। यह ब्रह्माण्ड की धनात्मक शक्ति है।

ये दोनों परस्पर विरोधी हैं परन्तु एक–दूसरे के तत्वों को स्वयं में समाहित किये रहते हैं। जैसे कि यीन में सूक्ष्म प्रकाश तथा यांग में भी सूक्ष्म अन्धकार होता है। इस प्रकार से दोनों तत्व एक–दूसरे पर आश्रित हैं। ब्रह्माण्ड की प्रत्येक वस्तु यीन और यांग ऊर्जाओं से मिलकर बनती है तथा एक–दूसरे के साथ प्रतिक्रिया करती रहती है।

Future Point

यीन व यांग में अनुपाताक सन्तुलन होने पर संसार में समरसता और सुमधुरता पायी जाती है। यांग शक्ति का चिह्न ऊष्णता एवं दक्षिण दिशा है तथा यह ऊर्ध्वगामी होता है। इसके विपरीत यीन तथा शीत का प्रतीक है। इसकी दिशा उत्तर है। यीन और यांग के सन्तुलन से आवास में सुख–शान्ति ओर समृद्धि स्थापित होती है।

यह पूरा का पूरा चिह्न ब्रह्माण्ड में एक तरह का सन्तुलन बनाता है चाहे उसमें यीन ज्यादा हो या यांग। रात के बाद सुबह होती है एवं शरद और सर्दी के बाद बसन्त और गर्मी। इसी तरह मनुष्य को भी अपनी जिन्दगी में सन्तुलन बनाना पड़ता है। इसी तरह हम यांग द्वारा बाकी की यीन का सन्तुलन बनाने की कोशिश करते हैं।

यीन	यांग
नारी	पुरुष
नकारात्मक	सकारात्मक
नरम	कठोर
अनुयायी	नेता
अन्धेरा	उजाला
रात	दिन
घाटी	पहाड़
नीचे	ऊपर
सब नेगेटिव एनर्जी	पोजेटिव एनर्जी
सर्दियां	गर्मियां
उत्तर	दक्षिण
ठहरा हुआ पानी	चलता हुआ पानी
पृथ्वी	आकाश
टूटी रेखा	परफेक्ट रेखा
गोल	चौरस
हल्के रंग	गहरे रंग
चन्द्रमा	सूर्य
शरीर	आत्मा
गोल पर्दे	नुकीले पर्दे
घर	दफ्तर
मुर्दों के लिए	जीवितों के लिए
अन्दर	बाहर

फेंग शुई पंच तत्वों के सन्तुलन पर आधारित है। इन पांचों के अनुपात में यदि सहजता व सामजंस्य है तो भवन, आवास वास्तु के अनुकूल और सुखदायक होता है, अन्यथा विपरीत फल देने वाला होता है।

फेंग शुई द्वारा निर्धारित पंच तत्वों द्वारा संसार के प्रत्येक पदार्थ में अनुकूलता साबित की जा सकती है। पांचों तत्व दिशाओं तथा धातुओं से सम्बन्धित हैं।

इन तत्वों की शक्ति ऋतु परिवर्तन के अनुसार घटती बढ़ती रहती है।

Future Point

Future Point

पाठ –4

पंच तत्व क्या हैं ?

विश्व की प्रत्येक वस्तु अग्नि, पृथ्वी, धातु, जल, तथा काष्ठ (लकड़ी), से निकल कर बनी है तथा चीन के प्राचीन निवासी यह मानते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी जन्म तिथि के अनुसार इनके द्वारा प्रभावित होता है। आप आगे इस पुस्तक में अपने निजी तत्व के बारे में अपनी जन्मतिथि एवं वर्ष के अनुसार देख सकते हैं।

ये पांच तत्व एक–दूसरे तत्व के उत्पादन करने में मदद करते हैं। यही पांच तत्व विनाश करने में भी मदद करते हैं।

लेकिन इन सभी तत्वों का सन्तुलित उपयोग किया जाना चाहिए। जहां भी कोई तत्व हावी या कमजोर होगा, वहीं परेशानियों का जन्म होगा। ऐसी स्थिति पैदा न होने देने के लिए, तत्वों का सन्तुलित कार्य फेंग शुई में प्रधान भूमिका निभाता है। तत्व पहिये की तरह चक्कर काटते हुए एक–दूसरे की सहायता करते हैं जैसे जल तत्व हमेशा काष्ठ को पैदा करेगा। काष्ठ तत्व से अग्नि की उत्पत्ति होती है। अग्नि तत्व से राख या पृथ्वी बनती है। पृथ्वी वत्त्व से धातु उत्पन्न होती है। जिसका तरल रूप जल के प्रकार का है। इसी प्रकार ये भी याद रहे कि यही पहिया जब उल्टा चलता है तो विनाशकारी हो जाता है। पांचों तत्व एक–दूसरे को कैसे सहायता पहुंचाते या नष्ट करते हैं इसकी जानकारी बहुत जरूरी है।

व्यक्ति का अपना जन्म वर्ष यह निर्धारित करता है कि आपके लिए कौन सा तत्व महत्पूर्ण है। प्रत्येक व्यक्ति का अपना खास तत्व होता है और उस व्यक्ति विशेष में उस तत्व से सम्बन्धित बातों की प्रधानता रहती है। साथ ही इन पांच तत्वों का अपना निश्चित आकार भी होता है। हर एक तत्व की अपनी अलग पहचान है। उनकी अपनी एक दिशा, रंग, ऋतु, जानवर, सद्गुण गुण व व्यक्तित्व है।

चीनी ज्योतिष शास्त्र के अनुसार फेंग शुई में इन पांचों तत्वों का उपयोग होता है। कोई भी व्यक्ति अपनी जन्म पत्री में इन पांचो तत्वों को देख सकता है क्योंकि वह जन्म समय, दिन, तारीख विभिन्न तत्वों से जुड़ी रहती है।

प्रकृति में ये पांच तत्व– काष्ठ, अग्नि, पृथ्वी, धातु, जल। ये तत्व एक–दूसरे के साथ दो तरह से सम्बन्धित होते हैं। इसलिए इन तत्वों के दो प्रकार के चक्र होते हैं–

1. उत्पादकता चक्र 2. विनाशकारी चक्र।

उत्पादकता चक्र

आगे चित्र में आप देख रहे हैं कि काष्ठ अग्नि उत्पन्न करता है अर्थात् आप लकड़ी को जला कर अग्नि

Future Point

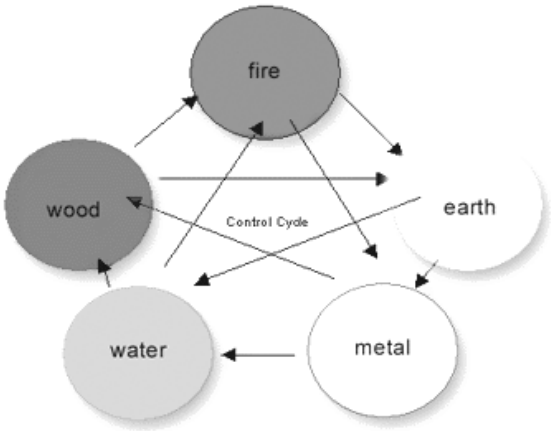

उत्पादकता चक्र

उत्पन्न करते हैं। बदले में अग्नि पृथ्वी का निर्माण करती है। क्योंकि अग्नि काष्ठ को जला कर राख (पृथ्वी) उत्पन्न करती है।

पृथ्वी धातु का निर्माण करती है क्योंकि धातु पृथ्वी से खोद कर निकाली जाती है।

धातु जल का निर्माण करती है क्योंकि धातु को जब पिघलाया जाता है तो वह एक तरल रूप ले लेती है। जल से काष्ठ (वृक्ष) पैदा होते हैं क्योंकि पानी से ही वृक्ष को सींचा जाता है।

इस चक्र को समझने में थोड़ा वक्त लगता है। पर समझ आने पर इसका उपयोग बहुत आसानी से कर सकते हैं।

तत्वों का विनाशकारी चक्र

इस विनाशकारी चक्र में आप देखेंगे कि काष्ठ पृथ्वी को नष्ट करती है क्योंकि वृक्ष पृथ्वी पर उगते हैं, बड़े होते हैं। वे सभी खनिजों को सोखकर धरती को बंजर बना देते हैं।

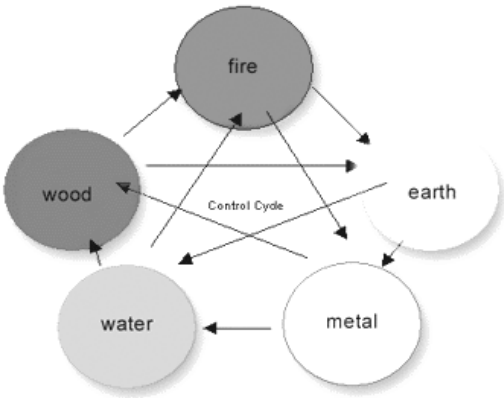

विनाशकारी चक्र

पृथ्वी जल को नष्ट करती है क्योंकि पृथ्वी (मिट्टी) बरसात होने पर सारा पानी सोख लेती है।

जल अग्नि को नष्ट करता है।

अग्नि धातु को नष्ट कर देती है क्योंकि धातु को गला देती है।

धातु काष्ठ को नष्ट करती है क्योंकि धातु से बने तेज औजार वृक्षों को काट देते हैं। फेंग शुई को अपने जीवन को समृद्ध खुशहाल बनाने व अपनी समस्याओं का समाधान करने के लिए इन चक्रों को भली भांति समझना बहुत जरूरी है। इनको समझने के पश्चात् आप उपायों में छिपे तर्कों को आसानी से समझ पाएंगे।

यह था पंच तत्वों का एक–दूसरे से सम्बन्ध। अब हम अपने पाठकों को पांच तत्वों के बारे में विस्तार से बता रहे हैं।

1. काष्ठ तत्व

दिशा – पूर्व
ऋतु – बसन्त
रंग – हरा
आकार – आयताकार
जानवर – ड्रेगन
सद्गुण – परोपकार
गुण – निष्ठा, स्वामी भक्ति
ग्रह – बृहस्पति

व्यक्तित्व :

काष्ठ रचनात्मक होता है, काष्ठ पुरुष रचनात्मक, ऊर्जावान होते हैं। वे नई–नई योजनाएँ बनाते हैं, प्रभावशाली व्यक्तित्व, कलात्मक, उत्साह से पूर्ण, सफलता प्राप्त करते हैं। कल्पनाशील होते हैं। लेकिन इनमें अवगुण यह है कि ये लोग धैर्यहीन क्रोधी होते हैं। जो भी काम लेते हैं उसे पूरा नहीं करते हैं।

संगठन :

पेड़–पौधे, लकड़ी का फर्नीचर, शिप, लकड़ी के तख्त, केन का फर्नीचर, फूल–पत्तियां, खंभा, हरा रंग, कागज, लैंडस्केप तस्वीर, हरे कपड़े।

2. अग्नि तत्व :

दिशा – दक्षिण
ऋतु – ग्रीष्म
रंग – लाल
आकार – त्रिभुज

Future Point

जानवर – अमर पक्षी (फिनिक्स)
सद्‌गुण – मर्यादा
गुण – तर्क शक्ति
ग्रह – मंगल

व्यक्तित्व :

अग्नि उत्साह व ऊर्जा देती है। इसी कारण अग्निप्रधान व्यक्ति नेता होते हैं। यह तत्व यश प्रदान करता है। ऐसे व्यक्ति क्रियाशील होते हैं। दूसरे को अपना अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ये लोग न्यायपसन्द होते हैं। यह सब तभी है जब यह तत्व उचित मात्रा में हो वरना इस तत्व की प्रधानता होने पर इनका व्यक्तित्व बदल जाता है। ये आलोचक अपशब्द बोलने वाले, दूसरो की सफलता से जलने वाले व झगड़ालू किस्म के हो जाते हैं।

संगठन :

सूर्य की रोशनी, दिया, तेल, बिजली की चीजें, मोमबत्ती, आग, पालतू जानवर, जंगली जानवर, हिसंक जानवर, गीजर, बुत, पत्थर की मूर्तियां, कोने वाली चीजें, तीर, लाल चीजें।

पृथ्वी तत्व :

दिशा – मध्य
ऋतु – एक जैसी
रंग – भूरा, पीला, नारंगी
आकार – वर्गाकार
जानवर – सांड
सद्‌गुण – विश्वास
गुण – ईमानदारी
ग्रह – शनि

व्यक्तित्व :

पृथ्वी स्थिरता, विश्वास तथा समझदारी देती है। यह धैर्यवान, ईमानदार, निष्ठायुक्त, सन्तुलित होने की परिचायक भी है। इसीलिए इस तत्व के व्यक्ति दयालु व जिम्मेदार होते हैं। संकट में मजबूती से काम लेते हैं। इनमें अतः शक्ति होती है। लेकिन जब इनमें अत्यधिक प्रधानता होती है तो ये अड़ियल स्वभाव के हो जाते हैं।

संगठन :

पत्थर, वर्गाकार, सीमेंट, ईंटें, मिट्‌टी, भूसा, मिट्‌टी की चीजें, गमले।

4. धातु तत्व :

दिशा – पश्चिम

Future Point

ऋतु – शरद
रंग – सफेद (अन्य धातुओं का रंग)
आकार – वृत्ताकार –
जानवर – चीता
सद्‌गुण – न्याय
गुण – स्पष्टता
ग्रह – शुक्र

व्यक्तित्व :

व्यापार व आर्थिक सफलताओं का तत्व धातु होती है। धातु पुरुष धर्म सम्बन्धी विचारों वाले सिद्धान्ती, विचारों के, गंभीर, आसानी से मदद नहीं लेते हैं। स्पष्ट विचारों वाले कठोर व्यक्ति होते हैं। लेकिन इनमें अवगुण यही है कि ये आक्रामक भी हो सकते हैं। व्यापारिक बुद्धि वाले होते हैं। इस तत्व की प्रधानता इनको चालाक, धूर्त बना देती है।

संगठन :

समस्त धातु, गोलाकार गुम्बद, धातु की चीजें, द्वार, रसोई के उपकरण, सफेद, स्लेटी, सिल्वर की चीजें, क्रिस्टल, सौम्य व हल्के रंग, धातु की मूर्तियां, घड़ियां।

5. जल तत्व :

दिशा – उत्तर
ऋतु – शीत
रंग – काला व नीला
आकार – आड़ा
जानवर – कछुआ
सद्‌गुण – बुद्धिमत्ता
गुण – दृढ़ता
ग्रह – बुध

व्यक्तित्व :

जल पुरुष अच्छे संवादशील होते हैं। कूटनीतिज्ञ और अपने प्रभाव से काम निकालने वाले लचीले और निर्भर योग्य हैं। कलात्मक, संवेदनशील मनोभावों को समझने वाले होते हैं। संगीत सुनने के शौकीन, दयालु, भावुक, अत्यधिक कल्पनाशील होते हैं। इनमें बहुमुखी प्रतिभा होती है, हंसमुख होते हैं। इनमें दूसरों को प्रभावित करने की क्षमता बहुत होती है। लेकिन इनकी अत्यधिक प्रधानता विचारों में उग्रता लाती है। अस्थिर प्रकृति के हो जाते हैं। डरपोक, नर्वसनेस, तनाव से ग्रस्त हो जाते हैं।

संगठन :

Future Point

नदियां, झरने, तालाब, झील, नीला काला रंग, दर्पण, शीशे, फिश टैंक, पानी की तस्वीरें, फव्वारा, कांच की बोतलें, मनी प्लांट, क्रिस्टल, मकान ऊँचे नीचे हो तो जल तत्व होता है। पारदर्शक चीजें।

तत्वों को कैसे नियन्त्रित किया जाए :

हम पहले भी बता चुके हैं कि हर व्यक्ति में अपना एक तत्व होता है। मतलब कि किसी एक तत्व की प्रधानता होती है। उस तत्व की अच्छाइयों के साथ–साथ हमें उस तत्व से प्राप्त हुई बुराइयों अर्थात् अवगुण से जीवन में अनेकों समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके लिए आप नियन्त्रक तत्व का उपयोग करके हानिकारक तत्व के दुष्प्रभाव से बचाव कर सकते हैं। इसी अनुसार आप अपने घर को सेट कर सकते हैं। घर की आन्तरिक सज्जा में ऐसी वस्तुओ का उपयोग लाभकारी होता है जो आपके जन्म तत्व से सम्बन्धित होती हैं। साथ ही अपने जन्म तत्व के साथ, घर में एक से अधिक व्यक्तियों के रहने पर आपको हर व्यक्ति के निजी तत्व का ध्यान रखना होगा। इस प्रयास में हो सकता है आपको विरोधी तत्व का भी सामना करना पड़े। ऐसी समस्या का एक मात्र हल यही है कि जिस कमरे में जो भी व्यक्ति रहता है उसमें उससे सम्बन्धित तत्व का उपयोग किया जाए।

इन्हीं चक्रों की भांति कम करने का चक्र भी होता है उसके उपयोग से विरोधी ऊर्जाओं के प्रभाव को कम किया जा सकता है। जैसे कि घर में दो व्यक्ति काष्ठ व धातु तत्व के हैं–उनके साथ समस्याएं रहेंगी क्योंकि धातु काष्ठ को नष्ट करती है। इसलिए उन दोनों को बीच सामंजस्य रखने के लिए हमें जल तत्व का प्रयोग करना पड़ेगा क्योंकि जल से काष्ठ उत्पन्न होता है। ऐसे में हमें वहां जल तत्व वाली वस्तुओं से स्थिति में सुधार लाना होगा। उस जगह हम एक फव्वारा, मछली घर, क्रिस्टल या कोई भी कांच की चीज रखकर दोनों में सामंजस्य पैदा कर सकते हैं।

Future Point

Future Point

पाठ –5

अपना तत्व व जानवर कैसे खोजें?

नीचे दी गई वर्ष तालिका में आप अपनी जन्म तिथि व वर्ष के अनुसार अपना तत्व व जानवर ज्ञात कर सकते हैं।

वर्ष	वर्षारंभ	वर्षान्त	जानवर	तत्व
1900	31 जनवरी 1900	18 फरवरी 1901	चूहा	धातु
1901	19 फरवरी 1901	17 फरवरी 1902	बैल	धातु
1902	8 फरवरी 1902	28 जनवरी 1903	शेर	जल
1903	29 जनवरी 1903	15 जनवरी 1904	खरगोश	जल
1904	16 फरवरी 1904	3 फरवरी 1905	ड्रैगन	लकड़ी
1905	4 फरवरी 1905	24 जनवरी 1906	सांप	लकड़ी
1906	25 जनवरी 1906	12 फरवरी 1907	घोड़ा	अग्नि
1907	13 फरवरी 1907	1 फरवरी 1908	भेड़	अग्नि
1908	2 फरवरी 1908	21 जनवरी 1909	बन्दर	पृथ्वी
1909	22 जनवरी 1909	9 फरवरी 1910	मुर्गा	पृथ्वी
1910	10 फरवरी 1910	29 जनवरी 1911	कुत्ता	धातु
1911	30 जनवरी 1911	17 फरवरी 1912	सूअर	धातु
1912	18 फरवरी 1912	25 फरवरी 1913	चूहा	जल
1913	6 फरवरी 1913	25 जनवरी 1914	बैल	जल
1914	26 जनवरी 1914	13 फरवरी 1915	शेर	लकड़ी
1915	14 फरवरी 1915	2 फरवरी 1916	खरगोश	लकड़ी
1916	3 फरवरी 1916	22 जनवरी 1917	ड्रैगन	पृथ्वी
1917	23 जनवरी 1917	10 फरवरी 1918	सांप	अग्नि
1918	11 फरवरी 1918	31 जनवरी 1919	घोड़ा	अग्नि
1919	1 फरवरी 1919	19 फरवरी 1920	बकरी	पृथ्वी
1920	20 फरवरी 1920	7 फरवरी 1921	बन्दर	धातु
1921	8 फरवरी 1921	27 जनवरी 1922	मुर्गा	धातु
1922	28 जनवरी 1922	15 फरवरी 1923	कुत्ता	जल
1923	16 फरवरी 1923	4 फरवरी 1924	सूअर	जल
1924	5 फरवरी 1924	24 जनवरी 1925	चूहा	काष्ठ
1925	25 जनवरी 1925	12 फरवरी 1926	बैल	काष्ठ

1926	13 फरवरी 1926	1 फरवरी 1927	शेर	अग्नि
1927	2 फरवरी 1927	22 जनवरी 1928	खरगोश	अग्नि
1928	23 जनवरी 1928	9 फरवरी 1929	ड्रैगन	पृथ्वी
1929	10 फरवरी 1929	29 जनवरी 1930	सांप	पृथ्वी
1930	30 जनवरी 1930	16 फरवरी 1931	घोड़ा	धातु
1931	17 फरवरी 1931	5 फरवरी 1932	बकरी	धातु
1932	6 फरवरी 1932	25 जनवरी 1933	बन्दर	जल
1933	26 जनवरी 1933	13 फरवरी 1934	मुर्गा	जल
1934	14 फरवरी 1934	3 फरवरी 1935	कुत्ता	काष्ठ
1935	4 फरवरी 1935	23 जनवरी 1936	सूअर	काष्ठ
1936	24 जनवरी 1936	10 फरवरी 1937	चूहा	अग्नि
1937	11 फरवरी 1937	30 जनवरी 1938	बैल	अग्नि
1938	31 जनवरी 1938	18 फरवरी 1939	शेर	पृथ्वी
1939	19 फरवरी 1939	7 फरवरी 1940	खरगोश	पृथ्वी
1940	8 फरवरी 1940	26 जनवरी 1941	ड्रैगन	धातु
1941	27 जनवरी 1941	14 फरवरी 1942	सांप	धातु
1942	15 फरवरी 1942	4 फरवरी 1943	घोड़ा	जल
1943	5 जनवरी 1943	24 जनवरी 1944	बकरी	जल
1944	25 जनवरी 1944	12 फरवरी 1945	बन्दर	काष्ठ
1945	13 फरवरी 1945	1 जनवरी 1946	मुर्गा	काष्ठ
1946	2 फरवरी 1946	21 जनवरी 1947	कुत्ता	अग्नि
1947	22 जनवरी 1947	9 फरवरी 1949	सूअर	अग्नि
1948	10 फरवरी 1948	28 जनवरी 1949	चूहा	पृथ्वी
1949	29 जनवरी 1949	16 फरवरी 1950	बैल	पृथ्वी
1950	17 फरवरी 1950	5 फरवरी 1951	शेर	धातु
1951	6 फरवरी 1951	26 जनवरी 1952	खरगोश	धातु
1952	27 जनवरी 1952	13 फरवरी 1953	ड्रैगन	जल
1953	14 फरवरी 1953	2 फरवरी 1954	सांप	जल
1954	3 फरवरी 1954	23 जनवरी 1955	घोड़ा	काष्ठ
1955	24 जनवरी 1955	11 फरवरी 1956	बकरी	काष्ठ
1956	12 फरवरी 1956	30 जनवरी 1957	बन्दर	अग्नि
1957	31 जनवरी 1957	17 फरवरी 1958	मुर्गा	अग्नि
1958	18 फरवरी 1958	7 फरवरी 1959	कुत्ता	पृथ्वी
1959	8 फरवरी 1959	27 जनवरी 1960	सूअर	पृथ्वी

Future Point

Future Point

वर्ष	वर्षारंभ	वर्षान्त	जानवर	तत्व
1960	28 जनवरी 1960	14 फरवरी 1961	चूहा	धातु
1961	15 फरवरी 1961	4 फरवरी 1962	बैल	धातु
1962	5 फरवरी 1962	24 जनवरी 1963	शेर	जल
1963	25 जनवरी 1963	12 फरवरी 1964	खरगोश	जल
1964	13 फरवरी 1964	1 फरवरी 1965	ड्रैगन	काष्ठ
1965	2 फरवरी 1965	20 जनवरी 1966	सांप	काष्ठ
1966	21 जनवरी 1966	8 फरवरी 1967	घोड़ा	अग्नि
1967	9 फरवरी 1967	29 जनवरी 1968	बकरी	अग्नि
1968	30 जनवरी 1968	16 फरवरी 1969	बन्दर	पृथ्वी
1969	17 फरवरी 1969	5 फरवरी 1970	मुर्गा	पृथ्वी
1970	6 फरवरी 1970	26 जनवरी 1971	कुत्ता	धातु
1971	27 जनवरी 1971	15 फरवरी 1972	सूअर	धातु
1972	16 फरवरी 1972	2 फरवरी 1973	चूहा	जल
1973	3 फरवरी 1973	22 जनवरी 1974	बैल	जल
1974	23 जनवरी 1974	10 फरवरी 1975	शेर	काष्ठ
1975	11 फरवरी 1975	30 जनवरी 1976	खरगोश	काष्ठ
1976	31 जनवरी 1976	17 फरवरी 1977	ड्रैगन	अग्नि
1977	18 फरवरी 1977	6 फरवरी 1978	सांप	अग्नि
1978	7 फरवरी 1978	27 जनवरी 1979	घोड़ा	पृथ्वी
1979	28 जनवरी 1979	15 फरवरी 1980	बकरी	पृथ्वी
1980	16 फरवरी 1980	4 फरवरी 1981	बन्दर	धातु
1981	5 फरवरी 1981	24 जनवरी 1982	मुर्गा	धातु
1982	25 जनवरी 1982	12 फरवरी 1983	कुत्ता	जल
1983	13 फरवरी 1983	1 फरवरी 1984	सूअर	जल
1984	2 फरवरी 1984	19 फरवरी 1985	चूहा	काष्ठ
1985	20 फरवरी 1985	8 फरवरी 1986	बैल	काष्ठ
1986	9 फरवरी 1986	28 जनवरी 1987	शेर	अग्नि
1987	29 जनवरी 1987	16 फरवरी 1988	खरगोश	अग्नि
1988	17 फरवरी 1988	5 फरवरी 1989	ड्रैगन	पृथ्वी
1989	6 फरवरी 1989	26 जनवरी 1990	सांप	पृथ्वी
1990	27 जनवरी 1990	14 फरवरी 1991	घोड़ा	धातु
1991	15 फरवरी 1991	3 फरवरी 1992	बकरी	धातु
1992	4 फरवरी 1992	22 जनवरी 1993	बन्दर	जल

Future Point

वर्ष	वर्षारंभ	वर्षान्त	जानवर	तत्व
1993	23 जनवरी 1993	9 फरवरी 1994	मुर्गा	जल
1994	10 फरवरी 1994	30 जनवरी 1995	कुत्ता	काष्ठ
1995	31 जनवरी 1995	18 फरवरी 1996	सूअर	काष्ठ
1996	19 फरवरी 1996	6 फरवरी 1997	चूहा	अग्नि
1997	7 फरवरी 1997	27 जनवरी 1998	बैल	अग्नि
1998	28 जनवरी 1998	15 फरवरी 1999	शेर	पृथ्वी
1999	16 फरवरी 1999	4 फरवरी 2000	खरगोश	पृथ्वी
2000	5 फरवरी 2000	23 जनवरी 2001	ड्रैगन	धातु
2001	24 जनवरी 2001	11 फरवरी 2002	सांप	धातु
2002	12 फरवरी 2002	31 जनवरी 2003	घोड़ा	जल
2003	1 फरवरी 2003	21 जनवरी 2004	बकरी	जल
2004	22 जनवरी 2004	8 फरवरी 2005	बन्दर	काष्ठ
2005	9 फरवरी 2005	28 जनवरी 2006	मुर्गा	काष्ठ
2006	29 जनवरी 2006	17 फरवरी 2007	कुत्ता	अग्नि
2007	18 फरवरी 2007	6 फरवरी 2008	सूअर	अग्नि
2008	7 फरवरी 2008	25 जनवरी 2009	चूहा	पृथ्वी
2009	26 जनवरी 2009	13 फरवरी 2010	बैल	पृथ्वी
2010	14 फरवरी 2010	2 फरवरी 2011	शेर	धातु
2011	3 फरवरी 2011	22 जनवरी 2012	खरगोश	धातु
2012	23 जनवरी 2012	9 फरवरी 2013	ड्रैगन	जल
2013	10 फरवरी 2013	30 जनवरी 2014	सांप	जल

जीवन में फेंग शुई के सिद्धान्तों को लागू करने से पहले सर्वप्रथम अपने जन्म दिन के बारे में जानना चाहिए। फिर इस तालिका में आप अपना जानवर वर्ष ढूंढ़िए। मान लीजिए आप 3 फरवरी 1960 में पैदा हुए हैं तो चीनी वर्षों वाली तालिका द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आपका जानवर और तत्व देखें प्रत्येक जानवर एक तत्व से परिचालित है जो उसकी प्रकृति को तय करता है। लगभग 60 वर्षों की अवधि तक 12 वर्षों के एक चक्र में पांचों तत्व की पुनरावृत्ति होती है। हर जानवर काष्ठ, अग्नि, पृथ्वी धातु या जल तत्व का हो सकता है जो नए सिरे से जानवर के चरित्र को निर्धारित करेगा।

Future Point

पाठ –6

शार से संभल कर रहें

शार 'ची' खराब 'ची'

सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह की '**ची**' होती है। **'नकारात्मक ची'** कोणों से उत्पन्न होती है जिसे **'शार ची'** के नाम से जाना जाता है। विषैले तीर व तीखे कोण घर के प्रमुख दरवाजे या घर की ओर केन्द्रित हों, या घर के प्रमुख दरवाजे की ओर आने वाली सड़क। आपके घर की ओर आस–पास के बिल्डिग के तीखे कोने अपने रास्ते की प्रत्येक वस्तु की ओर विषैले तीर भेजते हैं। ये कोने आपको दिखाई नहीं देने चाहिए। लेकिन अगर आप उसे देख सकते हैं तो उसके लिए कुछ ऐसे उपाय करें कि वह आपकी दृष्टि से ओझल रहे या फिर आप पा–कुआ दर्पण लटका सकते हैं जिससे वे कोने (शार) वापस लौट जाएं।

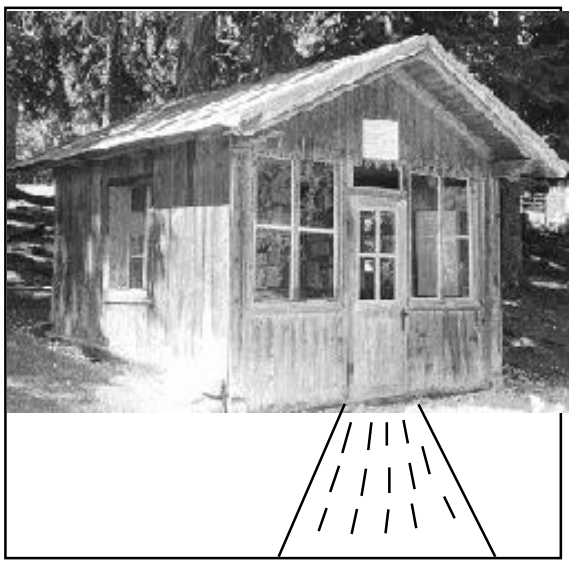

शार–विषैले तीर
आपके दरवाजे की ओर आने वाला सीधा रास्ता शार को आपकी तरफ भेजता है

फेंग शुई में हर चीज का उपाय है :

ऐसा कोना आपके रास्ते की प्रत्येक वस्तु या मकान की ओर विषैला तीर भेजता है। अगर वह दिखाई नहीं देता है तो फिर वह चिन्ता का विषय नहीं है। लेकिन अगर वह आपकी दृष्टि से ओझल नहीं है तो उसके लिए आपको उपाय करना होगा।

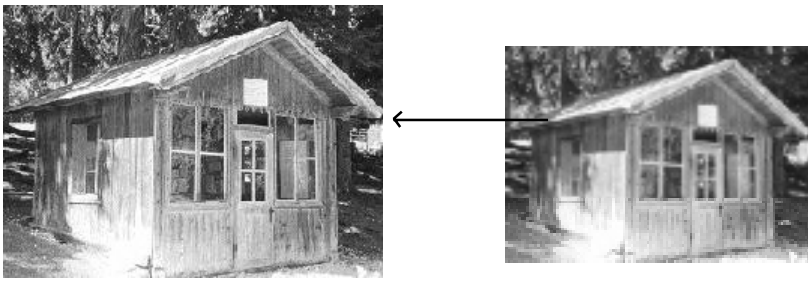

शार का निर्मित होना

उपाय :

1. आप परदा लटका सकते हैं।

2. दो मकानों के बीच पेड़ लगाकर उसे छिपा सकते हैं।

3. पा–कुआ दर्पण लटका सकते हैं। दर्पण से आपकी तरफ आने वाला शार वापस लौट जाएगा। लेकिन ध्यान रहे 'ची' के सुगम प्रवाह के लिए दर्पण को साफ रखना अत्यन्त आवश्यक है।

Future Point

Future Point

पाठ –7

चमत्कारी पाकुआ व इसका रहस्य

चीन की प्रमुख राष्ट्रीय नदी **'लो'** में से एक विशाल कछुआ प्रकट हुआ। इस विशालकाय कछुए की पीठ पर एक पूर्ण चमत्कारी वर्ग था। वहां के विद्वानों ने उस घटना का विश्लेषण किया जिसके परिणाम स्वरूप फेंग शुई, आई चिंग, चीनी अंक शास्त्र तथा ज्योतिष शास्त्र की शुरूआत हुई थी। इस कछुए की कठोर पीठ 9 कोष्ठकों में बंटी हुई थी। प्रत्येक कोष्ठक बिन्दु दिखाई दे रहे थे। उन बिन्दुओं का चमत्कार यह था कि उन्हें किसी भी तरह, आड़े तिरछे जोड़ें तो प्रत्येक कोष्ठक का जोड़ 15 प्राप्त होता था। यह चमत्कारी अवधारणा आज से 4000 वर्ष पूर्व चीन में **'लो'** शू की थी।

यही कछुआ आगे चल कर चीन में उत्तर दिशा का स्वामी माना जाने लगा।

इस कछुए की पीठ से प्राप्त चतुष्कोण में मध्य में भूर रंग से पृथ्वी तत्व, ऊपर 9 अंक के लाल रंग में अग्नि, नीचे 1 अंक के नीले रंग में पानी, 3 अंक के हरे रंग में लकड़ी एवं 7 अंक के पीले रंग में धातु का ज्ञान होता है। इस प्रकार यही पांच तत्व फेंग शुई के मौलिक चीनी सिद्धान्तों से जुड़े हैं।

आगे फेंग शुई विद्वानों ने पांच तत्वों की दिशाओं ऋतुओं को भी इस चमत्कारिक चतुष्कोण से जोड़ दिया।

4 दक्षिण पूर्व	9 दक्षिण	2 दक्षिण पश्चिम
3 पूर्व	5 सम	7 पश्चिम
8 उत्तर पूर्व	1 उत्तर	6 उत्तर पश्चिम

चतुष्कोण

चीनी वास्तु शास्त्र में दक्षिण हमेशा ऊपर होता हैं

यह चमत्कारी वर्ग व्यक्ति के जीवन के विभिन्न पक्षों को दर्शाने वाली आठ भुजाओं का भी सूचक था और अन्त में वह चमत्कारी वर्ग आठ दिशाओं वाली पा–कुआ या बागवा की आकृति बन गया।

कछुए के खोल के निशानों से जो जादुई वर्ग ढूँढ़ा था उसी से पा–कुआ या बागवा की उत्पत्ति हुई थी। प्रत्येक नौ क्षेत्र जो तीन गुना तीन का जादुई वर्ग बनाते है वे हमारे जीवन के विभिन्न पहलुओ से सम्बन्धित है।

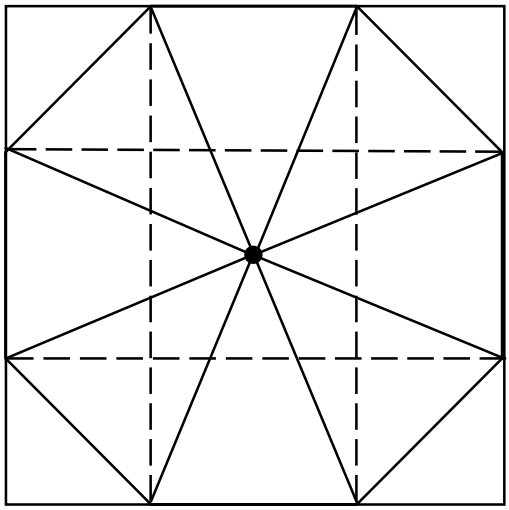

पा–कुआ या बागवा चीनी संस्कृति का एक अष्टकोणीय प्रतीक है जिसका प्रत्येक कोण किसी दिशा व जीवन के किसी महत्पूर्ण पक्ष का प्रतीक होता है। सुविधा की दृष्टि से पा–कुआ को प्रायः 3X3 के वर्ग में दर्शाया जाता है। अगर आपका घर वर्गाकार या आयताकार है तो इसे उसके ऊपर आसानी से फिट किया जा सकता है। इस जादुई वर्ग की मदद से शुभ जगह की खोज की जाती है। वह मकान बनाने और उसमें रहने के लिए सौभाग्यशाली हो भी या नहीं। इस जादुई वर्ग के 9 वर्गीकृत खाने हैं। हर वर्ग खास ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता हैं।

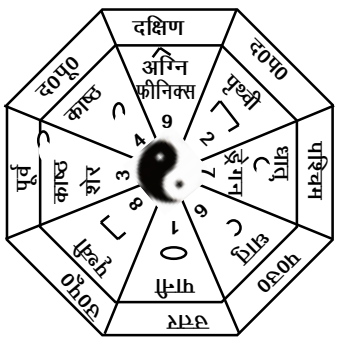

Future Point

फेंग शुई में ल्यू–पान (कंपास) की दिशाओं का आधारभूत महत्व है। ल्यू पान ही दिशा की ओर इशारा करता है कि वह आपके लिए भाग्यशाली है अथवा नहीं। ल्यू–पान की सूचनाएं संक्षेप में जादुई वर्ग में निहित हैं और वही बागवा या पाकुआ के यंत्र का आधार है यह ऐसा यन्त्र है जिसके माध्यम से मकान या ऑफिस के लिए शुभ ऊर्जा व तत्वों वाली जगह की तलाश की जाती है। नीचे बागवा के चित्र में दर्शाया गया है कि 8 दिशाओं ओर केन्द्र की ऊर्जाजनक स्थिति क्या है। बागवा जीवन की यात्रा का प्रतीक है। इसकी मदद से रहने, काम करने और आराम करने की सुविधाजनक जगह हासिल की जा सकती है। जब फेंग शुई सिद्धान्तों पर आधारित निर्माण करवाएं तो बागवा का अनुसरण जरुर करें।

बागवा का उपयोग

बागवा प्रतीक घर की प्लानिंग से लेकर दिशाओं के निर्धारण तक में कारगर भूमिका निभाता है। इसके आठ भाग जिन्दगी के आठ पक्षों की जानकारी देते हैं। ये आठ पक्ष हैं **कैरियर, सम्बन्ध, परिवार, सम्पदा, सहयोगी लोग, बच्चे, ज्ञान व ख्याति।** फेंगशुई की विधियों से महत्वकांक्षाओं को चमत्कारी ढंग से पूरा किया जा सकता है। इस मामले में प्रतीक चिह्न अभूतपूर्व मदद करते हैं। ये प्रतीक स्टोन, तस्वीर, पहाड़ भी हो सकते हैं। इन स्थिर प्रतीकों को कम्पन देने के लिए गतिमान प्रतीकों का भी सहारा लेना उचित है। गतिमान प्रतीकों के रुप में **छोटे फव्वारे, मोमबत्तियाँ** का उपयोग किया जा सकता है। जो भी प्रतीक चुनें उनका अर्थ होना बहुत आवश्यक है। यह भी ध्यान रखें कि वह आपकी दिशा के तत्व से टकराए नहीं।

1. **कैरियर**– कैरियर का सीधा सम्बन्ध इस बात से है कि आपका उद्देश्य क्या है? आप क्या करना चाहते हैं। कैरियर का अर्थ योजना की शुरुआत भी है।

उपाय– फव्वारे अथवा मोमबत्ती के गतिमान प्रतीक के अलावा कोई प्रेरणादायक चित्र टांगे। यह तस्वीर आपके विश्वविद्यालय की भी हो सकती है।

2. सम्बन्ध– किसी की भी जिन्दगी में सम्बन्ध महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लोगों से मेलजोल के अलावा जीवन साथी, पार्टनर, परिवार या दोस्तों से सम्बन्ध जिन्दगी को खुशगवार बनाता है।

उपाय– रोमांटिक सम्बन्धों की सफलता के लिए जुड़वाँ प्रतीक रखें। जैसे दो **गुलदस्ते** या **दो मोमबत्तियां, एक फोटोग्राफ** जिसमें इच्छुक व्यक्ति व उसके जीवन साथी की तस्वीर हो। इसके साथ 'ची' को गतिशील बनाने के लिए पौधे रखना लाभदायक है। अगर हवा का झोंका आता हो तो रिबन या हवा से कंपित होने वाला कुछ टांग दें, इससे ऊर्जा को गति मिलेगी, हवा के अभाव में इन्हें टांगना निरर्थक है।

3. परिवार– सुखी परिवार वही है जो तनावमुक्त और प्रसन्नचित्त हो। यह तभी संभव है जब पारिवारिक सदस्यों में आपसी मेलजोल हो सके। इसके लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना भी आवश्यक है। पड़ोसियों से भी सम्मान की आशा तभी रखी जा सकती है जब उनसे सम्मानजनक व्यवहार किया जाए।

उपाय– पारिवारिक फोटो टांगें, वंशानुगत वस्तु रखें।

Future Point

4. सम्पदा– आमतौर पर सम्पदा का अर्थ आर्थिक सम्पदा से लगाया जाता है जबकि इसका अर्थ जीवन की सम्पूर्णता और आसपास लाभजनक ऊर्जाओं के संचय से भी है।

उपाय– सिक्के, पौधे और खाली कटोरे रखें, इनके साथ गतिमान प्रतीक भी होना चाहिए जैसे छोटा सा फव्वारा।

5. सहयोगी लोग – लोगों से मेलजोल जिन्दगी का जरूरी हिस्सा है और इसका बहुत महत्व भी है। आप अगर दूसरों की मदद करोगे तो जरूरत के वक्त लोग आपकी भी मदद करेंगे।

उपाय– मददगारों का साथ पाने के लिए टेलीफोन, टेलीफोन डायरेक्टरी और बिजनिस कार्ड रखिए।

6. बच्चे– बच्चे परिवार का भविष्य होते हैं। उनके भविष्य की क्या योजनाएं हैं, उन्हें कैसे लागू करना चाहते हैं यह चिन्तन की मुख्य धारा होती है।

उपाय– बच्चों के फोटोग्राफ, बच्चों से सम्बन्ध योजनाओं के खाके, अभिभावक की कलात्मक अभिरुचियों का संग्रह रखें।

7. ज्ञान– इसका सम्बन्ध प्रज्ञा और शिक्षा से है। शिक्षा ऐसी न हो जो ऊपर से थोपी गई हो, बल्कि जीवनानुभवों से सीखी गई हो। यही ज्ञान जिन्दगी को सम्पन्न बनाता है।

उपाय– पुस्तकें फ्रेम किए गए प्रेरणादायक वाक्यांश तथा गुरु की तस्वीरें।

8. ख्याति, प्रसिद्धि– प्रसिद्धि का अर्थ येन केन प्रकारेण प्रसिद्धि अर्जित करना नहीं, बल्कि अच्छे कार्यों की वजह से लोग ख्याति प्रदान करें।

उपाय– सर्टिफिकेट, अखबारों की कतरनें, निर्माण और सफलताओं के दस्तावेज।

बागवा का केन्द्र

बागवा का केन्द्र विशेष जगह है। इसकी जगह घर में है जहां रहने वाले एक–दूसरे से मिलते हैं और जहां ऊर्जा संचित होकर गतिमान होती है। इस स्थान की अच्छी तरह देखभाल करनी चाहिए। इसे सदैव उज्जवल और स्वागत योग्य रखिए। यहां घालमेल की स्थिति पैदा न होने दें और न ही पांच बल्बों की संयुक्त रोशनी करें। ग्लास और गिलास की रोशनी इस जगह को गतिमान बनाएगी। केन्द्र में गोलाकार कालीन बिछाना शुभ है।

घर को लाभजनक ऊर्जाएं देने के लिए फेंग शुई का सहारा लिया जाता है। पर जिन्दगी एक जैसी नहीं अपितु निरन्तर परिवर्तनशील है। इसी प्रकार दिशाओं की ऊर्जाएं भी बदलती रहती हैं। इसलिए जब किसी दिशा को ऊर्जावान करने पर उसका अच्छा नतीजा निकलता है तो खुशी होती है किन्तु इसके बाद उस दिशा की ओर से लापरवाह होने से नतीजे शुभ नहीं हो सकते। समय–समय पर बदलती परिस्थितियों के अनुसार दिशाओं को सतत ऊर्जावान बनाए रखना चाहिए।

Future Point

जब जीवन के आठ पक्षों को विकसित करने के लिए प्रतीक रखें तो बागवा कंपास से दिशाएं और उनसे सम्बन्ध तत्वों का निर्धारण अवश्य कर लें। जो दिशा अनुकूल हो वही प्रतीक और उपप्रतीक रखें।

फेंग शुई की शक्ति

फेंग शुई रहस्यमय ढंग से काम करती है। यह जरूरी नहीं कि जिस उद्देश्य से इसका उपयोग किया जाए उसका मनचाहा नतीजा मिल सके। उद्देश्य सिद्धि हेतु ऊर्जाओं को गतिशीलता जरूर प्रदान की जाती है लेकिन वांछित इच्छा पूरी हो जाए यह हर बार सभंव नहीं। इस मामले में फेंग शुई परामर्शदाता से विचार विमर्श करना उचित होगा। वह इसकी प्रक्रिया के बारे में अच्छी तरह मार्गदर्शन कर सकेगा। विधियों का सावधानी से पालन करना होगा। एक वक्त में सिर्फ एक दिशा के परिवर्तन पर ध्यान लगाएं कुछ दिनों बाद दूसरी दिशा के लिए काम करें।

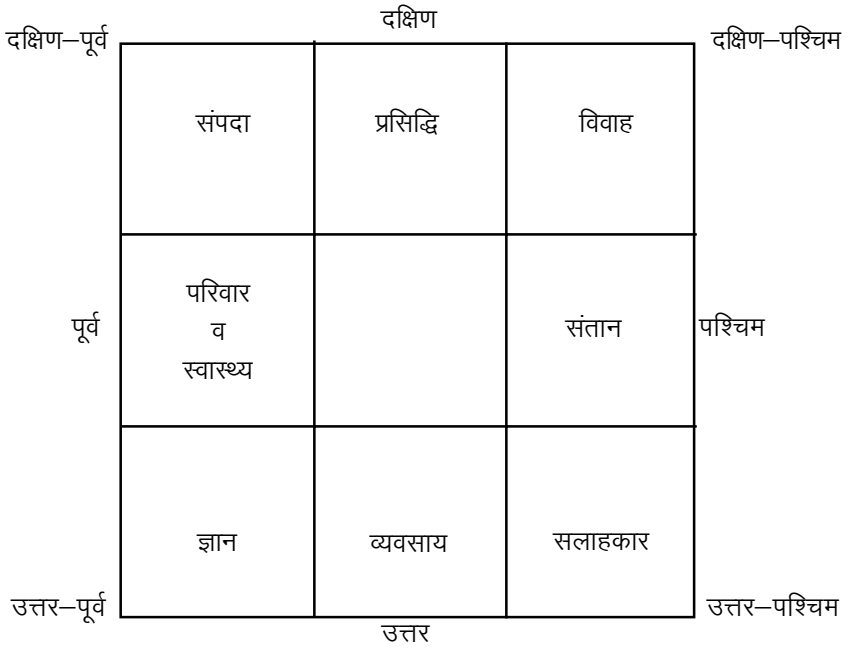

1. सम्पदा वर्ग

ऊपर बायीं तरफ द0 पू0 दिशा वाला वर्ग हमारी सम्पत्ति से सम्बन्धित है। अपनी आय बढ़ाने और आर्थिक रूप से बेहतर करने के लिए यह क्षेत्र उपयोगी है अर्थात् उपयुक्त है।

2. प्रसिद्धि यश वर्ग

दक्षिण दिशा प्रसिद्धि का क्षेत्र है। यह बिल्कुल सम्पत्ति के वर्ग के साथ का वर्ग है। यह समाज में हमारी प्रतिष्ठा व स्तर से सम्बन्धित है। हालांकि, अगर हम प्रसिद्ध होना चाहें तो इसे भी विभिन्न तरीकों से सक्रिय कर सकते हैं।

Future Point

3. विवाह वर्ग

द0 प0 दिशा का क्षेत्र विवाह का क्षेत्र है जो बिल्कुल प्रसिद्धि के साथ है। एक क्षेत्र मुख्य विषय है। इस क्षेत्र का सम्बन्ध घनिष्ठ सम्बन्धों से होता है, वैसे तो ये व्यक्तिगत सम्बन्ध होते हैं। अगर आप नए सम्बन्धों के इच्छुक हैं तो इस क्षेत्र को सक्रिय कर सकते हैं। वर्तमान सम्बन्ध को अगर विकसित करना चाहते हैं तब भी घर के अपने इस क्षेत्र को विकसित कर सकते हैं।

परिवार व स्वास्थ्य वर्ग

4. पूर्व दिशा का क्षेत्र परिवार व स्वास्थ्य का क्षेत्र है। परिवार व स्वास्थ्य का क्षेत्र बायीं तरफ ठीक सम्पत्ति वर्ग के नीचे है। पारिवारिक समस्याएं हों या परिवार के किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब हो तो हम इस क्षेत्र को सक्रिय कर सकते हैं। क्योंकि इस क्षेत्र का सम्बन्ध परिवार के सीमित रूप से न होकर व्यापक रूप से है। यह स्थान प्राथमिक चिकित्सा के सामान रखने के लिए उपयुक्त है।

सन्तान वर्ग

5. पश्चिम दिशा का क्षेत्र सन्तान का क्षेत्र है। कम उम्र के व्यक्त्यों से यह क्षेत्र जुड़ा होता है। सन्तान क्षेत्र वैसे तो सन्तान से सम्बन्धित होता है किन्तु सृजनात्मकता भी शामिल रहती है। बच्चों की इच्छा रहने पर या बच्चों के सम्बन्ध में कोई समस्या रहने पर इस क्षेत्र को विकसित किया जा सकता है। यह सृजनात्मक कार्यों के लिए उत्तम स्थान है। इसलिए यहां कोई भी रचनात्मक कार्य किया जा सकता है।

ज्ञान वर्ग

6. उ0 पू0 दिशा का वर्ग ज्ञान का क्षेत्र है यह ठीक परिवार व स्वास्थ्य के नीचे का वर्ग है। आध्यात्मिकता एवं अध्ययन का सम्बन्ध ज्ञान क्षेत्र से रहता है। इसलिए यह स्थान पुस्तकों के शेल्फ व पढ़ने लिखने के लिए बेहतर स्थान है। अगर परिवार में कोई भी पढ़ाई कर रहा हो तो इस क्षेत्र को सक्रिय कर सकते हैं।

व्यवसाय व रोजगार वर्ग

7. अगर आप अपने घर में कार्यालय बनाना चाहते हैं तो यह क्षेत्र सर्वदा उपयुक्त रहता है। उत्तर दिशा का यह वर्ग उन्नति चाहने वाले व्यक्तियों को सक्रिय करना चाहिए।

सलाहकार वर्ग

8. उ0 प0 क्षेत्र का वर्ग सलाहकारों के लिए उपयुक्त स्थान है। सलाहकार यानि कि परामर्शदाता। इस क्षेत्र का सम्बन्ध ऐसे व्यक्तियों से होता है जो आपसी सहायता कर सकते हैं। यहां नई योजनाओं को शुरू भी किया जा सकता है।

Future Point

मंगलप्रद स्थान वर्ग

9. पा–कुआ का मध्य भाग या केन्द्र मंगलप्रद स्थान कहलाता है। वैसे इस भाग को विभिन्न नामों से पुकारा जाता है जैसे आध्यात्मिक केन्द्र, आत्मिक केन्द्र, ची केन्द्र, प्रसन्नता का क्षेत्र। इसे गुड लक का भाग भी कहा जाता है। ची, जो यहां आकर्षित होती है, बाकी घर में फैल जाती है। घर के सदस्यों को एकत्रित होकर काम करने के लिए यह क्षेत्र उपयुक्त है। इसलिए ची को बढ़ाने के लिए इसका भली भांति प्रकाशित होना अत्यन्त आवश्यक है ताकि वह घर के हर कोने तक फैल सके।

घर के नक्शे के ऊपर इस चमत्कारी पा–कुआ को रखा जाता है, इस तरह कि जादुई वर्ग का निचला किनारा घर की उस तरफ का प्रतिनिधित्व करता है जहां मुख्य या प्रवेश द्वार होता है। इस जादुई वर्ग की मदद से शुभ जगह की खोज की जाती है जैसा कि आपने देखा (चित्र न0 7) इसमें 9 वर्गीकृत खाने हैं। हर वर्ग खास ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है जिसके माध्यम से मकान के लिए शुभ ऊर्जा व तत्वों वाली जगह की तलाश की जाती है। इसमें 8 दिशाओं और केन्द्र की ऊर्जाजनक स्थिति क्या है यह दर्शाया गया है। इसकी मदद से रहने, काम करने और आराम करने की सुविधाजनक जगह हासिल की जा सकती है।

Future Point

Future Point

पाठ –8

बिल्डिंग व आस पास की जगह का चुनाव

मकानों व बिर्ल्डिंग में रहने वालों के लिए फेंग शुई उतनी ही लाभदायक होती है जितनी अन्य स्थानों के लिए। यह सत्य है कि हम में से ज्यादातर व्यक्ति जिस बिर्ल्डिंग में रहते हैं उसका न तो चुनाव कर सकते हैं और नहीं अपनी रुचि के अनुसार डिजाइन। इतना जरुर कर सकते हैं कि उसमें कम ज्यादा परिवर्तन ला सकते हैं। लेकिन अगर आप अपनी बिर्ल्डिंग के लिए स्थान चुन सकते हैं तो आप भाग्यशाली होंगे।

चित्र में बड़ी बिल्डिंग मुख्य द्वार के बिल्कुल सामने है।

जब भी आप मकान या अर्पाटमैन्ट में रहने के लिए जाएं, सर्वप्रथम उसके आस–पास के दृश्य का सावधानी से निरीक्षण करें। बिर्ल्डिंग के पीछे पहाड़ियों या फिर किसी अन्य बिर्ल्डिंग से पृष्ठ भाव सुरक्षित हो, आस–पास ये भी देख लें कि कोई शार तो नहीं आ रहा है।

उन सभी बिल्डिंगों की ऊंचाई एक समान हो। ज्यादा ऊंची बिर्ल्डिग पास में हो तो अशुभ होती है। प्रवेश द्वार के सम्मुख किसी भी तरह की दीवार, बोर्ड, बिजली का खम्बा या कोई ऊंची पहाड़ी भी हो तो वह **'ची'** को प्रभावित करेगी। उसको अन्दर आने से रोकेगी।

आपकी बिल्डिंग को सामंजस्यपूर्ण होना चाहिए तथा आस–पास की शेष बिल्डिंग के साथ सन्तुलित भी।

इसी के साथ ये भी निश्चित करें कि आपके आस–पास का क्षेत्र बगीचों एवं खुले स्थानों से भली प्रकार सन्तुलित रहे ताकि वहाँ **'ची'** एकत्रित हो सके।

लेकिन अगर आप अपना मकान बनवा रहे है तो इस बात का अवश्य ध्यान रखे कि उसका डिजाइन ऐसा हो जो आपके जन्मतत्व से सामंजस्य रखता हो।

सड़क पर भवन की स्थिति

सड़क पर मकान की स्थिति **'ची'** के प्रभाव को काफी हद तक प्रभावित करती है।

अगर इस प्रकार का कोई दोष उत्पन्न हो रहा है तो उसका फेंग शुई के अनुसार उपाय करने से निवारण हो जाता है।

जहां सड़क समाप्त होती है यदि मकान वहां है तो ऐसा मकान भवन स्वामी के लिए भाग्यशाली नहीं होता है। ऐसी स्थिति में उस मकान को समृद्धिशाली बनाने के लिए नीचे लिखे उपायो में से किसी एक उपाय का प्रयोग कर लेना चाहिए।

1. मकान पर सड़क की ओर मुँह करता हुआ एक दर्पण लगा देना चाहिए।
2. अपने मकान के मध्य में वृक्ष की एक कतार लगा लें, सड़क जहां समाप्त होती है।

अगर मकान सड़क के तेज घुमाव पर स्थित है तो यह स्थिति भी अशुभ है।
इस कमी को दूर करने के लिए मकान के स्वामी को मकान के आगे वृक्ष लगा देने चाहिए।

सड़क पर भवन की स्थिति

Future Point

Future Point

मकान के आस–पास का वातावरण

आप–पास जल की उपस्थिति, वह भी प्राकृतिक जल की उपस्थिति, अत्यन्त पवित्र मानी गई है। नदी, झील, तालाब दृश्य अत्यन्त शुभ होता है। मकान के सामने फव्वारा भी पवित्र माना जाता है। यहां पर **'ची'** निवासियों के लिए सौभाग्यशाली होता है।

तालाब अण्डाकार या गोल हो तो शुभकारी होता है। वर्गाकार या आयताकार तालाब शार का निर्माण करता है। जल का साफ सुथरा रहना महत्वपूर्ण होता है। इन्हीं के साथ आसपास के पेड़ पौधे **'ची'** की प्रचुरता को दर्शाते हैं। इनसे मकान के निवासियों को लाभ होता है। मकान के सामने खुला स्थान **'ची'** को एकत्रित होने देने के कारण अत्यन्त अच्छा माना जाता है।

समृद्धि के उद्देश्य से भवन ऐसे स्थान पर होना चाहिए जहां का वातावरण हरियाली युक्त हो। यदि वहां आसपास कोई नाला बहता हो तो उसे ढक देना चाहिए।

जीवन को समृद्धिशाली बनाने के लिए यह आवश्यक है कि आपके भवन के सामने शमशान अथवा कब्रिस्तान नहीं हो। यदि ऐसा है तो मकान के सामने वृक्षों की कतार लगा देनी चाहिए।

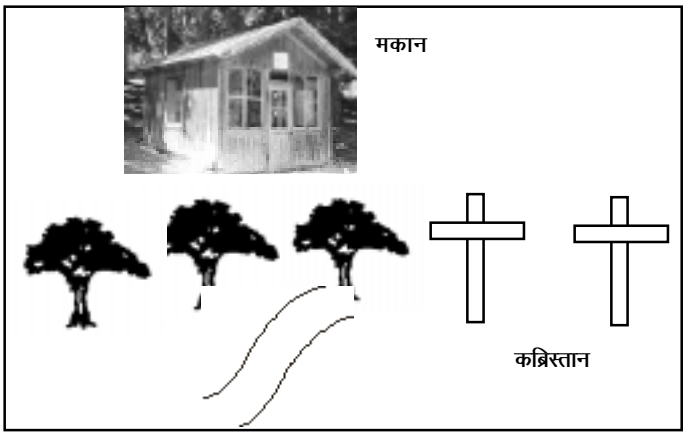

आपके भवन के सामने कोई खण्डहर न हो, मकान के सामने कोई मन्दिर, मस्जिद अथवा चर्च न हो। यदि है तो उसके प्रभाव को दूर करने के लिए वृक्षों की कतार लगा लेनी चाहिए।

Future Point

पाठ –9

आकार

फेंग शुई के दृष्टिकोण से अनियमित आकार की तुलना से सामान्य आकार वाली बिल्डिंगें बेहतर होती हैं तथा उनका आकार चौकोर, आयताकार, गोल या पा–कुआ के आकार का होना लाभकारी रहता है। त्रिभुजाकार या एल (L) के आकार का मकान शुभ नहीं माना जाता है। एल (L) के आकार की बिल्डिंग किसी भाग को हटा दिए जाने का संकेत देती है। अनियमित आकार वाली बिल्डिंग किसी भाग के गुम होने का अहसास कराती है। यू (U) आकार के भवन फेंग शुई के अनुसार अशुभ होते हैं।

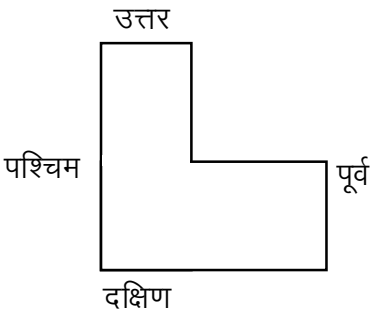

एल आकार का मकान

ऊपर चित्र में एल (L) आकार दर्शाया गया है जो कि फेंग शुई के अनुसार शुभ नहीं है। लेकिन फेंग शुई वास्तु शास्त्र में हर तरह के उपाय हैं। यदि उन उपायों का भलीभांति प्रयोग कर लिया जाए तो दोष दूर किये जा सकते हैं।

इस प्रकार के मकान के दो उपाय हैं।

1. मकान का जो भाग बना हुआ नहीं है उस भाग में वृक्ष लगा दें तो दोष दूर हो जाता है।

2. मकान का जो भाग बना हुआ नहीं है वहां पर प्रकाश की व्यवस्था करने से भी दोष दूर हो जाता है।

रंग योजना

आप अपने मकान की रंग योजना पर भी ध्यान दें। उसका ठीक प्रकार से सामंजस्य आपके अपने व्यक्तिगत तत्व के रंग के साथ जुड़ा होना चाहिए।

भारतीय ज्योतिष की तरह फेंग शुई में रंग को भाग्य बदलने का महत्वपूर्ण अंग है। फेंग शुई की मान्यता है कि शुभ रंग व्यक्ति के भाग्य में वृद्धि करता है जबकि अशुभ रंग व्यक्ति के भाग्य में कमी करता है।

फेंग शुई की दृष्टि में **'ची'** के प्रवाह को नियन्त्रित करने वाला एक प्रमुख नियन्त्रक रंग होता है। प्रत्येक रंग मूलभूत तत्वों का प्रतिनिधि है। मनुष्य के ऊपर रंगों के सकारात्मक व नकारात्मक दोनों ही प्रभाव पड़ते हैं। मनुष्य को चाहे किसी रंग की जानकारी हो या न हो पर हम उसके प्रति अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। अगर हम सोचें कि हम लाल रंग के बेडरूम में सो रहे हैं, रंगों से कमरों को भावनात्मक वातावरण मिलता है। कुछ रंग हमें उत्तेजित करते हैं तो कुछ गुस्सा दिलाते हैं जबकि कुछ रंग हमारे भावावेगों को शान्त करते हैं।

पा–कुआ और रंग

भवन के अलग–अलग क्षेत्रों का विकास करने वाले रंगों का निर्धारण करने में पा–कुआ की आकांक्षाओं के साथ पांच तत्वों का उपयोग किया जा सकता है। अपने घर में पा–कुआ से सम्बन्धित अनेक क्षेत्रों में इन रंग योजनाओं का उपयोग कर सकते हैं या इनकी जगह और रंगो की अनेक वस्तुओं को सम्बन्धित क्षेत्रों में रख सकते हैं।

विभिन्न क्षेत्रों के रंग इस प्रकार हैं–

सम्पदा क्षेत्र– हरा, लाल, बैंगनी, नीला
प्रसिद्धि क्षेत्र– हरा, लाल, पीला
विवाह क्षेत्र– लाल, गुलाबी और श्वेत
परिवार क्षेत्र– हरा, लाल, नीला
सन्तान क्षेत्र– श्वेत, सुनहरा
ज्ञान क्षेत्र– काला, हरा, नीला
व्यवसाय क्षेत्र– काला, श्वेत, हरा
सलाहकार क्षेत्र– श्वेत, काला

फेंग शुई बताती है कि यीन व यांग की अन्तः क्रियाओं से ही स्थितियों में बदलाव आता है। यीन का रंग काला होता है और उसका कालापन सम्पूर्ण रंगों को अपने में समाहित कर लेता है जबकि यांग की सफेदी सभी रंगों को प्रतिबिम्बित करती है। यीन व यांग पांच तत्वों और उनके सहयोगी रंगों को सन्तुलित करते हैं। सफेद रंग ताजा कैनवस का प्रतिनिधित्व करता है जबकि काला **'क्लीन स्लेट'** का प्रतीक है जिस पर मन चाहे रंगों और रंगों के शेड्स से तस्वीर बना सकते हैं।

1. **लाल**– उत्तेजक, कर्मठ

लाल रंग सभी रंगों के मुकाबले में सबसे बलशाली होता है। लाल रंग को जब हम देखते हैं, हमें तीव्र सन्देश मिलता है। यह रंग अत्यन्त मंगलमय है। चीनी लोग इसे प्रसन्नता व समृद्धि का रंग मानते हैं। यह कमरे का आकार छोटा करता है और वस्तु का बड़ा यह सहयोगी रंग के रूप में अधिक उपयोगी है। डाइनिंग रूम, बच्चों के शयनकक्ष, किंचन, कार्यस्थल में लाल रंग का इस्तेमाल निषिद्ध है। लाल रंग का सम्बन्ध हार्दिकता, सम्पन्नता व उत्साह से है। यह रंग अग्नि तत्व से जुड़ा है।

Future Point

2. **पीला**– सकारात्मकता, आशावादिता।

इस रंग का सम्बन्ध ज्ञान और बौद्धिकता से है। यह मस्तिष्क को उद्दीप्त करता है और सोचने समझने की शक्ति बढ़ाता है। इसके अनुकूल गुण हैं आशावादिता, तार्किकता, निर्णयपटुता जबकि प्रतिकूल गुण है जिद, चालाकी।

शक्ति देने वाले सूर्य का रंग पीला होता है। यह रंग उज्ज्वलता, प्रेरणा व प्रसन्नता देने वाला होता है। धुन्धले से धुन्धले कमरे को आकर्षित बना देता है। चीनी लोग इसे पहले हंसी का रंग मानते थे। यह रंग भी पृथ्वी तत्व से जुड़ा है। इसका उपयोग कोरीडोर व किचन में किया जा सकता है। बाथरूम व मीटिंग हॉल में इसका प्रयोग न करें। लेकिन इस रंग के ज्यादा इस्तेमाल से सिरदर्द हो जाता है। पीला रंग उत्साह का प्रतीक है। इसी वजह से इसका उपयोग मनोरंजन कक्षों में ज्यादा किया जाता है।

3. **हरा– शान्ति**

काष्ठ तत्व से हरे रंग का सम्बन्ध होता है। इन्द्र धनुष के ठीक बीच में स्थित हरा रंग होता है। यह शान्ति का प्रतीक है। इसका सम्बन्ध विकास, उत्पादन, सद्भाव से है। यह सुकून व ताजगी पहुँचाता है। जिस कमरे में व्यक्ति सोना चाहता है उस कमरे में वह इस रंग का इस्तेमाल करता है क्योंकि यह रंग आरामदायक और शान्तिदायक होता है। यह रंग तनावमुक्त रखता है। रोगोपचार कक्ष, संगीत विद्यालय, बाथरूम में इस रंग का इस्तेमाल शुभ है। लेकिन ड्राइगरूम में यह रंग निषिद्ध हैं इसके गुण है। आशावाद, स्वतन्त्रता व सन्तुलन।

नीला– आशावादता, सुरक्षा

इस रंग का सम्बन्ध जलतत्व से है। चीनी लोग आकाश के इस नीले रंग को स्वर्ग का प्रतीक मानते हैं। इस समय वहां के लोग सत्य और वैचारिकता का प्रतिनिधि मानते हैं। यह शान्ति व विनम्रता का प्रतीक है। इसका सम्बन्ध अध्यात्म, चिन्तन–मनन, रहस्य और धैर्य से है। इसके गुण विश्वास, निष्ठा और स्थायित्व हैं। प्रार्थना, योग कक्ष, बेडरूम, रोगोपचार कक्ष को ऊर्जावान बनाने के लिए नीले रंग का उपयोग करें। ड्राइंगरूम डाइनिंग रूम में यह रंग न लगाएं। यह रंग अन्तः प्रेरणा देता है।

5. **बैंगनी**– आध्यात्मिकता, उच्च आदर्श

बैंगनी रंग में अगर लाल की ऊर्जा होती है तो उसमें नीले रंग की आशावादिता का योगदान भी है। जीवन शक्ति व तेजस्विता की वृद्धि के लिए यह रंग प्रभावशाली, गरिमापूर्ण और आध्यात्मिक है। इसके गुण हैं उत्तेजना, मोह और लक्ष्य। योग कक्ष व बेडरूम को इस रंग से सजाएं, बाथरूम व किचन में इसका इस्तेमाल न करें। इस रंग का जीवन पक्ष से गहरा नाता होता है।

6. **गुलाबी**– इसका सम्बन्ध विचारों की शुद्धता से है।

7. **नारंगी**– आकांक्षा, सामाजिक

यह रंग पृथ्वी तत्व से जुड़ा है। नारंगी रंग लाल रंग की अपेक्षा ज्यादा संकोची होता है। यह शक्तिशाली व खुशगवार रंग है। यह संवादशीलता को बढ़ाता है। इसके अनुकूल गुण हैं प्रसन्नता, एकाग्रता और

Future Point

बौद्धिकता। नारंगी रंग सामाजिकता का प्रतीक है। नारंगी रंग लाल रंग की उत्तेजना को उत्पन्न करता है। लेकिन पीला रंग उसे कोमल कर देता है। इन रंगों को ऐसे कमरों में इस्तेमाल करें जहां सब बातचीत करते हों। यह रंग मानसिक शक्ति प्रदान करता है। ड्रॉइंगरूम, हॉल की राहदारी व डाइनिंग रूम को इस रंग से सजाएं। छोटे कमरों व बेडरूम में यह इस्तेमाल न करें।

8. सुनहरा– आत्म सम्मान, धन

यह धातु तत्व से जुड़ा हुआ रंग है। चीन में राजा लोग और उनके परिवार के सदस्य ही सुनहरे रंग पहन सकते थे इसलिए आज भी यह माना जाता है कि स्वर्ण प्रतिष्ठा और सम्मान को आकर्षित करता है। सोना आशावादिता के साथ–साथ सकारात्मक भी होता है। यह लाल रंग के साथ मिलकर सौभाग्य का प्रतिनिधित्व करता है।

9. सफेद– पवित्रता, चमक

यह रंग धातु तत्व से जुड़ा है। यह नई शुरुआत, शुद्धता व भोलेपन का प्रतीक है। इसके गुण है सफाई, ताजगी श्वेत वास्तव में रंगहीनता की स्थिति होती है। यह रंग मस्तिष्क को निश्चिन्त रखता है। इस रंग का उपयोग बाथरूम व किचन में करें, डाइनिंग रूम या बच्चों के कमरे में इसका उपयोग न करें।

सभी रंग या तो यीन होते हैं या यांग और जैसा कि आप सभी जानते हैं कि घर में इन दोनों का सन्तुलन रहने पर ही हम स्वयं प्रसन्न अनुभव करते हैं। लाल, नारंगी, पीला तथा काला रंग यांग होते हैं तथा हरा, नीला व सफेद यीन जबकि बैंगनी रंग यीन या यांग कोई भी हो सकता है। यह लाल व नीले रंग के अनुपात पर निर्भर करता है। अगर नीले की बजाय लाल ज्यादा हुआ तो यह यांग और लाल की तुलना में नीला ज्यादा हुआ तो यह यीन होगा। इन दोनों प्रकारों के रंगों का उपयोग कर सन्तुलन स्थापित किया जा सकता है।

काला– तीव्रता, औपचारिकता, दक्षता

काला रंग जल तत्व से जुड़ा है। काला रंग सभी रंगों को अपने अन्दर समा लेता है। जो कमरे काले या सफेद होते है उनमें आराम नहीं मिलता है। फेंग शुई में काला रंग धन से सम्बन्धित माना जाता है। यह रहस्यमय तथा स्वतन्त्र रंग है। इसके गुण दुरभिसन्धि, शक्ति और लुभाना जबकि मृत्यु, अन्धकार, बुराई इसके अवगुण हैं। कभी–कभी इसका इस्तेमाल बैडरूम में किया जा सकता है। किशोरावस्था के बच्चों के कमरे, रोगोपचार कक्ष, स्टूडियो और ड्रॉइंगरूम में इसे इस्तेमाल न करें।

संवेदनशील रंग

फेंग शुई में काला और लाल रंग संवेदनशील माना जाता है। किसी भी दरवाजे पर काला रंग नहीं करना चाहिए और पूर्व तथा पश्चिम दिशा की तरफ दरवाजों पर लाल रंग नहीं करना चाहिए। इन दोनों रंगों का उपयोग सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए नहीं तो उस घर के लोगों पर मुसीबतें आ जाती हैं।

Future Point

पाठ –10

मुख्य द्वार से सम्बन्धित कुछ विशेष बातें

फेंग शुई में भी भारतीय वास्तुशास्त्र के समान द्वार की दिशा, आकार को काफी महत्व दिया गया है। क्योंकि शुभ दिशा और आकार एवम् **'ची'** के प्रवाह के अनुसार स्थिति मकान के निवासियों को भाग्यशाली बनाती है। लेकिन अगर अशुभ दिशा, आकार हो तो **'ची'** एकदम विपरीत असर करेगी।

प्रवेश द्वार बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि मकान के अन्दर प्रवेश करते समय द्वार से ही अच्छे बुरे का अहसास होने लगता है।

ध्यान रखने योग्य बातें–

1. मुख्य द्वार चौड़ा होना चाहिए जिससे स्वच्छ **'ची'** का प्रवेश हो सके।

2. मुख्य द्वार के सामने खम्बा, वृक्ष किसी भी प्रकार का अवरोध न हो। नही तो **'ची'** के प्रवाह में बाधा आती है और इसका प्रभाव स्वास्थ्य और उन्नति पर पड़ सकता है।

3. द्वार की चौड़ाई अनुपात में होनी चाहिए। प्रवेश मार्ग व द्वार की चौड़ाई अनुपात में ही हो। इससे सुख का अनुभव होगा।

4. मकान की ओर जाता हुआ संकीर्ण मार्ग **'ची'** को केन्द्रित कर सकता है जो कि आर्थिक उन्नति में बाधक होगा।

5. मकान के मुख्य द्वार का दरवाजा आवाज न करता हो। यदि ऐसा है तो दरवाजे को ठीक करवाएं।

6. प्रवेश द्वार बाहर की ओर खुलना चाहिए। अन्दर की ओर अगर दरवाजा खुलता हो तो समृद्धि में रुकावट लाता है।

7. चहारदीवारी का दरवाजा मुख्य द्वार एवं घर के पिछले दरवाजे तक सीधा नहीं होना चाहिए क्योंकि वहां **'ची'** बड़ी शीघ्रता से निकल जाती है जिसका प्रभाव स्वास्थ्य व आर्थिक व्यवस्था पर पड़ता है।

ऐसे में दरवाजे के ठीक ऊपर एक घण्टा लटकाएं या मुख्य द्वार के सामने पर्दा या घर के पीछे दरवाजे के सामने पर्दा लगाने से **'ची'** का वेग नियन्त्रित रहता है और घर में सुख समृद्धि रहती है।

मुख्य द्वार आसानी से पहचान में आ सके। इससे आने वालों को सुविधा होगी और **'ची'** को भी। बहुत सी जगह दरवाजा एक कोने में छिपा सा होता है, इस प्रकार नहीं होना चाहिए।

दरवाजा बाहर की बजाय अन्दर की ओर खुलना चाहिए। बाहर अगर दरवाजा खुलेगा तो **'ची'** का आगमन बाधित होगा। और आप को उससे आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

Future Point

मकान का प्रवेश द्वार फेंग शुई के अनुसार किसी संकरी गली में नहीं खुलना चाहिए। इससे 'ची' का प्रभाव नकारात्मक रहेगा।

प्रवेश द्वार का निरीक्षण भलीभांति इन सब बातों का ध्यान रखते हुए होना चाहिए।

फेंग शुई का महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि आपके दरवाजे की ओर कोई भी विषाक्त बाण नहीं होना चाहिए। वैसे सबसे ज्यादा गंभीर विषाक्त बाण घर के अंग्रेजी वर्ण 'ही' के मोड़ पर स्थित होने पर बनता है।

इसी प्रकार एक अकेला वृक्ष भी शार की रचना करता है और विशेषकर शनि ऋतु में जब पत्ते झड़ जाने के बाद नंगी डालियां दरवाजे की तरफ होती हैं।

इन सभी समस्याओं के उपाय भी हैं। डाली दिखाई न दे इसके लिए आड़ या बाड़ बना कर उसे प्रतीकात्मक तौर पर अदृश्य किया जा सकता है।

अकेले पेड़ के नकारात्मक प्रभाव को खत्म करने के लिए और वृक्ष लागए जा सकते हैं। वरना दरवाजे व वृक्ष के बीच में रास्ते की दोनों तरफ बिजली के खम्बे लगाए जा सकते हैं।

अगर यह उपाय भी ना हो सके तो दरवाजे पर पा–कुआ लगाया जा सकता है। पा–कुआ दर्पण विषाक्त बाणों को वापिस भेज देता है।

Future Point

Future Point

पाठ –11

अन्य कमरों के दरवाजे–खिड़कियां किस प्रकार हों?

''दरवाजे''

दरवाजे–खिड़कियां स्वतन्त्रता व बाहर की दुनिया से सम्पर्क कराने का माध्यम हैं। यह अवरोधक के रूप में रक्षक का काम नहीं करते हैं।

खुले दरवाजे कमरे में बाहरी दुनियां की जानकारी देते हैं जबकि बन्द दरवाजा कमरे को ही नहीं पूरे घर को पहुंच से दूर करता है। इससे घर के चारों ओर बहने वाली 'ची' को हानि होगी। इन दोनों के माध्यम से हम और आप उपलब्धियां हासिल करते हैं और सपनों को साकार करते हैं।

चरमराते, जीर्ण, टूटे लैंच, किनारें से सटे हैडल वाले दरवाजे दुर्भाग्य के परिचायक हैं। इनको हमेशा ठीक रखना चाहिए।

मुख्य द्वार के अतिरिक्त अन्य द्वारों की संख्या सम संख्या में होनी चाहिए।

मकान के कक्षों के दरवाजे भी कक्ष के अनुपात में ही होने चाहिए। बड़े कक्ष का दरवाजा छोटा व छोटे कक्ष का दरवाजा बड़ा नहीं होना चाहिए।

फेंग शुई की मान्यता यह है कि शौचालय, स्नानघर, रसोई घर का दरवाजा स्थान के अनुपात से ही होना चाहिए, न अधिक बड़ा हो न अधिक छोटा।

सुख समृद्धि के लिए दरवाजे एक–दूसरे को ढ़के हुए नहीं होने चाहिए।

अप्रिय द्वार की स्थिति, दर्पण या चित्र के लगाने से दोष दूर किया जा सकता है।

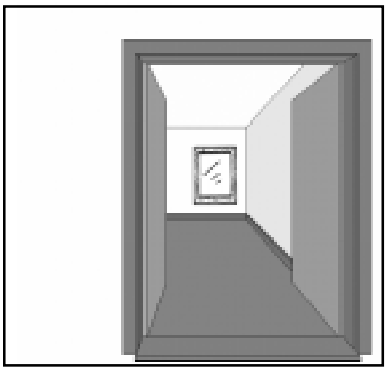

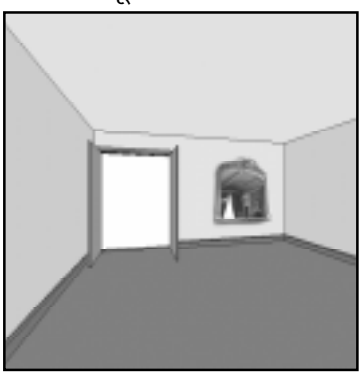

दरवाजे एक–दूसरे से टकराने नहीं चाहिए। इस तरह के दरवाजे पारिवारिक झगड़े को बढ़ाते हैं और झगड़े के कारण भी बनते हैं।

''खिड़कियां''

खिड़की का आकार, माप से **'ची'** का प्रवाह निर्धारित होता है। खिड़की घर की आंख का काम करती है। ज्यादा खिड़कियां यांग ऊर्जा की अधिक उत्पत्ति करती हैं जिस की वजह से घर में **'ची'** प्रचुर मात्रा में भर जाती है जबकि बहुत कम खिड़कियां **'ची'** के प्रवाह को बाधित करती हैं। क्योंकि कम खिड़कियों से यीन ऊर्जा का वातावरण बनता है। खिड़की के पल्ले बाहर की ओर खुलने चाहिए ताकि उत्तम **'ची'** का प्रवेश हो सके। अन्दर की ओर खुलने वाले पल्ले से **'ची'** की हानि होती है और उन्नति में बाधा होती है। खिड़की की दशा घर के सदस्यों के स्वास्थ्य पर असर डालती है।

खिड़कियां फर्श के नजदीक नहीं होनी चाहिए। खिड़की का ऊपरी सिरा कम से कम सामान्य व्यक्ति की लम्बाई जितना ऊंचा तो जरूर रखें। खिड़की से आकाश का दृश्य पूरा नजर आए और घर में रहने वाले सदस्यों का नाता प्रकृति के साथ जुड़ा रहे। लेकिन यह जरूर ध्यान दें कि घर में खिड़कियां न कम हों न ज्यादा, सन्तुलित हों क्योंकि यांग यीन का सन्तुलन होगा तो शुभ **'ची'** प्रवाहित होगी। खिड़कियों में पर्दे, पारदर्शी और पतले होने चाहिए। भारी पर्दे बाहरी दृश्य से वंचित करेंगे और **'ची'** के प्रवाह को घटायेंगे।

अपनी प्राइवेसी बनाए रखने के लिए खिड़की पर रंगदार शीशे भी जड़वा सकते है। बाहर वालों की आंखों से जरूर बचाव करें।

खिड़की दरवाजे के अनुपात में होनी चाहिए। खिड़की व दरवाजे का सम्बन्ध सन्तान एवं मां–बाप के रिश्तों के अनुरूप है। यदि खिड़की का आकार दरवाजे के आकार से बड़ा होगा तो खिड़की से आने वाली **'ची'** दरवाजे से प्रवेश करने वाली **'ची'** से शक्तिशाली होगी। इससे घर में अशान्ति रहेगी। बच्चे माता–पिता का कहना नहीं मानेंगे।

Future Point

Future Point

पाठ –12

दिशा–निर्धारण

मकान के मुख्य द्वार का निर्धारण फेंग शुई में जन्म के समय के आधार पर करते हैं। द्वार की दिशा का मकान में रहने वालों की समृद्धि में बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है।

भूखण्ड का निर्धारण ऐसी जगह में किया जाना चाहिए जहां वातावरण और भवन के बीच सामंजस्य स्थापित किया जा सके। चीन के लोग अपने मकान का प्रवेश द्वार दक्षिण में रखते हैं जिससे सूर्य से पर्याप्त मात्रा में प्रकाश मिल सके। उत्तर दिशा ठन्डी होती है उससे रक्षा कर सके।

ईशान और नैर्ऋत्य दिशा में चीनी लोग द्वार नहीं रखते क्योंकि ये दिशाएं उनके अनुसार शैतान होती हैं।

जहां आप रहते हैं, सर्वप्रथम वहां के चारों कोणों का चुनाव करना फेंग शुई वास्तु शास्त्र में सबसे अहम् है क्योंकि ये ही व्यक्ति के जीवन में भाग्य व प्रगति प्रदान करने वाले हैं। क्योंकि कहां रहना सोना, काम करना इसका सही चुनाव ही आपको भाग्यशाली बनायेगा।

आप पांच तत्वों के उपयोग से घर में संन्तुलन व सौहार्द कायम कर सकते हैं। प्रत्येक तत्व आठों दिशाओं में से किसी न किसी एक दिशा से जुड़ा होता है।

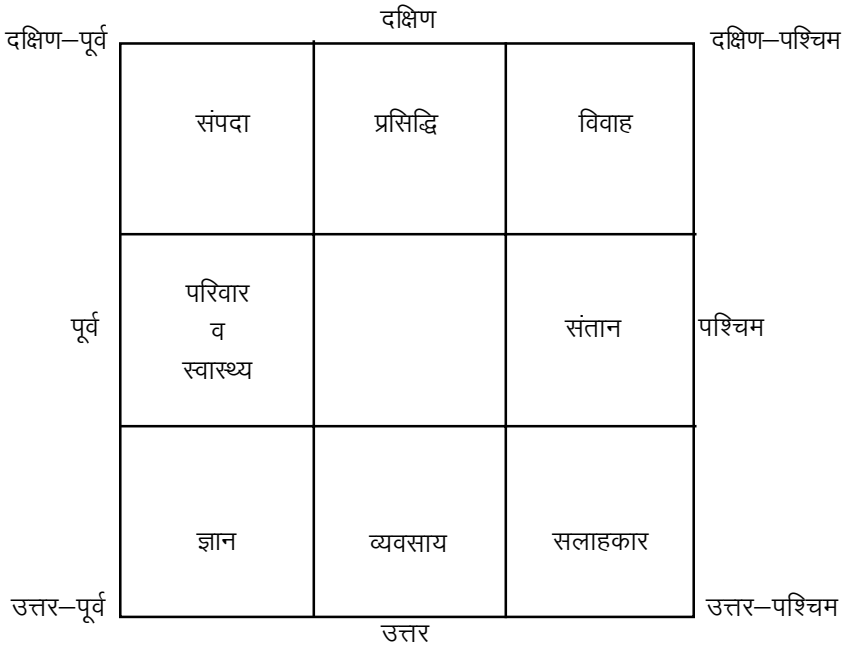

दिशाओं की स्थिति इस प्रकार है।

1. दक्षिण–समृद्धि एवं ख्याति
2. आग्नेय–सम्पत्ति एवं धन
3. पूर्व–सुखी पारिवारिक जीवन
4. ईशान–बुद्धिमत्ता एवं शैक्षणिक सफलता
5. उत्तर–सफल व्यवसाय एवं सम्बन्ध
6. वायव्य–नई शुरुआत एवं यात्रा
7. पश्चिम–सन्तान की प्रसिद्धि
8. नैर्ऋत्य–शान्ति एवं सुख

पा–कुआ का प्रत्येक कोना किसी न किसी तत्व का सूचक है। यह चीनी संस्कृति का अष्टकोणीय प्रतीक है जिसका प्रत्येक कोण किसी दिशा व जीवन के किसी महत्वपूर्ण पक्ष का प्रतीक है। इसे घर के या किसी एक कमरे या फिर किसी छोटी सी टेबल के नक्शे पर रखा जा सकता है। पा–कुआ के उपयोग के साथ कम्पास द्वारा इंगित दिशाएं उपयोग में नहीं लाई जाती हैं। उसका प्रयोग घर के अन्दर परिवार के सदस्यों का कमरों का निर्धारण करने के उद्देश्य से किया जाता है। विभिन्न कमरों के प्रवेश द्वार के अन्दर कम्पास का उपयोग करके इन दिशाओं का निर्धारण किया जाता है। जिस कमरे का दरवाजा उ0पू0 में खुलता हो वह किसी नवयुवक या सबसे छोटे लड़के के लिए उपयुक्त रहता है। ऊपर बताई गई दिशाएं विभिन्न कार्यों के लिए श्रेष्ठ क्षेत्रों का निर्धारण भी करती हैं। जैसा कि द0पू0 सम्पदा क्षेत्र होने के कारण अध्ययन के लिए बेहतर रहती है। प्रसिद्धि का क्षेत्र होने के कारण दक्षिण दिशा अध्ययन या ऑफिस के कार्य के लिए उपयुक्त रहती है। द0 प0 कमरों का उपयेाग परिवार की लड़कियों के लिए उपयुक्त है क्योंकि वे विवाह क्षेत्र में आते हैं। पश्चिम में स्थित कमरों का प्रयोग बच्चों को करना चाहिए क्योंकि वे सन्तान क्षेत्र में आते हैं। परामर्श दाता के उद्देदश्य से उ0प0 कमरों का इस्तेमाल करें। इससे वे अपने व्यवसाय पर ध्यान केन्द्रित कर पाएंगे। प्रमुख शयन कक्ष के लिए पूर्व दिशा परिवार क्षेत्र में होने के कारण श्रेष्ठ रहती है।

फेंग शुई में घरों के मुख दक्षिण में होते हैं। उनके साथ अगला दरवाजा और अन्य महत्वपूर्ण कमरे भी उसी दिशा में होते हैं जबकि रसोई पूर्व में। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के कमरे दक्षिण पूर्व में होते हैं।

अष्टकोणीय ट्रायग्राम की विशेषता

1. फेंग शुई में ट्रायग्राम की अपनी विशेषता है। ये आठ होते हैं। कहा जाता है कि एक प्रातः को फू शीने उत्तर चीन में पीली नदी के तट पर देखा कि एक कछुआ जल से बाहर आया। उस समय वे ईश्वरीय प्रेरणा में लीन थे। इसलिए उन्होंने ईश्वरीय प्रेरणा से आभास किया कि सृष्टि का मानचित्र कछुए की पीठ पर अंकित है। कछुए की पीठ पर चित्रित रेखाओं को उन्होंने देख कर उनका क्रम निर्धारित किया और इसे हेवन सीक्वेंस नाम दे दिया।

Future Point

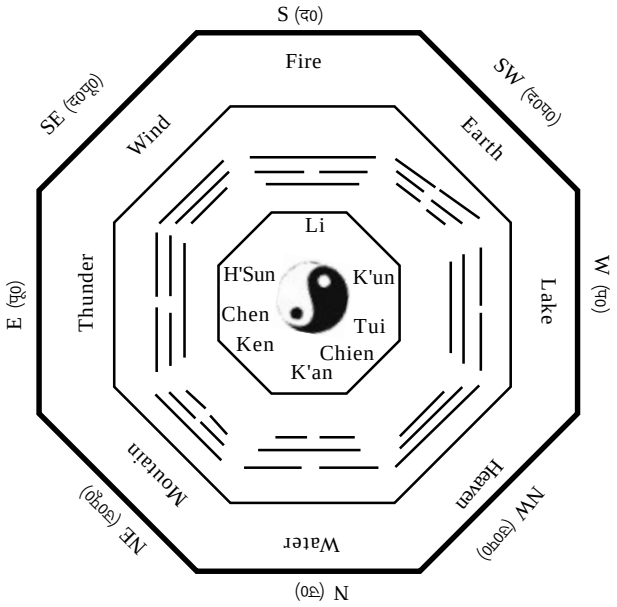

Future Point

यह ट्राय ग्राम तीन रेखाओं द्वारा निर्मित है–

आठ ट्रायग्राम का परिचय

यीन व यांग तथा पांच तत्व के सिद्धान्त ही रेखांक का आधार हैं। एक टूटी रेख (– –) यीन तथा पूरी रेखा (–) यांग का प्रतीक है। वास्तव में ट्राय रेखाओं से निर्मित रेखांक है जो ठोस तथा टूटी रेखा के कई संयोजनों से बनता है। ठोस व टूटी रेखा को तीन लकीरों को अलग–अलग संयोजन में रखने से आठ रेखांक बनते हैं जिन्हें आठा ट्रायग्राम कहते हैं।

ये इस प्रकार हैं–

यांग	यीन
(–)	(– –)
प्रतीक–निर्माण	प्रतीक–स्वर्ग

एक अन्य रेखा जोड़ने से इनके चार संयोजन हो जाते हैं।

शीत	ग्रीष्म
– –	––
– –	––
उत्तर	दक्षिण
शरद	बसंत
––	– –
– –	––
पश्चिम	पूर्व

इनमें एक और रेखा जोड़ने पर आठ संयोजन कहते हैं। जिन्हे आठ ट्राया ग्राम भी कहा जाता है। इनको चीनी वासियों ने विशेष नाम दिये हैं।

चाईन (chien)	कें'उन (k'un)
———	———
———	———
स्वर्ग (Heaven)	निर्माण (Creation)
कैन (ken)	तुई (Tui)
——	———
——	———
पर्वत (Mountain)	सरोवर (Lake)
केएन (K'an)	ली (Li)
जल (Water)	अग्नि (Fire)
सन (H'sun)	चेन (Chen)
वायु (Wind)	गर्जन (Thunder)

यह पूर्व स्वर्गीय अनुक्रम (Former Heaven Sequence) का नाम दिया गया।

आगे चल कर इसमें परिवर्तन किया गया इसकी विस्तृत विवेचना की गयी और एक नये ट्रायग्राम को चिह्नित किया गया जिसका नाम दिया–अतीत स्वर्गीय अनुक्रम यह नया अनुक्रम बाद में ज्यादा प्रचलित हुआ जबकि पूर्व स्वर्गीय अनुक्रम दुष्ट शा को भगाने के लिए दर्पण या तावीज के निर्माण में किया जाने लगा।

ठोस रेखाएं यांग पुरुषत्व का प्रतीक हैं जबकि टूटी रेखाएं यीन स्त्रीत्व का प्रतीक मानी जाती हैं। चाईन = तीन ठोस रेखाओं में निर्मित यांग को दर्शाता है जो बलशाली होता है। यह पिता का प्रतीक है। के' उन तीन टूटी रेखाएं यीन को दर्शाती हैं जो अपने से अधिक बलशाली हैं। यह माता का प्रतीक है। ली एवं के' एन दो महत्वपूर्ण ट्रायग्राम हैं ली में दो ठोस रेखाओं के बीच में एक टूटी रेखा स्थित है। इससे प्रतीत होता है जैसे स्वर्ग की शक्तियां पृथ्वी के साथ मिल रही हों।

सूर्य का निर्माण स्वर्ग की शक्ति का एक रूप है जिसे हम कह सकते हैं कि पृथ्वी को स्वर्गीय शक्ति, सूर्य द्वारा आलिंगन किया जा रहा है।

चीनी वास्तु शास्त्र के अनुसार सूर्य द0 दिशा में अधिक शक्तिशाली होता है **'ली'** दक्षिण दिशा का प्रतिनिधित्व करता है।

के' एन में दो टूटी रेखाओं के मध्य में एक ठोस रेखा है। यह ट्रायग्राम **'ली'** के विपरीत उत्तर दिशा का प्रतिनिधित्व करता है।

'ली' ट्रायग्राम में मध्य रेखा टूटी हुई है। यह टूटी रेखा यीन है जो स्त्रीत्व का प्रतीक है। यह परिवार

Future Point

की मंझली काया का प्रतीक है। इसी प्रकार के' एन में मध्य रेखा ठोस है। यह पुरुषत्व का प्रतीक, मझले पुत्र का प्रतीक है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि हर ट्रायग्राम का स्थान, नाम गुण एवं प्रतीक निर्धारित हैं।

तीन ठोस रेखाएं सदा चाईन का प्रतिनिधित्व करती हैं। ये विद्वान पुरुष एवं स्वर्ग का प्रतीक है। तीन टूटी हुई रेखाएं सदा के' एन रहेंगी तथा पृथ्वी, स्त्री एवं षोषक का प्रतीक हैं।

प्रत्येक स्थान के चयन के लिए आठ ट्रायग्राम बेहद उपयोगी हैं।

किसी भी व्यक्ति के लिए वही घर श्रेष्ठ होता है। मकान तथा व्यक्ति का ट्रायग्राम एक ही होता है।

विभिन्न ट्रायग्रामों का प्रतीक स्थान तथा इनकी विशेषताओं की व्याख्या नीचे दी गई है।

1. चाईन– सृजनात्मक
दिशा– उ0 पश्चिम
प्रतीक– स्वर्ग
संकेत शब्द– शक्ति व समृद्धि
तत्व– धातु
रंग– बैंगनी
यीन/यांग– यांग
गुण– विद्वान
ऋतु– प्रारंभिक शीत

ये तीन पूरी यांग रेखाओ से बना है। यह अक्सर घर के मुखिया, पिता द्वारा इस्तेमाल किया जाता है। इस कमरे में अध्ययन, निजी कमरे, या प्रमुख शयन कक्ष के रूप में रहता है। यह आकाश व सितारों से भी सम्बन्धित है। यह बल, मजबूती, ऊर्जा, महत्वाकांक्षा, सहनशीलता, मौलिकता, सत्ता, ठण्डापन व समृद्धि से भी जुड़ा होता है। हरे रंग की वस्तु इस क्षेत्र के लिए उपचार है। क्रिस्टल, पौधे रख सकते हैं।

के' उन– ग्रहणशील
दिशा– द0प0
प्रतीक–मिट्टी
संकेत शब्द–तैयारी व आज्ञाकारिता
तत्व–मिट्टी
रंग– काला
यीन/यांग– यांन
गुण– पोषण

Future Point

ऋतु– प्रारंम्भिक शरद

तीन टूटी रेखाएं– यह स्वाभाविक रूप से मातृक विशेषताओं से सम्बन्धित होता है। मां का प्रतीक है। यह उन कमरों का प्रतिनिधित्व करता है जिनका इस्तेमाल वे करती हैं। जैसे रसोई, सिलाई का कमरा। यह समर्पण, ग्रहणशीलता, संरक्षात्मक भावना, निविदा आज्ञाकारिता से सम्बन्ध रखता है। यह घनिष्ठ सम्बन्धों का प्रतीक है–विशेषकर पति–पत्नी के सम्बन्धों का प्रतीक। मिट्टी की चीजें इस क्षेत्र में रखें।

3. चेन– उत्तेजना
दिशा– पूर्व
प्रतीक– गर्जन
संकेत शब्द– आरम्भ व प्रगति
तत्व– लकड़ी
रंग– नारंगी
यीन/यांग– यांग
गुण– गति–मार्ग
ऋतु– बसन्त

चेन–एक पूर्ण रेखा दो टूटी रेखा– सबसे बड़े बेटे का प्रतीक है इसलिए उसके शयनकक्ष के लिए अच्छी जगह पूर्व में होती है। यह दृढ़ता, अनपेक्षित घटनाओं, अधीरता व प्रयोग करने की प्रवृत्ति से सम्बन्धित होता है। यह गतिविधि से सम्बन्धित है। अपने व्यक्तिगत तत्व से जुड़ी चीजें रखें, नीला और हरा रंग भी मदद करते हैं।

4. सन– सौम्य
दिशा– द.प.
प्रतीक–वायु
संकेत शब्द– विकास
तत्व– लकड़ी
रंग– सफेद
यीन/यांग– यीन
गुण– विकास, व्यापार
ऋतु– प्रारम्भिक ग्रीष्म

सन एक टूटी रेखा दो बिना टूटी–बड़ी बेटी का प्रतीक है। इसलिए उसका शयनकक्ष घर के द0प0 हिस्से में होता है। अच्छे दिमाग व आन्तरिक शक्ति से सम्बन्धित होता है। यह लचीलेपन व किसी भी तरह की स्थिति में उपयुक्त बैठने की क्षमता से भी सम्बन्धित होता है।

Future Point

5. के' ऐन– अगाध
दिशा–उत्तर
प्रतीक– पानी
संकेत शब्द– फंसाना
तत्व– जल
रंग– लाल
यीन/यांग– यांग
गुण– चक्र, भय
ऋतु– शीत

दो टूटी रेखाओं के बीच में पूरी रेखा — यह मंझले पुत्र का प्रतिनिधित्व करता है यह कठिन परिश्रम, संचालन व महत्वाकांक्षा से सम्बन्धित है हांलाकि, यह धोखेबाजी रहस्य, खतरे से भी जुड़ा है। फेंग शुई में यह नेगेटिव दिशा है क्योंकि ठण्डी हवाएं आती हैं। इस हिस्से में गुलाबी या लाल चीज रखें।

6. ली– चिपकना
दिशा– दक्षिण
प्रतीक– आम
संकेत शब्द– प्रसिद्धि, निकटता, स्पष्टता
तत्व– आग
रंग– पीला
यीन/यांग– यीन

ली दो पूरी रेखाओं के बीच में टूटी रेखा – मंझली पुत्री का प्रतीक। सुन्दरता, हंसी–खुशी, स्नेह व सफलता से जुड़ा है। निस्सन्देह शयन कक्ष के लिए अच्छी दिशा है। यह दिशा बैठक के लिए अच्छी है। वहां प्रसन्नता व हंसी प्रचुर मात्रा में रहेगी। फेंग शुई में दक्षिण को सबसे ज्यादा अच्छी दिशा माना है। इस क्षेत्र को सक्रिय करने के लिए लाल रंग की चीज रखनी चाहिए।

7. के'एन– निश्चल रहना
दिशा– उ0 पूर्व
प्रतीक–पर्वत
संकेत शब्द– विराम
तत्व– मिट्टी
रंग– हरा
यीन/यांग– यांग
गुण– अवरोध
ऋतु– प्रारम्भिक बसन्त

Future Point

के' एन एक पूरी रेखा दो टूटी रेखाएँ– छोटे बेटे का प्रतीक है। ज्ञान के द्वारा मजबूती, स्थिरता व सफलता से सम्बन्ध है। यह विनम्रता सावधानी व शान्ति से भी सम्बन्धित है। मिट्टी से सम्बन्धित चीजें रखें।

8. तुई– प्रसन्नतादयक
दिशा– प.
प्रतीक– झील
संकेत शब्द– आनन्द, कामुकता
तत्व– धातु
रंग– नीला
यीन/यांग– यीन
गुण– हर्ष
ऋतु– शरद

दो पूरी रेखाओं के ऊपर एक टूटी रेखा — छोटी बेटी का प्रतीक है। यह खुशी, सुख, भावना, प्रसन्नता व तृप्ति से सम्बन्धित है। यह मनोरंजन का प्रतीक है। घर का हरेक भाग आपके प्यार के जीवन व खुशी में एक भूमिका निभाता है। इस हिस्से में फूल व पौधे रखें। क्रिस्टल व घन्टियां टांगें।

Future Point

Future Point

पाठ –13

किनारे, कोने व बीम से कैसे बचें?

मकान के अन्दर भी कुछ ढाँचे समस्या पैदा करते हैं। इनका सीधा असर **'ची'** पर पड़ता है। ऐसे में मकान में रहने वालों को असुविधा का अहसास होता है।

किनारे– अगर मकान में कहीं भी नुकीले किनारे होते हैं तो **'ची'** का मुक्त प्रवाह नहीं होता है। ये किनारे चाकू की तरह तीखे होते हैं और अपना दुष्प्रभाव छोड़ते हैं। जैसे खम्बे या पिलर, फर्नीचर के किनारे भी उभरे होते हैं तो असुविधा होती है। इनसे बचने के लिए उपाय हैं रंग दार पर्दे या पौधे या दर्पण से भी सजाया जा सकता है। या किसी तरह खम्बों को गोलाकार शेप देकर ढक दें। फर्नीचर के आसपास आप पौधे रख सकते हैं।

कोने– कमरों के अन्दर कोने अक्सर अन्धकारमय होते हैं। इसलिए वहां पर प्रकाश की व्यवस्था कर सकते हैं। लैम्प या फव्वारा रख सकते हैं। अन्धेरे कोनो में पौधे भी रख सकते हैं। वहां पर गोल मेज और उस पर लैम्प भी रख सकते हैं। दीवारों पर अगर आले बने हों, दराजें भरी हों तो ये स्थिर और अन्धेरे कोनों की **'ची'** के लिए लाभदायक हैं।

बीम (शहतीर)– फेंग शुई में बीम निषिद्ध है। इसके घातक परिणाम होते हैं। जिनकी छतें सामान्य से बहुत ऊंची हैं वहां पर पिर भी वे इतनी प्रभावशाली नहीं होती हैं। लेकिन नीची छतों की बीम **'ची'** को अस्तव्यस्त कर देती है। उसके नीचे रहने वाले लोग बेहद तनावग्रस्त ओर बेझिल बना देती है। इसके नीचे बेड, डाइनिंग टेबल, डेस्क कभी न रखें। इससे थकान व उदासी का अहसास रहता है।

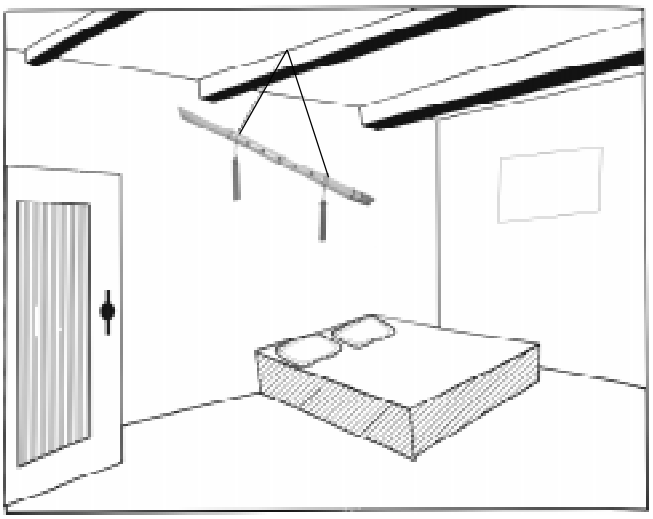

बाँसुरी लाल रिबन से बाँधी हुई है।

1. इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए नीचे से या तो प्रकाश ऊपर बीम की ओर फेंकने की व्यवस्था की जाए या फिर इसको (फाल्स सीलिंग से) पूरी तरह ढक दिया जाना चाहिए।

2. इसके लिए एक और उपाय आप कर सकते हैं। बांस की बांसुरियाँ लाल रिबन से बांधकर बीम से लटका सकते हैं। चित्र न. में देखिए

3. बीम के दोनों तरफ वास्तुदोष–नाशक हरे रंग के गणपति को लगा देना चाहिए। इनसे इसका अशुभ प्रभाव खत्म हो जाता है।

इसके नीचे अगर बेड है तो सोने वाले दम्पति के सम्बन्धों में दरार पड़ सकती है। इसके नीचे काम करने वालों की कार्यकुशलता को बांछित करते हैं। मानसिक विकास को रोकते हैं।

Future Point

Future Point

पाठ –14

गलियारा–लॉबी–सीढ़ियाँ

मुख्य द्वार से प्रवेश करने के बाद गलियारा का सबसे पहले प्रभाव पड़ता है। मकान कितना भी बड़ा हो उसमें गलियारा लम्बा नहीं होना चाहिए। वैसे तो इसे न ही बनाया जाए तो अच्छा है। इसमें बच्चों के लिए अध्ययन कक्ष, रसोई घर, पूजाघर कभी न बनाए। लम्बे गलियारे, कारीडोर आन्तरिक शार की रचना करते है।

हॉल या लॉबी वाले स्थान को खुला, स्वागत करने वाला हल्का व साफ सुथरा होना चाहिए। चारों ओर से ताजा हवा और खुशबू आती हो जिससे आने वाले का मन प्रसन्न हो सके। इस हिस्से को भली प्रकार प्रकाशित और आकार में बड़ा होना चाहिए। रास्ता इतना चौड़ा होना चाहिए जिससे **'ची'** पूरी तरह से प्रवाहित हो सके। घर में घुसते ही ऐसा आभास न हो कि घर की ऊर्जाएं सीमित व बाछित हैं। ऐसे में रहने वालों पर इसका खराब असर होता है।

ऐसे वातावरण को दर्पण, प्रकाश–व्यवस्था से ठीक कर सकते हैं।

साफ व प्रकाशमान लौबी हाल

सीढ़ियाँ– सीढ़ियाँ हमेशा इस तरह बनवानी चाहिए कि उनका मुंह सदा पूर्व या दक्षिण दिशा की तरफ रहे या सीढ़ियाँ मकान के पश्चिमी या उतरी भाग में या दक्षिणावर्ती हों। सीढ़ियाँ घड़ी की सुईयों के

अनुसार हों। सीढ़ियाँ विषम होनी चाहिए जैसे– 7, 9, 11, 15, 17, 19, 21 आदि मकान के लिए शुभ हैं।

सीढ़ियों का निर्धारण अत्यन्त महत्वपूर्ण है। सीढ़ियाँ ची के ऊपर नीचे वितरित होने में सहायक होती हैं। सीढ़ियाँ चौड़ी व प्रकाशमान हों। मुख्य दरवाजे के सामने सीढ़ियाँ न हों ऐसी स्थिति में **'ची'** भ्रमित हो जाती है।

मुख्य द्वार के सामने सीढ़ी का होना अशुभ है

दरवाजे के सामने सीढ़ियों से जिन्दगी में अच्छे मौके हाथ से छूट जाते हैं और यह हृदय की बीमारी भी दे सकते हैं।

इनसे बचने के लिए–

1. मुख्य दरवाजे के सामने से जाने वाली सीढ़ियों के बीच में एक घण्टी या शीशा लगाने से इसका दोष खत्म हो जाता है।

2. मुख्य द्वार एवं सीढ़ियों के मध्य नकली फूलों वाला पौधा या क्रिस्टल बॉल छत से टांगे।

3. निचली सीढ़ी पर फूलों की टोकरी रखें।

हॉल में घुमावदार सीढ़ियां श्रेष्ठ मानी जाती हैं। घर के बीच में बनी सीढ़ियाँ स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानी की वजह बन सकती हैं। घर बनवाते समय इस बात का ध्यान रखें कि मुख्य दरवाजे पर खड़े व्यक्ति को घर के अन्दर की सीढ़ी दिखाई न दे। दिखाई देने वाली सीढ़ियां दोषयुक्त मानी जाती हैं।

Future Point

Future Point

पाठ –15

फेंग शुई द्वारा व्यवस्था

फेंग शुई में कक्षो अर्थात् कमरों की सेटिंग के लिए कई मत हैं।

1. दिशा के अनुसार बैठिए

2. मुख्य द्वार के अनुसार बैठिए

उत्तर बन्द रखा जाता है।

उत्तर पश्चिम – बुद्धि, सफलता, नीला रंग
पूर्व - पारिवारिक जीवन, स्वास्थ्य, धन संपदा, हरा रंग
दक्षिण पूर्व - रसोई, स्वास्थ्य, बैंगनी रंग
दक्षिण - प्रसिद्धि, दीर्घ आयु, भाग्य, विश्वसनीय
दक्षिण पश्चिम - पति/पत्नी, पीला रंग
उत्तर पश्चिम - सहायक व्यक्ति, सलेटी रंग

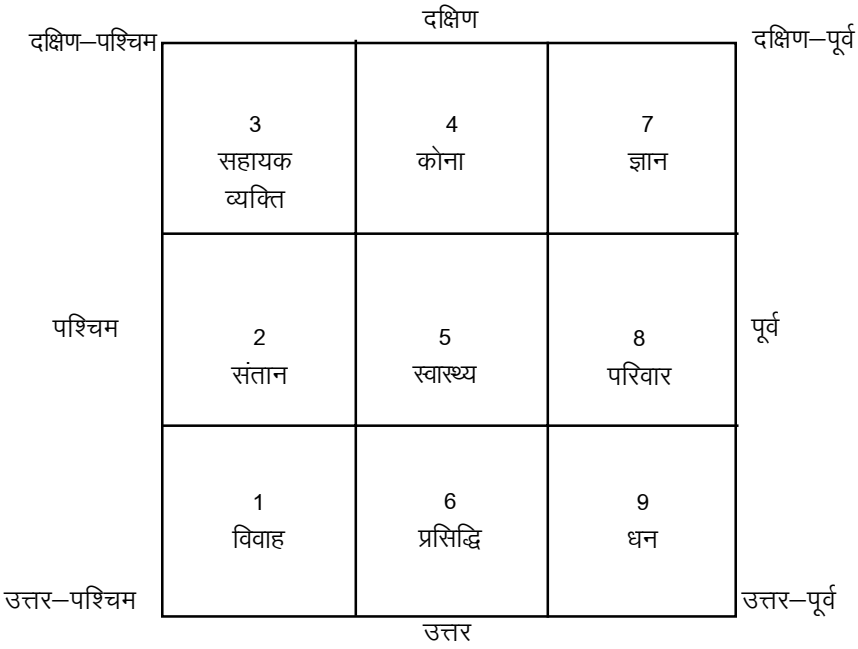

Future Point

(घर में कैसे प्रयोग करें)

फेंग शुई की विभिन्न कक्षों में स्थिति

फेंग शुई द्वारा घर के विभिन्न कक्षों की न केवल स्थिति बल्कि उसकी आन्तरिक सज्जा के सम्बन्ध में भी अवगत कराया गया है। इन दिशा निर्देशों के अनुसार चलने में समृद्धि की प्राप्ति होती है।

घर के प्रत्येक कमरे का अपना एक प्रभाव है। हमारे समय का अधिकांश भाग घर में व्यतीत होता है। घर की आन्तरिक सज्जा सामंजस्य लिए हुए होनी चाहिए। फेंग शुई न केवल कमरों के दिशा–निर्धारण में सहायक होती है बल्कि यह भी निश्चित करती है कि घर का आन्तरिक वातावरण आनन्दपूर्ण एवं घर के बाहर न अन्दर प्रवाहित होने वाली **'ची'** से अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो सके। बल्कि यह घर में रहने वालों की सफलता व असफलता को निश्चित करता है।

6	1	8
7	5	3
2	9	4 मुख्य द्वार

बैठक कक्ष – प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में ड्रॉइंग रुम का खास महत्व होता है। फेंग शुई में इसको मकान के प्रवेश द्वार के पास में रखने की सलाह दी गई है। इसका आकार अन्य कमरों की अपेक्षा बड़ा व हवादार होना चाहिए, लेकिन खिड़कियाँ बड़ी न हों।

खिड़कियां बाहर की ओर खुलती हों। कमरे में अगर बीम हो तो उसके नीचे फर्नीचर न हो। उसे छिपा देना चाहिए। वैसे तो बैठक या ड्रॉइंगरूम समान आकार का ही होना चाहिए लेकिन अगर सँकरी या L आकार का है तो सुधारने के लिए आप दर्पण का उपयोग कर सकते हैं। संकरे कमरे दीवारों पर टांगे दर्पण उसे सन्तुलित करते हैं। किसी भी दिशा में बने पैने कोने, जो शार का निर्माण करते हैं, दर्पण लगाने से अदृश्य हो जाते हैं।

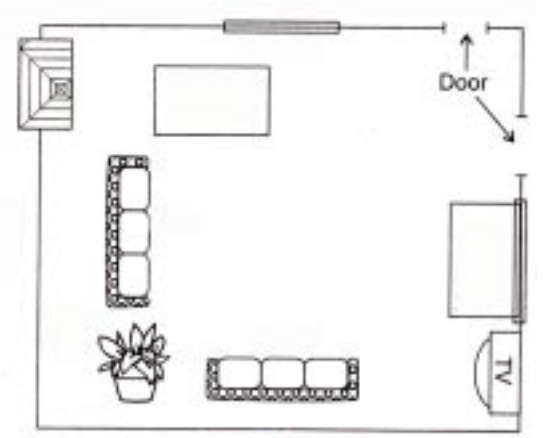

बैठक कक्ष/बैठने का कमरा /लॉज/लिंविंग रूम

इसमें सबसे पहले गौर करने वाली बात यह है कि बीच का क्षेत्र खाली रहे। यह एक परिवार के स्वास्थ्य एवं कल्याण की दृष्टि से लाभदायक है। बीच की खुली जगह **'ची'** को सकारात्मक लाभ के लिए प्रवाहित करेंगी जो पारिवारिक स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छा है।

ड्रॉइंग रूम में फर्नीचर की व्यवस्था इस प्रकार से हो कि उत्तर–पूर्व का भाग खाली रहे। सोफे इस तरह लगे हों कि उनके पीछे खिड़की व दरवाजा न पड़े। हरे और पत्ती वाले पौधे ड्रॉइंगरूम में लगा सकते हैं।

डरावनी पैटिंग न लगाएं– हरियाली से युक्त प्राकृतिक दृश्य वाले चित्र लगाएं – अगर हो तो मछलीघर भी रखा जा सकता है।

अतिथियों के सत्कार का स्थान ड्रॉइंगरूम है। यह घर के निवासी के स्तर एवं स्वभाव का प्रतिबिम्ब भी है। इसलिए पूरे रूप में आरामदायक तथा पूर्ण प्रकाशवान होना चाहिए। परिवार के मुखिया को दरवाजे या खिड़की की तरफ पीठ करके नहीं बैठना चाहिए।

कमरे का फर्नीचर दीवार के साथ लगा होना चाहिए। सोफे थे पीछे खिड़की या दरवाजा नहीं होना चाहिए। यदि यह सम्भव नहीं हो तो दीवार पर एक दर्पण इस तरह से लगाएं कि उस शीशे में दिखाई दे सके।

फेंग शुई के अनुसार कुर्सियों को आमने–सामने रखना चाहिए ताकि वार्तालाप में सुविधा हो सके।

बैठक व ड्रॉइंगरूम में यीन व यांग का मिला–जुला रूप होना चाहिए मतलब कि कुछ वर्गाकार, कुछ वृत्ताकार। बैठक में प्रकाश चुभने वाला न हो। लैम्प का प्रयोग कर सकते हैं। लैम्प को किसी अन्धेरे कोने में रखना चाहिए जहां से पूरे कमरे में रोशनी फैल सके। परदे के हल्के रंग कमरे में ज्यादा से ज्यादा प्राकृतिक रोशनी आने के लिए बेहतर होते हैं।

कभी भी आप अपने कमरे की सजावट करें, हमेशा सन्तुलन पर ध्यान देना चाहिए। गोलाकार का कोण के साथ सन्तुलन, रंग का रोशनी के साथ। यीन व यांग के साथ सन्तुलन घर में रह रहे लोगों में पूरी तरह आराम से तालमेल बनाने का वातावरण प्रदान करेगा।

Future Point

Future Point

ड्रॉइंगरूम में चूंकि घर के सारे सदस्य एक साथ बैठ कर बातचीत व मनोरंजन करते हैं तथा साथ ही मेहमानों की आवभगत भी यहीं की जाती है इसलिए यह घर का महत्वपूर्ण भाग है। और इसीलिए जितना हो सके इसको आरामदायक व सुखद बनाना चाहिए।

सोफों पर हल्के रंग के बिखरे कुशन और नरम व रंगीन कालीन गहरे चुभने वाले रंगों की अपेक्षा ज्यादा बेहतर होते हैं। सज्जा के लिए हमेशा हल्के व नरम रंगों का प्रयोग होना चाहिए क्योंकि हल्के रंग शांति का प्रतीक होते हैं। यदि आप किसी विशिष्ठ क्षेत्र में शक्ति का संचार करना चाहते हैं जैसे कि धन की शक्ति का, यह लाल रंग से सम्बन्धित होती है। इसलिए कमरे में दक्षिणी दीवार पर इस रंग की तस्वीर लटका कर इस कमी को पूरा कर सकते हैं। इससे हमारी इच्छा अनुसार परिणाम मिलेंगे और पूरे कमरे का सन्तुलन बना रहेगा।

अगर आप किसी विशिष्ट स्थान पर **'ची'** का प्रवाह चाहते हैं तो दो मोमबत्तियां जला कर यह चमत्कार किया जा सकता है। कमरे के पूर्वी भाग में मोमबत्ती जलाना आशावाद और स्वास्थ्य को बढ़ाने में मदद करता है और पूरे कमरे का सन्तुलन बनाए रखता है। इसी तरह घर के दक्षिण–पश्चिम क्षेत्र में मोमबत्ती जलाना शान्ति को बढ़ाने में मदद करता है।

टेलीविजन एक विद्युत उपकरण है, इसे ऐसी जगह पर रखा जाना चाहिए जहां से अच्छी तरह **'ची'** के प्रवाह में मदद करे। टेलीविजन को दक्षिण पूर्व में रखना धन व सम्पन्नता को बढ़ाने में मदद करता है। यदि इसे दक्षिण–पश्चिम में रखा जाए तो यह अच्छे सम्बन्ध बनाने में मदद करता है। दक्षिण भाग में रखने से सामाजिक और व्यापारिक स्तर बढ़ाने में मदद मिलती है।

बैठने का सोफा curved हो तो अच्छा है। हत्था curved होना चाहिए। ऐसी जगह हो जहां से main gate दिखना चाहिए। काफी Table पर फूलों का गुलदस्ता रखें, इसका ज्यादा महत्व है। बीच में खाली छोटे कुछ नहीं रखना चाहिए, इससे स्वास्थ्य पर असर पड़ता है।

कमरे में अगर अग्नि स्थल है तो उसके सामने सोफा नहीं होना चाहिए। अगर उसका प्रयोग नहीं हो रहा है तो वहां एक पौधा रख सकते हैं। वह **'ची'** को वितरित करेगा।

अग्नि स्थल

बैठक तथा भोजन कक्ष इकट्ठे न हों। इनको अलग–अलग करें, पर्दे लगाएं, विभाजन करें लकड़ी के द्वारा। नहीं तो दो चार गमले रख सकते हैं।

पौधे - रबर प्लांट – यीन है चिकना है। गोलाकार पत्ती हों। शान्ति का स्थान है जहां पर ज्यादा क्रियाशील नहीं होते हैं।

लेकिन अगर वहां पर कार्यालय खोल रखा है तो न लगाएं– विकास को रोकते हैं। किताबों का आलमारी अगर है तो खुली नहीं हो।

सर्दी में लाल गर्मी में नीला कालीन लगा सकते हैं। सर्दी में गहरे रंग के भारी पर्दे हों, दक्षिण में भारी उत्तर–पूर्व में हो तो रोशनी हो। ऊर्जा बढ़ानी हो तो गहरे रंग इस्तेमाल करें। लाल रंग की पेन्टिंग लगाएं। जिस क्षेत्र को मजबूत बनाना हो उस रंग की पेन्टिंग लगाएं। स्वास्थ्य समस्या है तो मध्य हमेशा खाली रखें। प्रकाश बढ़ाने के लिए खिड़की पास क्रिस्टल या शीश लगा सकते हैं।

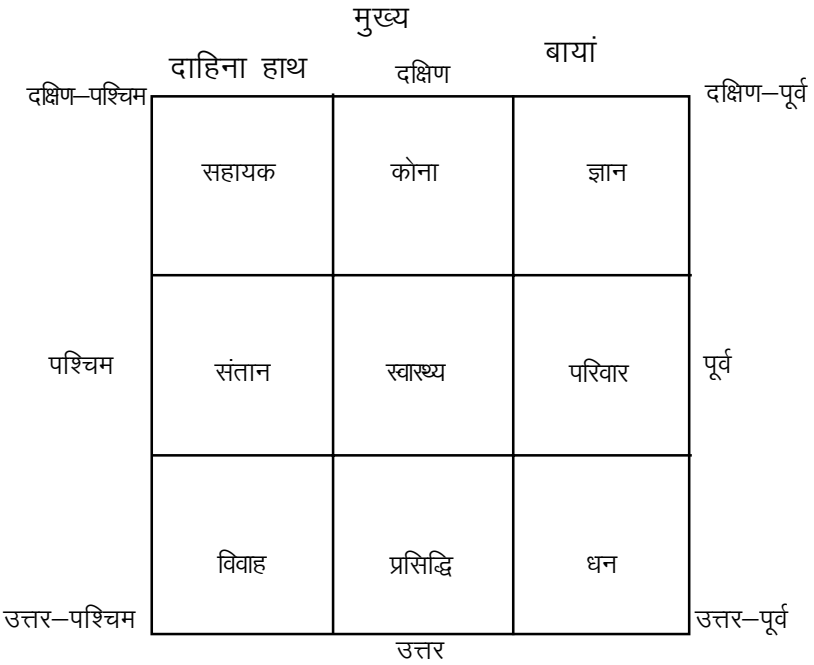

शयन कक्ष

मुख्य द्वार हमेशा कैरियर है, कोई भी दिशा हो।

मुख्य द्वार के सामने प्रसिद्धि मान–सम्मान है।
मुख्य द्वार से विवाह, पिता का स्थान (क्षेत्र) है।
दक्षिण दिशा - कम खुला क्षेत्र
वास्तु और फेंग शुई में महत्वपूर्ण शयन कक्ष और रसोईघर ज्यादा जरूरी है।
खराब 'ची' स्वास्थ्य समस्या, अनिद्रा रोग तथा अवसाद देती है।
पलंग के पीछे ठोस दीवार होनी चाहिए
खिड़की दरवाजे नहीं होने चाहिए।

Future Point

जब हम सोते हैं तो लघु मृत्यु समान है। सोना जरूरी होता है, इसके बिना हमारा शरीर स्फूर्तिदायक नहीं हो पाएगा। जब तक थकान नहीं मिटेगी, हम काम नहीं कर पायेंगे। हमें परेशानी होगी और खराब ची होगी वहां। अगर हम असुरक्षित महसूस कर रहे हैं तो खराब ची है।

विवाह कोना – (दरवाजे से सबसे दूर का कोना) सबसे ज्यादा होना चाहिए दरवाजे से। संभोग जो कि आजाद सरुक्षित हो, कर पाएं क्योंकि अगर दरवाजे के बिल्कुल सामने होगा तो अस्त–व्यस्त व्यवस्था में कोई भी अचानक दरवाजा खुलते ही आपको देख सकता है जो कि सुरक्षित नहीं हैं। दरवाजे के पास कोई भी भारी चीज न हो जैसे पलंग या सोफा वगैरह। अगर है तो दर्पण लगाएं।

पलंग साधारण हो, तड़क–भड़क वाला न हो, कोने गोलाई में हो वर्गाकार और कोणाकार पलंग से यौवन शक्ति ज्यादा हो जाएगी, जोकि आपसी सम्बन्धों को खराब करेगी। वैवाहिक संबंध खराब हो सकते हैं।

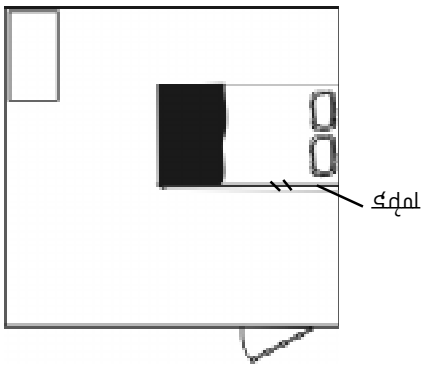

अगर प्रसिद्धि चाहिए तो मुख्य द्वार के सामने पलंग रखें। पहले 9 क्षेत्र बनाएं फिर शयन कक्ष के द्वार के हिसाब से 9 क्षेत्र बनाएं। मान लो साझेदार सहायता करें तो mentor place पर पलंग रखें, स्वास्थ्य के प्रति परेशान हो तो बीच में रखें। जो भी आप चाहते हों उसके हिसाब से रखें। ज्ञान के लिए ज्ञान वाली जगह पर, 2 दरवाजे हों तो सम्बन्धों को कैसे रखना है काम वासना ज्यादा जागृत करती है तो दक्षिण में रखें। लेकिन इस दिशा में ज्यादा अच्छी नींद नहीं आएगी।

बच्चों का सोने का कमरा– बढ़ती उम्र के बच्चों के लिए पृथ्वी क्षेत्र सबसे अच्छा है। अगर आत्मविश्वास की कमी है तो पृथ्वी क्षेत्र में शयन कक्ष बनाएं।

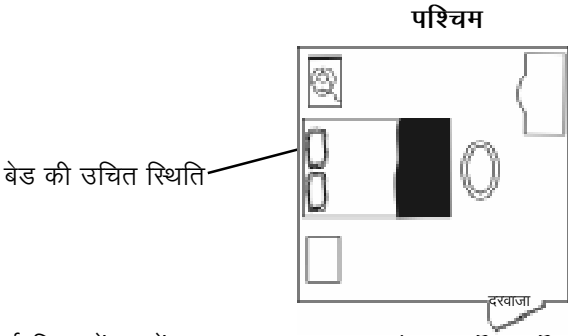

पूर्व दिशा में बच्चों का शयनकक्ष व वयस्को का पश्चिम दिशा में उत्तम माना जाता है।

Future Point

Future Point

फेंग शुई में बहुत से सिस्टम हैं, पूर्व में रख सकते हैं अगर निराश हैं। उत्तर पश्चिम में प्राथमिक शिक्षा के लिए या प्रवेश करते ही बायीं तरफ – मुख्य द्वार से दायीं ओर में व्यक्ति जल्दी अन्दर आएगा। बायीं ओर दूरी कम होगी। उत्तर, भावुक स्थिति बनाता है। उत्तर का जानवर कछुआ है। उत्तर में ठन्डी हवाएं आती हैं तो कछुआ ठोस दीवार की तरह काम करता है इसलिए बच्चों को उत्तर दिशा में सुलाएँ। सुरक्षा की दृष्टि से उत्तर सही दिशा है।

पलंग दीवार से 1–2 इंच दूर हो। दीवारो की आड़ हो। बीच में नहीं होना चाहिए वरना नींद उड़ जाएगी। स्वास्थ्य के लिए शान्त कोना ठीक है।

अगर bed solid दीवार की तरफ नहीं है तो restless महसूस करेंगे। सिर की तरफ दीवार होनी चाहिए। दरवाजे की तरफ पैर नहीं होने चाहिए।

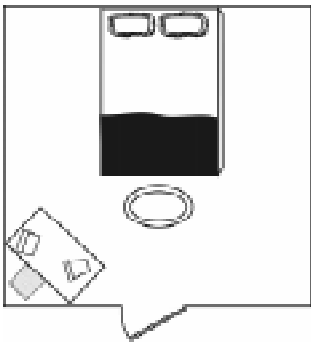

बीच में तथा दरवाजे के सामने बैड नहीं होना चाहिए

मकान– yang कब्र– yin है। मुर्दे के पैर south की तरफ रखते हैं।

Main Gate की तरफ पैर होना मतलब बाहर जा रहे हैं। जिन्दा व्यक्ति सो रहा है तो उत्तर की तरफ। जब स्त्री pregnant है तो उसके पलंग के नीचे झाड़ू–पोंछा सफाई नहीं करनी चाहिए। पलंग खिड़की के पास न हो। एक दूसरे के सामने दरवाजे न हों – निराशा रहेगी। बन्द रखें, पर्दे मोटे लगाएं पौधे लगाएं। अगर दोनों तरफ कमरे हों तो पौधे रखें, आदमी जिससे सीधा चलें।

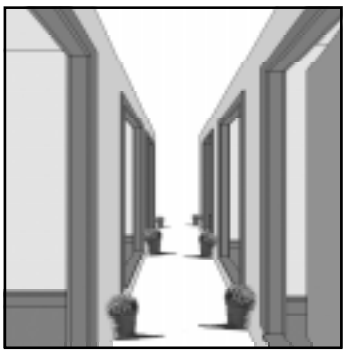

अगर दोनों तरफ कमरे हों तो पौधे रखें

सख्त बिस्तर हो। साफ सुथरा हो। गैराज के ऊपर, तहखाने के ऊपर पलंग न हो।

प्रवेश करके दायीं ओर के अंत में अति उत्तम है। (शयन कक्ष) प्रवेश से दूर सोने कमरा का होना चाहिए।

रोशनी में सोने से सिर दर्द हो सकता है। जिस क्षेत्र में है उसी रंग का इस्तेमाल करें।

पवन घन्टियां शयन कक्ष में न हो। अलार्म घड़ी ध्यानपूर्वक इस्तेमाल करें। सोए हुए को परेशान न करें। हल्की व सुखद रोशनी शक्ति प्रदान करती है। गहरा रंग, तेज रोशनी व्यक्ति को अशान्त करते हैं।

पौधे– सोने के कमरे में पौधे गहरे हरे रंग की पत्तियों वाले लेकिन गोलाकार पत्तियां हों वे ही इस्तेमाल करने चाहिए। ये नींद में सहायता करेंगे।

संगीत यंत्र नहीं होना चाहिए, पेन्टिंग के गोलाकार कोने हो, कछुआ रख सकते हैं यीन ऊर्जा है।

कपड़े रखने की अलमारी–

कपड़े रखने की अलमारी दीवार में बनवाई हो, ढकी हो। फेंग शुई में सब चीजें बन्द करके रखें। अलमारी का कोना, जहां से शार आ रहा है, उसके लिए शीशा लगाएं या गोल कुछ बना कर वहां लटका दें।

शार को गोल चीज से छुपा दें

पलंग में सम वस्तुएं रखें – बांस, लकड़ी, प्लास्टिक, लोहा, स्टील, लकड़ी गद्दे से ज्यादा ऊंचाई की साइड टेबिल न हो वरना वायु संचार नहीं होगा।

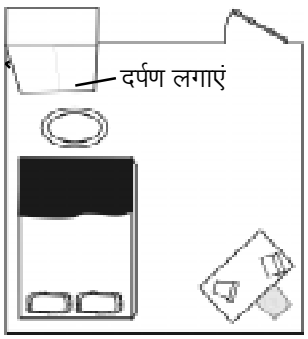

Future Point

ड्रेसिंग टेबल–

पलंग के सामने न हो। अगर सामने शीशा हो तो वह प्रेम प्रसंग में बाधक होगा। जब रात को उठते हैं तो अचानक शीशे में अपना चेहरा देखकर डर सकते हैं। शीशे में पूरा शरीर नहीं दिखना चाहिए।

इसको ऐसी जगह रखना चाहिए जो ज्यादा अन्धकार वाला हो क्योंकि शीशा अतिरिक्त रोशनी को आकर्षित कर उस कोने को अधिक रोशनी वाला दर्शाएगा। ड्रेसिंग टेबल दरवाजे के सामने भी न हों।

कमरे में ड्रेसिंग टेबल को ऐसे रखें जिससे रोशनी प्राप्त करने में सहायता मिले जिससे वहां पर यांग ऊर्जा वितरित हो

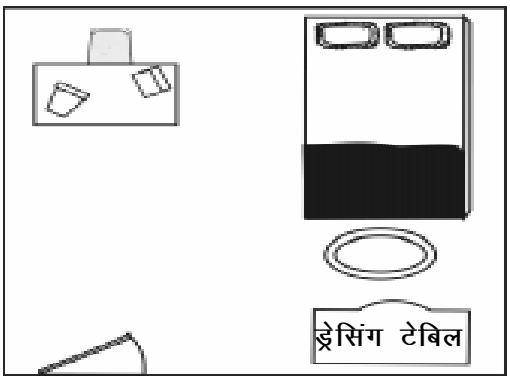

शयन कक्ष में ड्रेसिंग टेबिल इस स्थिति में कभी न रखें

शयन कक्ष की कुर्सियां– आराम और व्यावहारिकता यहां बहुत महत्वपूर्ण है। जहां तक हो सके कुर्सियां गोलाकार चिकनी सतह वाली व्यक्तिगत इच्छानुसार होनी चाहिए।

सज्जा– यीन का ज्यादा प्रयोग हो, किनारे गोलाई लिए हुए आकार वाली चीजें ज्यादा हों। अप्राकृतिक प्रकाश का नहीं करना है। काला रंग भी प्रयोग न करें। हल्के, नरम रंगों का इस्तेमाल करें। लेकिन बच्चों के लिये चमकदार रंग हों। शयन कक्ष का कालीन बढ़िया नर्म हो। मुलायम मोटे पर्दे भारी हों।

चादरें गर्मियों में हल्के रंग की सर्दियों में गहरे रंग की हों। रात में पलंग के किनारे लैम्प प्रयोग करें। दीवार लाइट हों।

Future Point

शयन कक्ष में पलंग इस स्थिति में कभी न रखें
(सिर अथवा पैर दरवाजे की ओर नहीं होने चाहिए)

रंग योजना – आपका क्या तत्व है उसके अनुसार खास कर बच्चों के शयन कक्ष में क्योंकि बच्चे वृद्धि की तरफ हैं। उनका तत्व निर्धारित करके फिर उसका इस्तेमाल किया जाए–

अग्नि–हरा　　पृथ्वी–लाल
धातु– पीला　　जल– सफेद
लकड़ी– नीला/काला

बच्चों का विकास होता है तो पीछे वाला तत्व लें। बड़ों के लिए आगे वाला लें। प्रवेश से अंतिम दाहिने बच्चों के लिए नहीं बनाएं। घर का नक्शा व बच्चों का कमरा बागुआ7 अष्टभुज में हो। आपके कमरे के आस–पास हो। इससे वो हमेशा आपकी निगरानी में रहेंगे।

अगर ऐसा है तो आप जहां दीवार मिलती है इस कमरे की वहां पर शीशा लगाएं। गोल दर्पण उत्तर पूर्व दीवार पर लगाएं। गोल यीन है, उत्तर कोने में लगाएं। पलंग के सामने न हो। पढ़ने की मेज, कंप्यूटर, टी. वी. नहीं होना चाहिए।

रसोई घर– रसोई घर, घर में हर एक की सम्पन्नता का प्रतीक है। इसका कारण यह है कि रसोई घर एक ऐसी जगह है जहां खाना बनाया जाता है। खाना हमें शक्ति प्रदान करता है जिससे हम अपने काम करने की क्षमता प्राप्त कर और अधिक सम्पन्नता की प्राप्ति करते हैं।

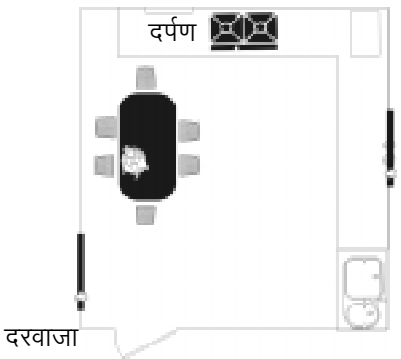

गैस चूल्हे की गलत स्थिति को दर्पण से ठीक किया गया है।

Future Point

रसोई घर की **'ची'** न केवल खाना बनाने वाले को बल्कि घर में हर किसी पर प्रभाव डालती है। इसका असर बने हुए खाने पर भी पड़ता है। यदि खाना सन्तुलित वातावरण में बनाया जाता है तो यह खाने वालों पर भी लाभदायक प्रभाव डालता है।

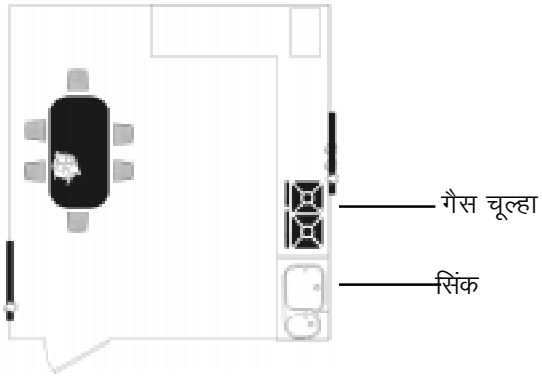

सिंक और गैस चूल्हे को एक साथ नहीं होना चाहिए

इसलिए रसोई घर हमारे घर का महत्वपूर्ण अंग है। हमारी सम्पन्नता की दृष्टि से भी हमारे स्वास्थ्य की दृष्टि से भी। फेंग शुई के सिद्धान्तों द्वारा एक सन्तुलित रसोई घर बनाने के लिए न केवल आपके स्वास्थ्य में वृद्धि होगी बल्कि आप और आपका परिवार आनन्दपूर्वक रह सकेंगे। फेंग शुई के अनुसार रसोई पूर्व व आग्नेय दिशा में होनी चाहिए।

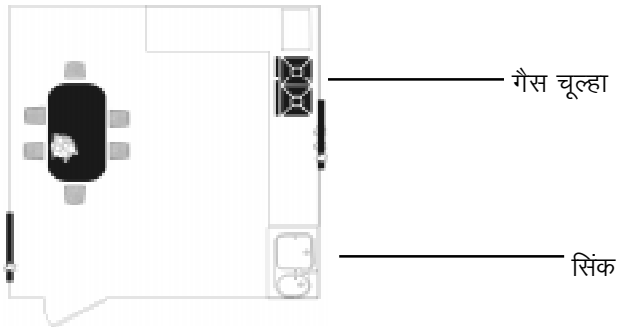

गैस चूल्हे की सही स्थिति दरवाजे से आने वाले व्यक्ति को देखा जा सकता है।

दरवाजा– रसोई घर का दरवाजा खुला होना चाहिए ताकि **'ची'** के प्रवाह में बाधा न आए और स्वतन्त्रता से अन्दर प्रवेश कर सके। दरवाजा फ्रिज के और चूल्हे के सामने न हो। यदि यह किसी सामान साथ खुलता है तो वहां पर क्रिस्टल यंत्र देना चाहिए। यह दरवाजे से उत्पन्न किसी भी असन्तुलन को सन्तुलित कर देगा। दरवाजे के स्टॉपर नहीं होने चाहिए अगर रुकावट वाली जगह है और उसे हटा नहीं सकते हैं तो पवन घंटियां लगाएं।

वास्तु में डाइनिंग रूम पश्चिम और पूर्व में होता है लेकिन अगर एक साथ है तो उसे पर्दा डालकर अलग कर देना चाहिए। गमले की कतार भी रख सकते हैं या दीवार खड़ी कर सकते हैं। लकड़ी का विभाजक भी लगा सकते हैं।

Future Point

कई घरों में परोसने की खिड़की बना दी जाती है जिससे खाना वहां से पहुंचाया जा सके। यदि आपकी रसोई में ऐसा है तो बहुत अच्छा है। लेकिन अगर आप उसे प्रयोग नहीं कर रहे हैं तो आप पौधा रख सकते हैं ताकि हर कमरे की **'ची'** वहीं पर रहे।

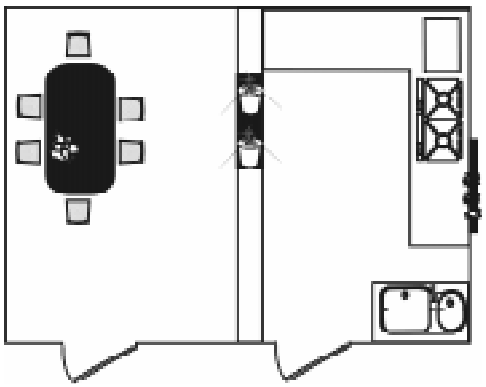

चूल्हा– चूल्हा रसोई का सबसे महत्वपूर्ण सामान है क्योंकि जो खाना आप परिवार के लिए बनाते हैं वह इसी चूल्हे पर बनाया जाता है। चूल्हे को ऐसी जगह रखना चाहिए ताकि जो भी दरवाजे से प्रवेश करता हो आपको दिखाई दे। दरवाजे की ओर पीठ नहीं होनी चाहिए। अगर ऐसा है तो सामने दीवार पर शीशा लगाएं। तांबे की चादर लगा सकते हैं। इसके प्रतिबिम्ब से ज्यादा जगह का भ्रम होता है और आने वाले व्यक्ति का भी पता लगता है।

माइक्रो वेव– अगर आप माइक्रोवेव को द0प0 क्षेत्र में रखेंगे तो आपकी रसोई अपने आस–पास फैली **'ची'** को प्रवाहित करेगी क्योंकि यह क्षेत्र शान्ति व सम्बन्धों का प्रतीक है। यदि आप धातु तत्व से ज्यादा लाभ उठाना चाहते हैं जो कि माइक्रोवेव में होता है तब इसे उ0प0 या पश्चिमी क्षेत्र में रखें। क्योंकि यह क्षेत्र धातु से जुड़ा है।

फ्रिज– दक्षिण में न हो, उत्तर में रखें। यदि आप अच्छे सम्बन्ध व सम्पन्नता चाहते हैं तो पश्चिम में रखे। अगर आप शान्ति व्यावहारिकता चाहते हैं तो दक्षिण पश्चिम क्षेत्र में रखें। फ्रिज को दक्षिण में इसलिए नहीं रखना चाहिए क्योंकि दक्षिण क्षेत्र अग्नि का सूचक है।

सिंक– सिंक का सही स्थान उत्तरी क्षेत्र है क्योंकि इस क्षेत्र का तत्व भी पानी है। अगर इसे आप उत्तर में नहीं लगा सकते हैं तो दक्षिण को छोड़ कर कहीं भी लगा सकते हैं। क्योंकि दक्षिण अग्नि का स्थान है इसलिए आग–पानी का मेल ठीक नहीं है।

सज्जा– यह ऐसा स्थान है जहां आपको आशावादी शक्ति से भरपूर होना चाहिए। इसलिए गोलाकार कम कोणाकार ज्यादा चीजें होनी चाहिए। कमरा रोशनी वाला हो और हवा आती हो। इसमें लकड़ी व धातु जैसे तत्वों का सन्तुलन रखना आवश्यक है। इसके सन्तुलन से बना खाना शक्ति का संचार करता है। परिवार के स्वास्थ्य और सम्पन्नता में वृद्धि करता है।

Future Point

Future Point

दक्षिण–पूर्व

प्रकाश वाली दिशा है। काला प्रयोग कर सकते हैं। संगमरमर –पीला, सफेद प्रयोग करें। काला यीन हो जाएगा।

रुकने वाली और सफेद हो, व्यक्तिगत तत्व देख कर करें। लकड़ी और संतुलित धातु हो। अगर धातु अधिक मात्रा में है तो लकड़ी कम करें। फालतू चीजें न रखें। ज्यादा शीशे वाली खिड़कियां नहीं हों। कम से कम मात्रा में शीशे लगाएं। सिर्फ पौधा या क्रिस्टल लगा सकते हैं खिड़की में धनिया, पुदीना, तुलसी, करी पत्ता, हरी मिर्च का पौधा लगा सकते हैं।

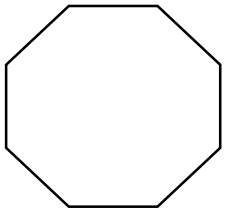

बागवा

सूखे हुए फूल, खिलौने वाला भालू ऐसी चीजें भी लगाई जा सकती हैं। घर में अगर धन सम्बन्धित समस्या है तो पानी नल से टपकना नहीं चाहिए। इससे पैसा जाता है। पानी का नल पूरी तरह बन्द रखें। दक्षिण पूर्व में बैंगनी रंग की कोई भी चीज लगा सकते हैं अगर परिवार में प्यार बढ़ाना हो तो।

रसोई के सामने मुख्य द्वार न हो वरना कौन आ रहा है कौन जा रहा है उसी पर ध्यान रहेगा।

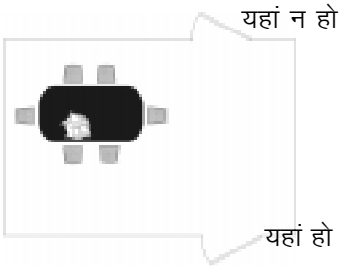

रसोई और टॉयलेट कभी भी आमने–सामने न हों

साथ में ही शौचालय न हो वरना आपका मन खराब रहेगा। पलंग वहां पास में न हो वरना खाना बनाते ही सोने की इच्छा होगी। सीढ़ियाँ न हों, वरना कौन चढ़ रहा है, उतर रहा है उसी पर ध्यान रहेगा।

रसोई घर के ऊपर शौचालय न हो, शौचालय के ऊपर रसोई घर हो सकती है। अगर है तो साफ सुथरा रखे। उसका पाइप वहां से न जा रहा हो, स्नानगृह का दरवाजा बन्द रखें।

रसोई घर डाइनिंग रूम के साथ ही होना चाहिए। बार–बार आना जाना होगा। रसोई बाहर से नहीं दिखनी चाहिए। अगर ऐसा है तो पवन घंटियां, क्रिस्टल, पर्दे लगाएं, गमला रख दें। इससे गति धीमी रहेगी और आने वाला बच कर निकलेगा।

खाद्य भण्डार घर– भण्डार घर भरा पूरा होना चाहिए। अच्छी किस्म का हो जिससे शान्ति, खुशी और समृद्धि का पता लगता है।

सामान अलमारी में होना चाहिए, खुले में नहीं होना चाहिए। इससे सामान जल्दी बिखर जाता है। इससे यह **'ची'** के प्रवाह में बाधा डालता है। अगर खुले में हो तो जारों का उपयोग करें। प्रचुरता का अहसास दिलाने के लिए पर्याप्त खाद्य सामग्री रखें।

गोल टेबल पर खाना फेंगशुई में सर्वाधिक शुभ कहा गया है

खाने का कमरा/डाइनिंग रूम– खाने का कमरा हमारी सम्पन्नता और पारिवारिक सम्बन्धों पर प्रभाव डालता है। साथ–साथ फेंग शुई के सिद्धान्तों के अनुसार भोजन करना आपको और आपके परिवार को आनन्द का अनुभव कराता है। जब इकट्ठे खाना खाया जाता है तो यह खाने वालों के बीच एकता का प्रतीक होता है।

भोजन करने के कमरे के दरवाजे की स्थिति बताती है कि लोग वहां से प्रवेश करते समय कैसा महसूस करते हैं। यदि दरवाजा पूर्व की ओर है तो भोजन करने वाला आशा व तृप्ति का अहसास करता है। अगर उत्तर–पूर्व की ओर है तो उत्साहपूर्ण व उद्देश्यपूर्ण अनुभव करता है। सिवाय दक्षिणी क्षेत्र को छोड़कर सभी क्षेत्र ठीक हैं। लेकिन अगर इस तरफ दरवाजा है तो आप पवन घंटियां या क्रिस्टल टांग सकते है। यह क्षेत्र शक्ति व प्रेम का सूचक है। इसलिए भोजन करने वालों को असुविधा हो सकती है। पवन घंटियां, क्रिस्टल से इस प्रभाव को कम किया जा सकता है। खाने की मेज उत्तर दिशा में रख सकते हैं जो शान्ति का प्रतीक है।

यह कमरा काफी खुला होना चाहिए, छोटा होने पर घुटन सी महसूस होगी।

Future Point

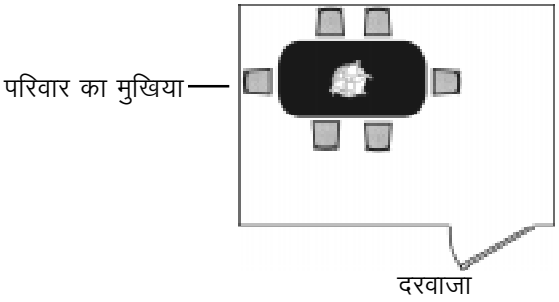

मुख्य द्वार से सबसे दूरी वाली जगह परिवार के मुखिया की होनी चाहिए क्योंकि वहां से बैठ कर वह देख सके कि क्या हो रहा है, उसके आस–पास ये मालूम रहे।

परिवार के मुखिया को दीवार का सहारा हो लेकिन बिल्कुल दीवार से सटा कर कुर्सी नहीं लगानी चाहिए। कमरे की दीवारें जितनी हो सकें उतनी अच्छी होंगी। नीची छत खाने वालों पर चुभन डालेगी।

मेज गोल कोने वाली हो। खाने वाला सामने न हो, एक तरफ हो। लेकिन गोल मेज सम्मेलन के लिए अच्छी है। मेज बड़ी हो, दो चार पकवान हों तो आराम से रखी जाएं।

लकड़ी की एक पीस को लें। यह बागवा आकार अच्छा माना जाता है। बहुत ज्यादा फर्नीचर न हो। फलो की पेन्टिंग हो। फलों की टोकरी मेज पर होनी चाहिए पूर्ण पारंपरिक हिन्दू हैं तो कृष्ण जी की माखन खाते हुए लगाएं। पहाड़, नदी, हरियाली की पेन्टिंग हो। डाइनिंग टेबिल के समानांतर शीशा लगाएं। खाना मेज पर भरा पूरा लगेगा। कुर्सियां आरामदायक हों। पीछे खुला न हो खिड़की न होकर दीवार हो। दीवार से आत्मविश्वास बढ़ता है। टी. वी. न हो।

ध्वनि – हल्का–हल्का संगीत हो। आमने–सामने दरवाजे न हो, अगर है तो पवन घंटियां लगाएं। जाली का दरवाजा लगाएं।

सिर के ऊपर बीम न हो खाना खाने वाली जगह वरना लाइट लगा दो या बांसुरी लगा दो।

रंग– नारंगी रंग – आड़ू जैसा गुलाबी रंग सर्वोत्तम है। गुलाबी रंग करें, हल्के रंग का कालीन बिछाएं

Books रखें तो अलमारी बन्द रखें। खाना चबा–चबा कर खाएं।

स्थान– जरूरत के अनुसार, इच्छानुसार अपने तत्व के हिसाब से बिठाएं अगर मिलकर घर में खाना खाते हैं तो पश्चिम में रखें दक्षिण–पश्चिम में संबंध बढ़ाने के लिए रखें।क्रिस्टल कटिंग के गिलास सबसे उत्तम हैं। मेज भी आयताकार हो, रंग हरा हो। नैपकिन भी हरे रंग के हों। भारी पर्दे प्रयोग करें गोलाकार आकृति की हो। खाने की मेज पर मोमबत्ती लगा दें। इससे सम्बन्धों को बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

मछली घर– उत्तर में हो, दक्षिण में न हो। छोटी मछली हो। सुनहरी के साथ काली हो। रंग

Future Point

Future Point

अपने तत्व के अनुसार रखें। मछलीघर **'ची'** को उत्तेजित करता है। कमरे में गति लाने में सहायता होती है। पौधे इस्तेमाल कर सकते हैं। वह कोणाकार, गोलाकार, पखुंड़ियों और पत्ते वाले होने चाहिए।

स्नान घर– धन का सम्बन्ध पानी से है। धन को हम जीवन में एक बहते तत्व के रूप में मानते हैं। बाथरूम एक ऐसी जगह है जहां पर लगातार पानी का बहाव होता रहता है। इसलिए इसका सम्बन्ध पूरे घर की आर्थिक सम्पन्नता से जोड़ा गया है। शौचालय एवं स्नानघर, रसोईघर भोजन करने के कमरे से दूर होने चाहिए। ये **'ची'** क्षेत्र से बाहर होने चाहिए। ईशान या वायव्य में इनका निर्माण वर्जित है। घर के अन्य कमरों की अपेक्षा इनका दरवाजा छोटा होना चाहिए यह दरवाजा अन्दर को खुलना चाहिए इसमें एक शीशा जरूर होना चाहिए जिससे **'ची'** का प्रवाह स्वतन्त्र हो। प्रवेश द्वार के निकट न हो, घर में प्रवेश करते ही अगर इन पर नजर पड़ती है तो इसका अर्थ होता है घर के निवासियों और आगन्तुकों के भी धन और स्वास्थ्य की हानि।

उत्तर–पूर्व तथा दक्षिण–पश्चिम कोनों में शौचालय या स्नानघर नहीं बनाना चाहिए। अगर बाथरूम छोटे हैं तो शीशा टांग कर जगह और रोशनी को बढ़ाया जा सकता है।

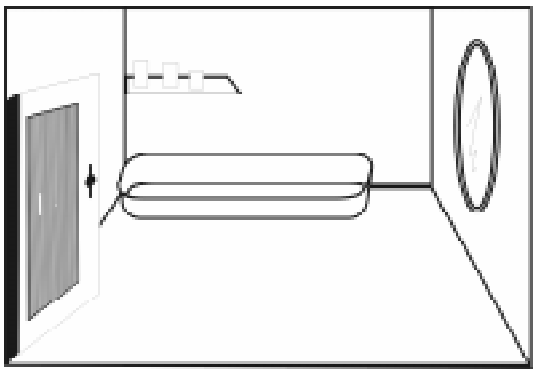

नहाने का फव्वारा– नहाने का टब व फव्वारा बाथरूम में अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण हैं। नहाने का टब यदि खिड़की के नीचे है तो खिड़की से आ रही **'ची'** को पानी रोक लेगा। इसके लिए भी खिड़की के सामने आप शीशा टांग सकते हैं।

नहाने का टब साधारणतया आयत के रूप में होता है यदि गोलाकार या अण्डाकार टब हो तो वह एक अच्छा वातावरण बनाता है। गोलाकार टब सिक्कों का प्रतीक है। पानी धन के साथ जुड़ा है। इस तरह यह धन और सम्पन्नता की दृष्टि से बहुत अच्छा है।

नहाने का टब या फव्वारा उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए जहां से आत्मिक धन का प्रवाह होता है। नहाने का टब या फव्वारा दक्षिण दिशा में नहीं होने चाहिए क्योंकि यह दिशा अग्नि द्वारा प्रभावित होती है। यदि आपके बाथरूम का कोई हिस्सा पहले से ही दक्षिण दिशा की ओर है और इसे बदला नहीं जा सकता है तो इसके पास काली वस्तु रखी जा सकती है। आप काले रंग के पानी के नल लगा सकते हैं। यह आपकी आर्थिक स्थिति पर अच्छा प्रभाव डालेगा।

यदि आपका Toilet दक्षिण–पूर्व की ओर है और इसे हटा नहीं सकते है तो बैंगनी रंग की गोलाकार आकृति टांगी जा सकती है। जामुनी, बैंगनी रंग धन बनाने की शक्ति का प्रवाह करेगा। घर में शौचालय तथा स्नानघर पृथक–पृथक होने चाहिए। अगर ऐसा न हो तो उनके बीच में पर्दा लगाया जा सकता है।

बाथरूम हमेशा स्वच्छ रखें। बदबूदार बाथरूम, नल टपकते हों, दरवाजे खिड़कियाँ अटकती हों, टूटी–फूटी चीजें मिलकर नकारात्मक **'ची'** की रचना करता हैं। यह नकारात्मक **'ची'** घर के प्रत्येक सदस्य के स्वास्थ्य और सम्पदा पर कुप्रभाव डालती है।

बाथरूम में लगे शेल्फ, अलमारियाँ साधारण होनी चाहिए। सामान अलमारियों में होना चाहिए। बाथरूम में सफेद, हल्के रंगों का प्रयोग होना चाहिए, टाइलों की सतह होनी चाहिए। प्राकृतिक रोशनी जितनी ज्यादा होगी उतना ही बेहतर होगा। प्लेन शीशा होना चाहिए क्योंकि वह अन्य शीशों की अपेक्षा सौर **'ची'** को इधर–उधर जाने से रोकता है। **'ची'** शक्ति को उत्तेजित करने के लिए आप पौधे रख सकते हैं। यदि आप ज्ञान और उत्साह की वृद्धि चाहते हैं तो उ0 प0 में रखना ज्यादा लाभदायक होगा।

बाथरूम में किसी विशिष्ट स्थान को शक्ति को उभारना कठिन नहीं होता क्योंकि यहां पर रखने के लिए हमेशा कई छोटी–2 चीजें उपलब्ध रहती हैं। जिन्हें आप सजावट में बाधा डाले बिना रख सकते है। तौलियों का रैक, ब्रश रखने वाला।

उदाहरण के लिए – पूर्व ओर जामुनी रंग का रैक टांग कर इस क्षेत्र के धन और कलात्मकता का विकास किया जा सकता है।

खेलने का कमरा– खेलने का कमरा ज्यादातर बच्चों के द्वारा इस्तेमाल किया जाता है। यह पश्चिम, दक्षिण–पश्चिम पर उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए। ये क्षेत्र सन्तोष, शान्ति, कलात्मकता में वृद्धि करते हैं। इस कमरे में यीन व यांग का सन्तुलन बेहद जरूरी है क्योंकि किसी एक का भी ज्यादा होना सुस्ती या ज्यादा क्रियाशीलता का वातावरण पैदा कर सकता है। यहां पर प्राकृतिक रोशनी को बढ़ावा देना चाहिए छत के नीचे पीली रोशनी का प्रयोग बेहतर होता है पीला रंग केन्द्र में स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

खेलने के कमरे में वस्तुएं ज्यादातर बच्चों के चुनाव के अनुसार होती हैं। जैसे कि– लकड़ी के खिलौने पूर्व या दक्षिण पूर्व की ओर रखने चाहिए क्योंकि इन दोनों क्षेत्रों का तत्व लकड़ी है। पूर्व की ओर हरे रंग के चित्र आपके बच्चों को शान्ति व सन्तोष का अहसास दिलाएंगे। दक्षिण–पूर्व की ओर बैंगनी रंग का पोस्टर उनकी कलात्मक वृद्धि में सहायता करता है। बच्चों के खिलौनों के फेंगशुई के अनुसार वास्तविक स्थान पर रखने के बावजूद उनके खिलौने अपनी जगह नहीं रह पाते हैं। इधर–उधर बिखरे मिलते हैं। लेकिन फेंग शुई में बच्चों की स्वतन्त्रता महत्व रखती है। जितनी देर बच्चे खेलते हुए खुश रहते है। उन **'ची'** के बुरे प्रभाव नहीं होते हैं।

पढ़ने का कमरा– इस कमरे की वास्तविक जगह उत्तर–पूर्व की ओर होनी चाहिए जो कि ज्ञान का प्रवाह देती है। यीन व यांग का सन्तुलन आवश्यक है। पूरे कमरे में रोशनी की व्यवस्था उचित हो। प्राकृतिक रोशनी का ज्यादा से ज्यादा उपयोग होना चाहिए।

Future Point

इस कमरे में बैठने के लिए सबसे उपयुक्त स्थान उत्तर पूर्व है। बैठने के लिए स्थान ऐसी जगह हो जहाँ से बैठने वाले को दरवाजे का पूरा दृश्य दिखाई देना चाहिए। अगर सम्भव नहीं है तो शीशा टांगा जा सकता है। किताबें खुली अलमारी में नहीं होनी चाहिए क्योंकि खुले में रखने से **'ची'** पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। उत्तर–पश्चिम और वायव्य दोनों की शक्तियों को उत्तेजित करना पड़ेगा। उत्तर–पश्चिम क्षेत्र जिम्मेदारी का अहसास कराता है। इस क्षेत्र की वृद्धि करने से आपको पढ़ाई, उत्पादकता, व्यवस्था में सहायता मिलेगी। इसी तरह उत्तर–पूर्व की वृद्धि करने से आपको पढ़ाई में एकाग्रता के लिए सहायता मिलेगी।

इन दोनों क्षेत्रों को बड़े पौधों से उत्तेजित किया जा सकता है। इससे आपको ताजे वातावरण की अनुभूति प्राप्त होगी।

Future Point

Future Point

पाठ –16

अस्तव्यस्तता से छुटकारा पाएं

अस्तव्यस्तता घर में **'ची'** के सहज प्रवाह को बाधित करती है जिसके कारण समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। कुछ लोगों को वस्तुएं इकट्ठे करने की आदत होती है। वे यह सोचकर कि शायद भविष्य में इनकी जरूरत पड़ जाए, चीजों को इकट्ठा करके अपनी अलमारियां सन्दूक भरे रखते हैं और नहीं तो कमरों में जगह–जगह चीजें पड़ी रहती है। कुछ चीजें दीवारों पर टंगी पड़ी रहती हैं।

जगह–जगह किताबें पड़ी रहती हैं जिनमें धूल जमा होती रहती है। अलमारियों में ऐसे कपड़े टंगे रहते हैं जिन्हें वे पहनते नहीं हैं पर इसलिए इकट्ठा करते हैं कि शायद बच्चों के काम आ जाएं जबकि ऐसा होता नहीं है। आगे चलकर बच्चे भी उनको नहीं पहनते हैं।

ऐसी चीजें अस्तव्यस्तता उत्पन्न करती हैं। इनको हटा देना चाहिए। इनको हटा देने में अत्यधिक लाभ होता है। यह अतीत को भूल जाने की ओर संकेत करता है। यह भविष्य में आत्मविश्वास का संकेत देता है। यह स्वतन्त्रता की एक अविश्वसनीय भावना प्रदान करता है। आप जब इन सब चीजों को हटाएंगे तो खुद ही भार मुक्त महसूस करेंगे। इस अस्तव्यस्तता को दूसरे रूप में भी लेते हैं। आप अपनी हर चीज को सेटल करके रखें। इससे **'ची'** के प्रवाह में बांधा नहीं आएगी।

मान लो रात को सोने से पहले आप कपड़े बदलते हैं तो उन कपड़ों को ऐसे ही बिस्तर पर या कुर्सियों पर 8–10 घण्टे के लिए नहीं रहने दें। ये हमेशा याद रहे कि चीजों को ठीक से न रखना, उनको अस्त–व्यस्त पड़े रहने देना ऊर्जाओं की गति को मन्द करता है। जैसे कि मुरझाए फूलों को पड़ा रहने देना, पत्तों को साफ न करना। बाथरूम को साफ न रखना, जगह–जगह साबुन जमा पड़ा रहने देना। दरवाजे–खिड़कियां चरमराते रहने देना, किताबें धूलभरी पड़ी रहने देना। फटे पुराने कपड़ों को जोड़ कर रखना। इनसे छुटकारा पाइये वरना ये गति एवं जीने के अन्दाज को वर्षों पीछे धकेल देते है। **'ची'** के प्रवाह में पूरी तरह से बाधक है। **'ची'** पर बुरे प्रभाव डालते हैं।

कमरे में हर चीज को व्यवस्थित करके रखना चाहिए

ऐसी चीजों को बेच दें या जरूरतमन्दों को दे दें। उनके बदले ऐसी चीजें खरीदें जिनकी जरूरत हो। इससे उनकी सहायता भी होगी और आप **'ची'** के बुरे प्रभाव से भी बचे रहेंगे।

यदि आप प्रगति करना चाहते हैं तो इन सभी अनावश्यक वस्तुओं के अपने जीवन से दूर कर दें। अनुपयोगी वस्तुओं को जमा करके न रखें– पुराने कपड़ों, टूटी चीजों के अलावा और बहुत से सामान हैं जिनसे आपको छुटकारा पाना चाहिए।

1. पुरानी पत्रिकाएं, समाचार पत्र
2. पुरानी ऑडियो कैसेट और वीडियो कैसेट
3. पुराने व निष्क्रिय उपकरण
4. बन्द पड़ी हुई कलाई और टेबल घड़ियां
5. लोहे की चीजों का कबाड़
6. पुराने रिकार्ड

इन सब अनावश्यक चीजों के संग्रह से मनुष्य पिछड़ जाता है। इस तरह के हर टुकड़े का तार अदृश्य रूप से जुड़ा हुआ होता है। इन सबके कारण आपका विकास अवरुद्ध हो जाता है क्योंकि संग्रह की प्रत्येक वस्तु आपके मस्तिष्क में घर कर चुकी होती है। आप निरर्थक भौतिक एवं मानसिक वस्तुओं के संग्रह से छुटकारा पा लीजिए फिर देखिए कि आप अपने आपको कितना बन्धनमुक्त, चिन्तारहित व प्रसन्नचित्त पाते हैं।

मोमबत्ती, धूपबत्ती, अगरबत्ती जलाने से रुकी हुई ऊर्जा गतिमान हो जाती है।

इन सबसे छुटकारा पाने के बाद आप अपने घर में रोज अगरबत्तियां जलाएं। यदि आप चाहें तो पूजा करने के बाद पूरे घर में घन्टी भी बजा सकते हैं। अपने घर को ऊर्जावान बना सकते हैं। अगरबत्ती व धूपबत्ती कमरों के कोनों में जला सकते हैं।

Future Point

Future Point

पाठ –17

फेंग शुई द्वारा उपचार में आने वाली चीजें

फेंग शुई में प्रत्येक समस्या का उपाय है। अभी तक पढ़कर आप निस्सदेह यह अनुभव कर चुके होंगे।

समस्याओं के उपचार में प्रयोग आने वाली बहुत–सी ऐसी चीजें हैं। जिनका उपयोग करके घर में **'ची'** का सुगम एवं बिना बाधा के प्रवाह किया जा सकता है। इसके लिए हम बहुत सारी चीजों की जानकारी आपको दे रहे हैं जिनका प्रयोग फेंग शुई में सर्वदा होता है–

1. चमकदार वस्तुएं जहां कमरों में अन्धेरा रहता हो वहां इनका इस्तेमाल होता है। 1. शीशा 2. क्रिस्टल 3. प्रकाश
2. ध्वनि – इसके लिए **'पवन घन्टी'** संगीत का इस्तेमाल किया जाता है।
3. सजीव वस्तुएं – जैसे पौधे, मछली
4. गतिशील वस्तुएं – पंखे, पानी का फव्वारा, बैनर्स, घड़ी का पेन्डुलम
5. भारी चीजें – जैसे अलमारियाँ, मूर्तियां, Boxes.
6. विद्युत उपकरण
7. बांस की बांसुरी
8. रंग
9. अन्य वस्तुएं

प्रकाश– पृथ्वी पर जीव का अस्तित्व पूर्णतः सूर्य के प्रकाश पर निर्भर करता है। घर में कमरों आदि का निर्माण करवाते हुए यह अवश्य ध्यान रखें कि प्राकृतिक प्रकाश आने की व्यवस्था हो। अन्यथा कृत्रिम

अपने कमरे में प्राकृतिक प्रकाश आने की व्यवस्था अवश्य हो

प्रकाश की व्यवस्था फेंग शुई के सिद्धान्तों के अनुसार करें–

प्रकाश– प्रकाश की स्थिति का घर में रहने वालों पर बेहद प्रभाव पड़ता है। यदि पढ़ने या खाना बनाने की जगह रोशनी कम व छायादार हो अथवा कम्प्यूटर या टी.वी. स्क्रीन पर रोशनी ठीक नहीं हो तो आपने देखा होगा कि एकाएक मन विचलित, चिड़चिड़ा हो जाता है क्योंकि रोशनी का सीधा सम्बन्ध आपके मूड़ से बन गया। रोशनी मूड़ को सीधे प्रभावित करती है।

सबसे अधिक व्यवहार में आने वाली जगह रसोई, बाथरूम, पढ़ने का कमरा, काम करने का कमरा, सीढ़ियां, लॉबी आदि पर सुरक्षा का विशेष महत्व है। इन स्थानों पर उत्तम प्रकाश व्यवस्था बहुत जरूरी है। किसी भी स्थान को प्रमुखता देनी हो तो प्रकाश व्यवस्था बहुत जरूरी है।

जैसे कि (L) एल आकार के घर को पूर्णता देने के लिए लैम्प का उपयोग करके प्रकाश से उसको पूरा आकार दे सकते हैं।

'ची' के आकृष्ट करने के लिए प्रकाश की मात्रा को बढ़ाना होता है। किसी भी अनियमित आकार के कमरे के गुम कोने का उपाय प्रकाश ही होता है।

किसी भी समस्या को कम करने में शीशे व क्रिस्टल का उपयोग होता है। हम इन चीजों का उपयोग करके घर में **'ची'** को बढ़ावा दे सकते हैं।

क्रिस्टल– प्रकाश को खींचकर चारों तरफ उसी प्रकाश को फैलाता है (अन्धेरे वाली जगह)। क्रिस्टल ऊर्जावर्धक होते हैं। क्रिस्टल बॉल में विभिन्न कट होने से यह सारे कमरे की ऊर्जा को सकारात्मक किरणों से भर देता है। अगर अनधेरे कमरे की खिड़की पर एक क्रिस्टल लटका दिया जाए तो बाहर की रोशनी क्रिस्टल से परावर्तित होकर कई रंगों से युक्त होकर कमरे में प्रतिबिंबित होगी। जहां ऊर्जा स्थिर हो वहां उसे गतिशील बनाने के लिए क्रिस्टल का उपयोग किया जा सकता है। घर में अगर किसी भी क्षेत्र की ऊर्जा काम नहीं कर रही हो तो क्रिस्टल लटका कर उसे पुनर्जीवित कर सकते हैं। अपने घर में उत्तर पश्चिम में लगाने से परिवार में आपस में प्रेम, लाभकारी सहायकों का अचानक मिलना, धन लाभ और सोया भाग्य जगाते हैं।

आपके घर के द0प0 दिशा का कोना प्रेम रोमान्स और स्नेह से सम्बन्धित होता है। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है। इस क्षेत्र की शक्ति बढ़ाने का श्रेष्ठतम उपाय असली स्फटिक के दो गोलों का इस्तेमाल करना है। असली (स्फटिक) क्रिस्टल के कारण आपके शयनकक्ष के द0प0 का कोना सक्रिय हो जाता है। वह आपके प्रिय व्यक्तियों के साथ आपके सम्बन्धों में सामंजस्य स्थापित कर घर में सुख शान्ति लाता है।

यदि ड्राइंगरूम में ऐसा किया जाए तो पूरे परिवार के स्नेह सम्बन्धों में वृद्धि होती है।

आपके घर की उ0 पूर्व दिशा का कोना आपका सम्बन्ध शिक्षा एवं ज्ञान से जोड़ता है। परीक्षा में अपने बच्चों की शानदार सफलता के लिए इस कोने में इसे लगाएं।

झाड़–फानूस– **'ची'** को आकर्षित करने व परावर्तित करने में झाड़–फानूस बेजोड़ होते हैं। अगर घर की प्रसिद्धि, विवाह तथा ज्ञान क्षेत्र में झाड़–फानूस को लगाया जाए तो इनसे अत्यधिक लाभ होता है। अगर इनको घर के मध्य भाग में लटकाया जाए तो ये पूरे घर के लिए लाभदायक होते हैं। इनसे अनेक प्रकार की ऊर्जाएँ निकलती हैं जो सौभाग्य लाती हैं। घर में फानूस लटकाने की सबसे बेहतर जगह है द0प0 क्षेत्र यहां अग्नि व पृथ्वी का मिश्रण घर के प्रत्येक सदस्य के लिए प्रेम व सौभाग्य लाता है और पारिवारिक सदस्यों के सम्बन्धों को प्रगाढ़ करता है। इससे घर का प्रत्येक सदस्य दोस्तों व रिश्तेदारों में लोकप्रियकता हासिल करता है।

फानूस में लटकते क्रिस्टल्स शुभ यांग ऊर्जा का संचार करते हैं।

क्रिस्टल ऊर्जा को गतिमान करने का उत्तम उपाय है।

दर्पण– दर्पण को फेंग शुई का **'उत्प्रेरक'** बताया गया है। दर्पण हमेशा ऐसी चीज को प्रतिबिम्बित करता हुआ होना चाहिए जो आह्लादित करने वाली हो। दर्पण का उपयोग घर के किसी भी क्षेत्र को

दर्पण

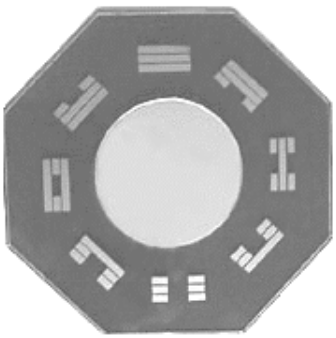

बागवा या पाकुआ दर्पण

घर के स्थिर, गतिहीन व अन्धेरे कोने में दर्पण लगाने से वहां की 'ची' तीव्र गति से सक्रिय हो सकती है

Future Point

समृद्ध करने या विकृति का निदान करने के लिए किया जाए तो यह जानकारी भी जरूर होनी चाहिए कि उससे का प्रतिबिंबित करवाना है। वरना समस्या पैदा हो सकती है। टूटा–फूटा दर्पण **'ची'** को विकृत करता है। दर्पण हमेशा फ्रेम में जड़े होने चाहिए ताकि वह 'ची' का सही तौरपर निर्माण कर सके।

दर्पण छोटी और संकुचित जगह के लिए ज्यादा उपयोगी होता है क्योंकि इसकी मौजूदगी से छोटी जगह का आकार दुगुना हो जाता है। लेकिन घर की भीतरी दीवार पर दरवाजे या खिड़की के विपरीत न टांगे वसा **'ची'** को बाहर की तरफ धकेलना होगा। उसे घर में प्रवाहित होने से रोकेगा।

मकान के किसी भी हिस्से का आकार असामान्य हो तो वहां दर्पण का इस्तेमाल करें। घर के स्थिर, गतिहीन और अन्धेरे कोने में दर्पण टांगिए–इससे वहां की 'ची' सक्रिय होगी।

किसी भी चीज को दुगुना दिखाना हो तो इसका प्रयोग कर सकते हैं। खाने के कमरे में इसका प्रयोग हो सकता है। अगर हमारी पीठ के पीछे दरवाजा है तो दर्पण लगाकर आप उसका उपाय कर सकते हैं। आपको अपने पीछे की activities का पता रहेगा।

बागवा या पाकुआ दर्पण– इस प्रकार के बागवा दर्पण चीन में घरों दुकानों के बाहर लगा कर उन प्रतिकूल ऊर्जाओं का प्रतिरोध किया जाता है जिनसे हानि होने की आशंका रहती है।

बागवा दर्पण उन प्रतिकूल ऊर्जाओं से रक्षा करता है जो घर को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इनको मुख्य दरवाजों पर लटका कर उन स्रोतों को वापस लौटाया जाता है जो घर को हानि पहुंचा सकते हैं। ये स्रोत है तीखे कोने, ऊंचे टावर, खम्बे, जहां से भी **'जहरीले तीर'** घर में आने का सन्देह होता है।

बागवा दर्पण की बनावट यीन ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करती है अतः इनको घर के अन्दर बिल्कुल न टांगे। वरना घर वालों पर इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा।

बागवा दर्पण

Future Point

Future Point

पीठ पीछे दरवाजा हो तो अपने सामने दर्पण का प्रयोग करें

बागवा दर्पण अपने मुख्य द्वार पर एवं पीछे के द्वार पर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा रुक जाती है। यह सकारात्मक ऊर्जा को घर से बाहर नहीं जाने देता है।

मनभावन दृश्य का आनन्द उठा सकते हैं। मान लो बाहर की सीनरी देखनी है तो दर्पण लगा कर उसका आनंद उठा सकते हैं। उसको इस तरह लगाएं जिससे दूर की जगह की सीनरी भी दिख सकें।

अगर आपको रोशनी को बढ़ाना है तो भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

अंतिम क्षेत्र को वापस लाने के लिए भी इसका उपयोग कर सकते हैं।

3. ध्वनि

पांच तत्वों का सन्तुलन संगीत के विभिन्न गुणों और ध्वनियों को निर्धारित करता है। उपाय के रूप में संगीत व अन्य ध्वनियों का उपयोग भी किया जा सकता है। इस संदर्भ में पवन घंटियां अत्यन्त उपयोग रहती है क्योंकि वह **'ची'** को आकर्षित करने के साथ–साथ प्रत्येक बार सुनते समय पुष्टि का कार्य भी करती है। मधुर ध्वनि आपको प्रवाहित होने वाली **'ची'** का अहसास कराती है यह पवन घंटियां धातु, काष्ठ किसी की भी बनी हो सकती है। घर की सन्तान, व्यवसाय और सलाहकार क्षेत्र को सक्रिय करने के लिए धातु की पवन घंटियों का उपयोग किया जा सकता है जबकि बाँस की बनी को प्रसिद्धि, परिवार तथा सम्पदा क्षेत्र में इस्तेमाल करना लाभकारी होता है।

पवन घण्टी

इनका उपयोग घर के अन्दर या बाहर कहीं भी किया जा सकता है। दरवाजे के बाहर लटकाई गई पवन घंटियां अन्दर आने वाली **'ची'** को दुगना कर देती है। इसकी ध्वनि प्रसन्नता भरी होती है।

इसको आप ऐसे स्थानों पर भी लटका सकते हैं जहां वायु न होने कारण वह ध्वनि न कर सकती हो।

Future Point

घर में संगीत घड़ी लगाएँ– पांच तत्वों का सन्तुलन संगीत के विभिन्न गुणों और ध्वनियों का निर्धारित करता है। अगर जिन्दगी को स्थायित्व देना चाहते हैं तो संगीत की सौम्य ध्वनियां आपकी सहायता कर सकती हैं। पेन्डूलम वाली घड़ी, जिसकी सुईयाँ और अक्षर स्पष्ट दिखाई देते हैं, **'ची'** को उत्तेजित करने का अच्छा साधन मानी जाती है। 24 घन्टे हिलने डुलने के कारण **'ची'** को घुमाती रहेगी और उसका प्रवाह जारी रहेगा। इस को संगीत घड़ी भी कहते हैं। घड़ी का संगीत सुरीला और कर्णप्रिय होना चाहिए। द0 की तरफ घड़ी को रखने से व्यक्तिगत शक्ति का विकास होता है जबकि उ0प0 में रखने से जिम्मेदारी और नेतृत्व शक्ति का विकास होता है। यह पारिवारिक जिन्दगी में सम्पन्नता और रिश्तों में मजबूती के लिए लाभदायक है।

कोई भी ऐसी मोबाइल चीज जिसके हल्की हवा के झोंके से झूम जाएं वो आस–पास की **'ची'** को फैलने में मदद करता है।

ऐसे स्थानों पर जब भी आप वहां से गुजरें तो आते–जाते उन्हें हिला दें तब उनसे उत्पन्न होने वाली मधुर ध्वनि **'ची'** को आकर्षित कर सम्पदा बढ़ाएगी।

ऐसा माना जाता है कि इसकी मधुर ध्वनि के कारण घर के सदस्यों का स्वास्थ्य अच्छा रहता है। रेडियो टेलीविजन भी अपने प्रकाश व ध्वनि के द्वारा **'ची'** की रचना व उसे आर्कषण करते हैं।

इसको आप अपने व्यक्तिगत तत्व के अनुसार लगाएं। रंग, घड़ी अपने अनुसार चयन करें।

यह एक alarm का काम भी करती है। मान लो आप को किसी कमरे में दरवाजे से आने पर लगता है कि कुछ रुकावट है या कोई भी अगर तेजी से आएगा तो कुछ गड़बड़ होने का या कुछ गिरने का डर है। वहां पर आप इसे लगाएं जिससे आने वाला इससे बच कर निकलने के लिए अपनी गति को धीमी रखेगा। जहां भी आपको active होना है वहां पर आप लगा सकते हैं। इसका प्रयोग ध्वनि के साथ–साथ शा अशुभ फेंग शुई के प्रभाव कम करने के लिए किया जाता है।

सजीव वस्तुएं– संजीव वस्तुए भी **'ची'** को आकर्षित करती हैं। जीवित चीजें **'ची'** को उत्तेजित करने का एक लाभदायक स्रोत होती हैं। इसलिए उन्हें अपने घर में लाना **'ची'** को खुला निमन्त्रण देना है।

इसमें सबसे पहले हम पौधों के बारे में बात करते हैं।

पौधे व फूल– फेंग शुई में पौधे भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे घर में जीवन लाते हैं। हवा को तरो–ताजा बनाने में सहायक होते हैं। विभिन्न आकारों के पौधे विभिन्न प्रकार की ऊर्जाओं का निर्माण करते हैं। ऊपर की ओर उठी नुकीली पत्तियों वाले पौधे यांग और घर के दक्षिण तथा अन्य तीखे कोनों की स्थिर ऊर्जा को गतिशील करते हैं। गोल पत्ते वाले झुके हुए पौधे यीन और शान्त प्रकृति के होते है। उत्तर में इनकी उपस्थिति शुभ है। पौधे स्वस्थ होने चाहिए। बीमार पौधे, मुरझाए पौधे और फूल ऊर्जा को स्थिर करते हैं।

मनी प्लांट

Future Point

मनीप्लांट को धन के विकास के अर्थ में सम्पन्नता का प्रतीक माना गया है। इसकी गोलाकार पत्तियां धातु की प्रतिनिधि हैं। सौभाग्य के लिए मनीप्लान्ट घर के पश्चिम व उ0 पश्चिम की काष्ठ दिशा में रखें।

स्थिर अन्धेरे और तीखे कोनों वाले स्थानों पर पौधा रखें, गतिहीन ऊर्जाओं को पौधे के जरिए गतिशील बनाएं। कौरीडोर की तेज ऊर्जाओं को पौधे रखकर समगति दीजिए। कमरे में आप जिस प्रकार के पौधे का उपयोग कर रहे हैं यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप यीन को ज्यादा महत्व देते है या यांग शक्ति को। जिन पौधों के पत्ते नुकीले और चमकदार होते हैं वह यांग शक्ति को प्रवाहित करते हैं। उनके लिए लाभदायक हैं जो कर्म में विश्वास करते हैं। जिनमें समतल गोल पत्ते हैं वे यीन का प्रतीक हैं और आरामदायक वातावरण उत्पन्न करते हैं।

कैक्टस– कैक्टस के पौधे office तथा घर में नहीं लगाए जाते हैं क्योंकि इनसे प्राणघातक ऊर्जा निकलती है। इससे रोग, दुर्भाग्य और हानि की संभावना बढ़ती है। इनको घर व ऑफिस के बाहर लॉन में लगाने चाहिए। इससे वह रक्षक की भूमिका निभाते हैं। कांटेदार बनावट **'शर ची'** यानी सड़ी सांस को घर में नहीं घुसने देती है। घर के बाहर लगाया कैक्टस का पौधा घरवालों को बुरी बला से बचाता है।

कैक्टस

फूल– गुलदस्ते में लगे फूल की शोभा निराली होती है। लेकिन गुलदस्तों में कई बार फूल पड़े–पड़े बासी हो जाते हैं। इसलिए इनको गुलदस्तों की बजाय गमलों में लगाया जाए जिससे ये ताजा रहेंगे। ताजा ऊर्जाओं के माध्यम से सबको ताजा रखेंगे। सूखे फूल मृत होते हैं, उनमें स्थिर ऊर्जा होती है। ताजे जबकि विकास के प्रतीक हैं, इनसे घर में लाभदायक **'ची'** प्रवाहित होती है। घर में अगर फूलदान में फूलों को लगा कर रखें तो जैसे ही मुरझाने लगे तो उनको तुरन्त फेंक देना चाहिए।

फूलों का गुलदस्ता

Future Point

अगर आपके पास हरे भरे पौधे व फूल नहीं हैं तो अपने घर में कुछ कृत्रिम पौधे लाए जा सकते हैं। यह **'ची'** के जीवन का प्रतीक है। ये भी जिन्दा पौधे की तरह ही काम करते हैं पर इनमें सांस की कमी से ये जिन्दा पौधों जितना असर नहीं दिखा पाते हैं। इनकी भी देखभाल की जरूरत होती है जब भी इनमें गर्द जम जाए, इन्हें झाड़–पोंछ कर रखें जिससे ये तरोताजा दिखाई दें।

रत्नों का पेड़– घर में सुख, सौभाग्य और शान्ति की वृद्धि करना चाहते हैं तो रत्नों का पेड़ अपने घर में रखें। इसे प0द0 अथवा उत्तर में रखना शुभ होता है। यह व्यापार व धन के लिए उपयोगी है। रत्नों के उपयोग से ग्रहों के खराब प्रभावों में कमी आ जाती है और सुख–समृद्धि की आशाएं बढ़ती हैं।

रत्नों का गुलदस्ता

मछलीघर– (एक्वेरियम)

मछलीघर सम्पदा व समृद्धि की शान्त पुष्टि के रूप में काम करते हैं। मछली सफलता व व्यवसाय का प्रतीक होता है तथा प्रचुर रूप में लाभकारी **'ची'** की रचना करता है। विशेषकर तब जब कि मछली घर में आक्सीजन का रिसाव होता रहता है। इसे भाग्यवर्धक माना गया है। इसके रखने के लिए पूर्व, द0पू0, उत्तर और द0प0 सर्वोत्तम दिशाएं हैं। बैठक या ड्राइंगरूम इसे रखने का उत्तम स्थान है। फेंगशुई वास्तुकला में गोल्डफिश को सौभाग्य का प्रतीक माना गया है।

फेंगशुई में गोल्डफिश को सौभाग्य का प्रतीक माना गया है

अपने घर के लघु मछलीघर अथवा फिश बाउल में कुछ गोल्डफिश मछलियाँ रखना सद्भाग्य में वृद्धि करने बेजोड़ उपाय है। इसमें कुल 9 गोल्डफिश मछलियां रखनी चाहिए। इनमें से 8 मछलियां लाल या सुनहरे रंग की होनी चाहिए तथा एक मछली काले रंग की होनी चाहिए। यदि आपकी गोल्डफिश मछली मर जाती है तो आप चिन्ता न करें। नई मछली लाकर उसे बदल दीजिए। ऐसा कहा जाता है कि अगर आपके घर की गोल्डफिश मछली मर जाती है तो वह अपने साथ कई दुर्भाग्यों को भी ले जाती है। गोल्डफिश मछलियां अपने शयनकक्ष, रसोई घर, शौचालय में न रखे। इससे आपकी सम्पत्ति का नुकसान होता है। उ0दिशा क्योंकि जल की दिशा है इसलिए अगर पानी वाली वस्तु सही स्थान पर न रखी जाए तो यह हानिकारक साबित होगी। इसे आप अपने घर के मुख्य द्वार के दाहिनी ओर कभी भूल कर भी न रखें।

5. गतिशील वस्तुएँ– (moving objects)

कोई भी गतिशील वस्तु ची को उत्तेजित कर सकती है तथा झंडे, बैनर, रिबन, मोबाइल व पिंड चाइन इसी श्रेणी में आते हैं। फव्वारा इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। क्योंकि गति करता जल ची की रचना करता है। आधुनिक तकनीक व सामग्री के कारण इतने छोटे फव्वारें भी मिलते हैं कि उन्हें कहीं भी रखा जा सकता है।

फव्वारा

घन्टियां

पंखे भी इसी श्रेणी में आते है। इनके हिलने मात्र से' **'ची'** स्थिर नहीं रह पाती है। जिस कमरे को भी active करना है, वहां पर moving चीजें रख सकते हैं। पहले उस जगह के लिए तत्व का निर्धारण कर लें।

लाल रिबन में या डोरे में बन्धी घन्टियां मुख्य द्वार के बाहर लटकाई जाएं। यह घंटी आपके घर में सद्भाग्य के प्रवेश करने का सूचक है। ये सम्पन्नता को खींच लाती है तथा उसका स्वागत करती है। धातु की छोटी घन्टियां प0, उ0 पू0 कोने या उ0 दिशा के मुख्य द्वारों पर लटकानी चाहिए। घन्टियां बजने का अर्थ है सम्पन्नता व शुभ समाचार की घोषणा।

Future Point

6. भारी वस्तुएँ (heavy objects)- जहां पर आपको stability चाहिए वहां पर heavy चीजें रखें। अलमारी, बॉक्स रख सकते हैं। अगर गर्मियों में धूप ज्यादा आ रही हो तो वहां लगा सकते हैं जहां पीछे आपको support की जरूर हो वहां रख सकते हैं मूर्तियां, शिलाखण्ड भी लगा सकते हैं। जानवर की मूर्ति रख सकते हैं। अपने व्यक्तिगत तत्व के अनुसार रखिए।

अलमारी

पत्थर, धातु, सेरेमिक तथा शीशे के जानवर भी फेंग शुई में इस्तेमाल किए जाते हैं। शेर–चीते जैसे हिंसक जानवर प्रायः मकान की प्रतीकात्मक सुरक्षा के लिए बाहरी हिस्से में रखे जाते हैं।

पत्थर

अगर किसी कमरे के केवल एक हिस्से में सारा फर्नीचर रखा हो तो वह कमरा असन्तुलित सा लगता है। ऐसी स्थिति में मूर्तियां और चट्टान के बड़े टुकड़ों से कमरे को सन्तुलित किया जा सकता है। इतना ही नहीं, ऐसे क्षेत्रों में ची की गति को मन्द किया जा सकता है जहां वह तीव्र गति से प्रवाहित होती है। बड़ा लॉबी क्षेत्र तथा लम्बा चौड़ा गलियारा ऐसा ही क्षेत्र होता है।

भारी वस्तुओं से कठिन परिस्थितियों को स्थिरता दी जा सकती है। उनका ठोस रूप व वजन सावधानी और धैर्य को बढ़ा कर उग्रता को घटाते हैं।

7. विद्युत उपकरण– विद्युत उपकरणों का उपयोग भी 'ची' को उत्तेजित करने का अच्छा साधन है। कमरे के द0 पूर्व क्षेत्र में टेलीविजन या कम्प्यूटर का होना परिवार में धन सम्पन्नता और कलात्मक प्रवृत्ति को बढ़ाने में मदद करता है क्योंकि इस उपकरण द्वारा निकली शक्ति आसपास **'ची'** के साथ मिलकर वातावरण को सन्तुलित करती है। इसी तरह अन्य क्षेत्रों में भी परकार के बिन्दुओं के अनुसार विद्युत

Future Point

Future Point

उपकरणों का उपयोग लाभदायक हो सकता है। उदाहरण के लिए कमरे के दक्षिणी भाग में रेडियो का होना आपकी शक्ति के स्तर को बढ़ाने में मदद करेगा जबकि पूर्वी क्षेत्र में टेलीविजन का होना आपके लिए स्वास्थ्य और मानसिक दृष्टि से बेहतर होगा। टेलीविजन को सामाजिक और व्यापारिक स्तर बढ़ाने की दृष्टि से कमरे के दक्षिणी भाग में रखना चाहिए, टी. वी. सोने के कमरे में नहीं होना चाहिए, इससे आपकी नींद में बाधा होगी।

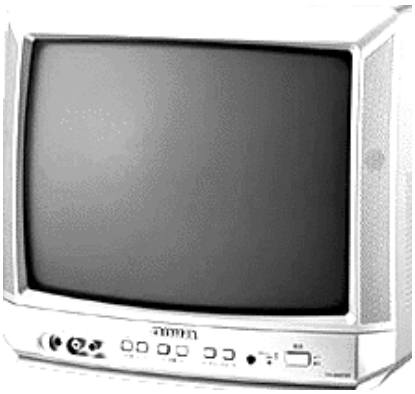

टी. वी.

माइक्रोवेव– बहुत से माइक्रोवेव में घड़ी लगी रहती है जो लगातार बिजली के प्रवाह से चलती रहती है। इसका मतलब यह है कि आपका माइक्रोवेव 24 घण्टे और हफ्ते के सात दिन विद्युत को प्रवाहित कर रहा है

माइक्रोवेव

उदाहरण के लिए आप अगर माइक्रोवेव को दक्षिण पश्चिम क्षेत्र में रखेंगे तो आपकी रसोई अपने आप ही आसपास फैली **'ची'** को प्रवाहित करेगी क्योंकि यह क्षेत्र शान्ति और सम्बन्धों का प्रतीक है। आप जिन्दगी में इन क्षेत्रों में सुधार ला सकते हैं।

यदि आप धातु तत्व से ज्यादा फायदा उठाना चाहते हैं तो जैसा कि हर माइक्रोवेव में होता है। तब इसे उ0प0 या प0 क्षेत्र में रखें क्योंकि यह धातु क्षेत्र से जुड़ा हुआ है।

Future Point

फ्रिज– फ्रिज भी एक विद्युत उपकरण है इसलिए इसे ऐसे स्थान पर रखिए जिसे आप ज्यादा उभारना चाहते हैं। उदाहरण के लिए यदि आप अच्छे पारिवारिक सम्बन्ध और सम्पन्नता चाहते हैं तो इसे प0 क्षेत्र में रखें। और दूसरी तरफ यदि आप शान्ति व व्यावहारिकता लाना चाहते हैं तो इसे द0प0 में रखिए। सिर्फ आपको ये याद रखना है कि इसे द0 क्षेत्र में नहीं रखना है क्योंकि द0 क्षेत्र अग्नि का होता है। यह इसके ठण्डे तापमान के साथ विरोधात्मक रूप ले सकता है।

रसोई घर के काफी उपकरण विद्युत द्वारा संचालित होते हैं इसीलिए किसी क्षेत्र में 'ची' के प्रभाव को उभारने के लिए इनकी कोई कमी नहीं होती है। कुछ लोगो को उपकरणों को स्विच की वजह से उसी स्थान का इस्तेमाल करना पड़ता है। परन्तु लम्बे तारों का प्रयोग करके या विस्तृत बोर्ड के प्रयोग द्वारा इनसे उबरा जा सकता है।

फ्रिज

लैम्प– द0 में किसी भी प्रकार का लैम्प रखने से नाम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है। लैम्प न बड़ा हो न ही बहुत छोटा। लैम्प फर्श से पांच फुट ऊपर रखा जाए। जिस कमरे में अधिक वक्त गुजरता हो उसे ऊर्जा सम्पन्न करें। सक्रिय सामाजिक जीवन बिताने व सौभाग्य प्राप्त करने के लिए घर के द0प0 कोण में लैम्प जगमगाएं।

लैम्प

Future Point

कपड़े धोने की मशीन– फेंग शुई में मशीन को उ0 क्षेत्र में रखने का प्रस्ताव है। इस क्षेत्र का तत्व पानी है और यह विद्युत उपकरण भी है। मशीन पानी में परिवर्तन लाती है इसलिए यह आस–पास की 'ची' शक्ति को ज्यादा प्रवाहित करेगी।

कपड़े धोने की मशीन

Sound system को किसी भी क्षेत्र की शक्ति को उत्तेजित करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। उदाहरण के लिए द0पू0 की शक्ति को उत्तेजित करना चाहते हैं तो लैम्प या sound system को यहां लगा कर मनचाहे परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। इसी तरह आप अपने परिवार और मेहमानों के ज्ञान में वृद्धि करना चाहते हैं तो उ0पू0 दिशा में विद्युत उपकरण लगा कर इसे प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यालय में, खाने के कमरे के परिवार या सलाहकार क्षेत्र में टेलीविजन या स्टिरियो के द्वारा **'ची'** को सक्रिय करने के साथ–साथ कर्मचारियों में मित्रता को बढ़ाया जा सकता है।

लेकिन यह याद रखें कि ये उपकरण नकारा **'ची'** का भी निर्माण कर सकते हैं। इसलिए इनकी भली प्रकार देख भाल करनी चाहिए। बिजली के तारों को यथासभंव ढ़क कर रखना चाहिए।

बांसुरी– जिस भी कमरे में बीम हो उसके नीचे किसी भी तरह का फर्नीचर नहीं होना चाहिए अपना bed, कुर्सी, टेबल, इत्यादि उसके नीचे न हों। वरना अनावश्यक रूप से थकान व उदासी का अहसास होगा। आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए आप बीम के दोनों तरफ बांसुरी लाल रिबन के साथ बांध कर टांग सकते हैं। उसका मुंह नीचे की तरफ होने चाहिए। इस तरह लगाने से negative energy को रोका जा सकता है अथवा यह उनको direct करती है। सिर के ऊपर की घड़ियों के उपाय के रूप में भी बांस की बनी बांसुरी को 45^0 के कोणों पर लटकाया जा सकता है। इस प्रकार वह पर कुआ की दिशाओं में ची की प्रतीक बन जाती है।

बांसुरी

Future Point

रंग– हमने पहले ही आठों दिशाओं को विभिन्न रंग प्रदान किए हैं जैसा कि हमने अध्याय के शुरू में बताया है। इन रंगों का घर में योजनाबद्ध तरीके और सिद्धान्तों के अनुसार उपयोग किया जा सकता है। उस क्षेत्र के तत्व से मेल खाते रंगो का उपयोग किया जाना चाहिए। जहां तक हो सके उनके विपरीत तत्वों को नजरअन्दाज करना चाहिए। कमरे के दक्षिणी क्षेत्र में अग्नितत्व वाले रंगों का प्रयोग करना चाहिए जैसे लाल, सन्तरा आदि अग्नि का विपरीत पानी है। इसलिए काले, नीले रंगों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इसका मतलब यह नहीं कि कमरे का रंग लाल या सन्तरी होना चाहिए जो हो सकता है काफी लोगों को पसन्द ही नहीं हो बल्कि इन रंगों को पेन्टिंग या कुशन द्वारा बनाया जा सकता है। इस रंग से सम्बन्धित चीज लगा सकते हैं। बाकी रंग आप अपनी पसन्द का इस्तेमाल कर सकते है। नीचे हम चित्र में विभिन्न क्षेत्रों के रंगों को देखेंगे–

यीन व यांग पांच तत्वों और उनके सहयोगी रंगों को सन्तुलित करते हैं जिससे रंगों को सम्पूर्णता मिलती है। रंग जाने अन–जाने आपको प्रभावित करते हैं। रंग के चयन से ही दूसरे लोग आपके बारे में अच्छी या बुरी धारणा बनाते हैं। रंग न सिर्फ व्यक्तियों का शारीरिक निदान करते हैं बल्कि रहने की जगह को प्रभावशाली बनाकर संवेदनाओं को जागृत करते हैं।

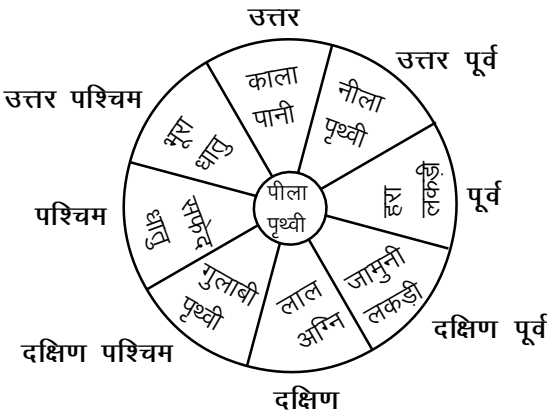

कमरे के आकार–प्रकार की त्रुटियों व अन्य कमियों को रंगो के उचित चुनाव से दूर किया जा सकता है। रंगों के मायाजाल की सृष्टि से कमरे को मनचाहा आकार प्रकार दिया जा सकता है।

पांच तत्वों से सम्बन्धित पांच रंग इंसान की ऊर्जा के गुण सुनिश्चित करते हैं। घर अथवा व्यक्तित्व के खास पहलुओं को प्रमुखता व आभा देने के लिए रंगो का उचित इस्तेमाल करना चाहिए। इसे बागवा विधि से तय किया जा सकता है कि घर में किस दिशा के लिए किस रंग का इस्तेमाल किया जाए। किसी भी कमरे को पांचों तत्वों का सही सन्तुलन प्रदान करना बहुत जरूरी है। दक्षिण दिशा मान लीजिए एकदम सफेद कमरा हो तो वहां गुलदस्ते में हरा रंग लिए हुए लाल रंग का कृत्रिम फूल फूलदान में रखें। इससे यांग तत्व को यीन तत्व सन्तुलित करेगा। हरापन काष्ठ तत्व की उत्पत्ति करेगा, लाल फूल अग्नि तत्व का सफेद कमरा धातु तत्व का प्रतिनिधित्व करेगा। शीशे के फूलदान से जलतत्व प्रवाहित होगा शीशा क्योंकि रेत से बना है अतएव उससे पृथ्वी तत्व का निर्माण होता है। इस प्रकार इस दक्षिण दिशा के कमरे की ऊर्जाओं को पांच तत्वों की मदद से सन्तुलित किया जा सकता है।

पाठ –18

आदर्श फेंग शुई घर

फेंग शुई केवल कुछ कठोर सिद्धान्त नहीं है जो माने जाएं। यह एक कला है जिसे लागू कर आप अपने व्यक्तित्व चुनाव आदि में बदलाव लाकर एक आदर्श फेंग शुई घर का निर्माण कर सकते हैं।

आपका घर आपके लिए और आपके परिवार के लिए आदर्श होता है। इसका प्रभाव आपके पूरे जीवन पर देखा जा सकता है।

फेंग शुई के सिद्धान्तों को अपने घर पर लागू करने के बाद आप और आपका परिवार जिन्दगी में नए स्तर का अनुभव कर सकते हैं।

आप अपना लाउन्ज, रसोई, भोजनगृह, शयनकक्ष, बाथरूम की फेंग शुई का उपयोग करके जीवन में अच्छे परिणामों का अनुभव कर सकते हैं। इनके अलावा फेंग शुई में और बहुत सी रहस्यमयी चीजें हैं जिनका उपयोग करके आप अपने जीवन को सुखी व समृद्धिशाली बना सकते हैं।

Future Point

Future Point

पाठ –19

सुखी व समृद्धिशाली बनने के उपाय

1. आत्म विश्वास की प्राप्ति के लिए अपने बैठने के स्थान के पीछे पर्वत का चित्र लगाएं– इससे आपके पीछे के भाग के सहारे को बल मिलेगा। आपके पीछे पर्वत होना यानि आपको मजबूत समर्थन मिलने का प्रतीक है। जो कमजोर इच्छा शक्ति एवं आत्मविश्वास की कमी वाले व्यक्ति हैं उनको अपने लिए इसका उपयोग करना चाहिए।

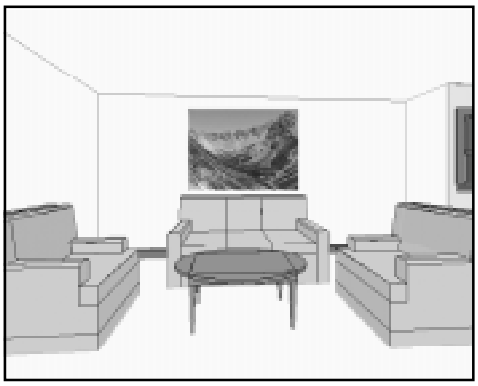

बैठने के स्थान के पीछे पर्वत का चित्र

2. खिड़की की ओर पीठ करके कभी न बैठें– खुली खिड़की रखना शुभ संकेत है। परन्तु आप खिड़की के एक दम सामने पीठ करके न बैठें क्योंकि इससे ऊर्जा बह जाती है तथा इससे आत्मविश्वास में कमी आती है एवं आप तनावग्रस्त रहते हैं।

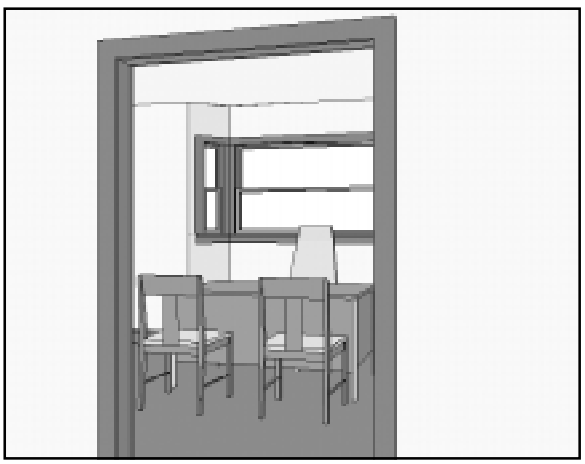

बैठने के स्थान के पीछे खिड़की नहीं होनी चाहिए

3. खाली दीवार की ओर मुंह करके न बैंठें– खाली दीवार की ओर मुंह करके बैठने से व्यक्ति धीरे–धीरे अदूरदर्शी हो जाएगा, जबकि उसे दूरदर्शी होना चाहिए। वह व्यक्ति मानसिक तौर पर अकेला महसूस करेगा।

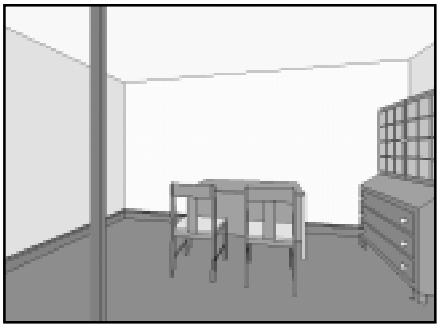

4. घोड़े की नाल द्वारा भाग्य जगाइए– भारत में घोड़े की नाल को शुभ और सौभाग्यवर्धक मानते हैं लोग अपनी सुरक्षा और सौभाग्य के लिए इसे अपने घर के मुख्य द्वार के ऊपर लगाते हैं। घोड़े की नाल के आकार की भूमि फेंग शुई के अनुसार आदर्श आकार वाली भूमि मानी जाती है। घोड़े की नाल क्योंकि धातु तत्व है इसलिए पूर्व और दक्षिण पूर्व दिशा की ओर वाले दरवाजे पर इसका प्रयोग न करें।

घोड़े की नाल

5. उत्तर दिशा में धातु का कछुआ रखिए– कछुआ आयु को बढ़ाने वाला जीवन में प्रगति के सुअवसर में वृद्धि करने वाला होता है। पानी से भरे हुए एक छोटे से कटोरे में कछुए की धातु का बने मूर्ति (मॉडल) डालिए और उसे अपने घर के उत्तरी क्षेत्र में रखिये। इससे आपकी आयु बढ़ेगी। यदि घर के उत्तरी क्षेत्र में आपका शयनकक्ष हो तो आप केवल कछुए का प्रतिरूप ही रखें। उसके साथ कटोरे में पानी न रखें क्योंकि शयनकक्ष में पानी रखना उपयुक्त नहीं है।

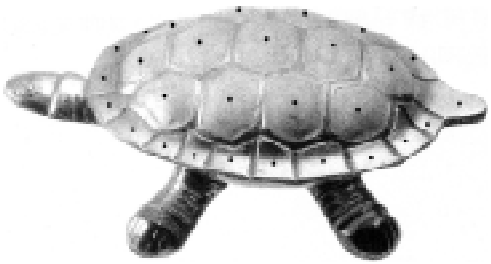

धातु का कछुआ

Future Point

6. दरवाजे की ओर पीठ करके न बैठें– दरवाजे की ओर पीठ करके बैठने का नतीजा यह होगा कि आपको अपने पीछे का हो रहा है इसका पता नहीं चलेगा। आपके पीछे से अगर कोई आ जा रहा है इसका मालूम नहीं पड़ेगा। ऐसे में आप अपने सामने एक शीशा लगा सकते है जिससे आपको आपके पीछे की गतिविधि नजर आएगी।

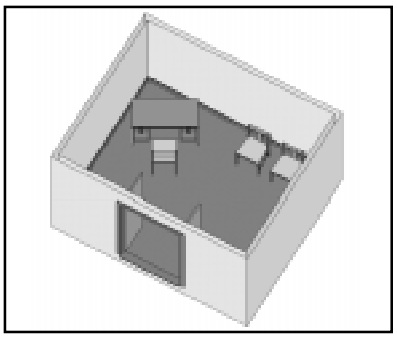

दरवाजे की ओर पीठ करके न बैठे

7. खराब घड़ियों को सही कराएं या हटाएं– समय देखने के लिए घड़ी ही एक मात्र साधन है। अपने घर या दफ्तर में बन्द पड़ी घड़ियों को तुरन्त हटा देना चाहिए, जितनी जल्दी हो सके इनसे छुटकारा पा लेना चाहिए क्योंकि ये बहुत नुकसानदेह हैं। इन टूटी–फूटी या बन्द घड़ियों से नकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है, जो हानिकारक होती है। घड़ियों को हमेशा अच्छी हालत में रखें। बन्द पड़ी घड़ी को मरम्मत करवा चालू हालत में रखे। इससे भी आप अपने व्यापार में परिवर्तन महसूस करेंगे।

घड़ी

8. सफलता की प्राप्ति के लिए फीनिक्स पक्षी का चित्र लगाएं– फीनिक्स चीन की पौराणिक कथाओं में वर्णित असाधारण पक्षी है। फेंगशुई के अनुसार यह इच्छा पूरी होने वाले भाग्य का प्रतीक है।

फीनिक्स

Future Point

अपने भाग्य को क्रियाशील करने के लिए आप फीनिक्स के प्रतीक के रूप में उकस चित्र या पेन्टिंग दक्षिण कोने में लगाइए। दक्षिण कोने को गतिशील करने के लिए फीनिक्स बहुत ही प्रभावशाली है दक्षिण दिशा में फीनिक्स का चित्र होना दूरदर्शिता का भी प्रतीक है जो किसी भी बुद्धिभाव व्यवसायी के लिए आवश्यक है।

9. युद्ध व हिंसा वाले चित्र घर में न लगाएं– अपने घर में हिंसा वाले चित्र कभी न लगाए। आपके घर में कहीं भी विशेष रूप से दक्षिण पश्चिम दिशा के कोने में, हिंसा से सम्बन्धित कोई भी चित्र या पेन्टिग नहीं होनी चाहिए क्योंकि यह कोना रिश्तों से सम्बन्धित होता है। यदि द0प0 दिशा में युद्ध अथवा जंगली जानवरों का चित्र लगा होगा, तो इससे आपके परिवारजनों के साथ आपके मधुर सम्बन्धों पर बुरा असर पड़ेगा। **'महाभारत'** के दृश्य व हथियार परिवार में वाद–विवाद को जन्म दे सकते हैं क्योंकि ये हिंसा के प्रतीक हैं। इससे आपके प्रियजनों के आपसी सम्बन्धों में कटुता पैदा हो सकती है।

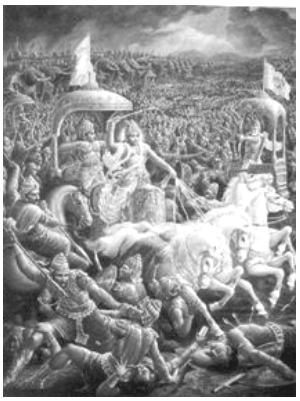

घर में हिंसा वाले चित्र कभी न लगाए

10. भाग्य के लिए बांस– फेंग शुई में लम्बी आयु के लिए बांस के पौधे बहुत शक्तिशाली प्रतीक माने जाते हैं। बांस प्रतिकूल परिस्थितियों में भी भरपूर वृद्धि का प्रतिनिधित्व करते हैं और किसी भी प्रकार के तूफानी मौसम का सामना करने का सामर्थ्य रखने के प्रतीक हैं। यह पौधा अच्छे स्वास्थ्य का प्रतीक है। यह अच्छे भाग्य का भी संकेत देता है। इसलिए आप बांस के पौधों का चित्र लगा कर उन्हें शक्तिशाली बना सकते हैं।

11. दरवाजे के पास पानी रखिए– दरवाजे के पास पानी होना बहुत ही मंगलकारी माना जाता है। विशेष रूप से यह उत्तर पूर्व तथा दक्षिण पूर्व दिशा की ओर के दरवाजों के लिए बहुत उपयोगी

Future Point

माना जाता है। पानी का पात्र अत्यन्त सावधानी के साथ रखना चाहिए। इस पात्र को दरवाजे के पास बाईं ओर रखना चाहिए। यानी जब आप घर में खड़े हों और बाहर की ओर देख रहे हो, तो आपके बाईं ओर, दरवाजे के दाईं ओर भूल कर भी पानी का पात्र मत रखिए क्योंकि उल्टा असर हो सकता है। इसके कारण घर का पुरुष किसी अन्य महिला के प्रति आकर्षित हो सकता है अथवा वैवाहिक जीवन में किसी तीसरे का प्रवेश हो सकता है।

12. टेलीफोन और फैक्स उचित स्थान पर रखें– टेलीफोन और फैक्स मशीनें सम्पर्क स्थापित करने के साधन हैं। वे आपके पास आने वाले व्यवसाय की सूचना देने के साधन हैं जब–जब आपके की घन्टी बजती है तब–तब आप यह सोचकर उत्तेजित हो उठते हैं कि कोई ग्राहक आना चाहता है, आपके बारे में पूछताछ करना चाहता है अथवा उसे आपकी सेवाओं की जरूरत है। ऐसे ग्राहकों की उपस्थिति, जो आपके प्रति सहानुभूति रखते हैं और आपके पथदर्शक हैं, आपके लिए स्वागतयोग हैं। टेलीफोन व फैक्स की मशीनें धातु की बनी होती हैं। इसलिए जहां तक हो सके, इन्हे उ0प0 कोने में रखना चाहिए। क्योंकि उ0प0 दिशा सहायक व्यक्तियों का क्षेत्र है और इस क्षेत्र का तत्व धातु है।

टेलीफोन एवं फैक्स

13. किसी भी दरवाजे पर अथवा दरवाजे के ऊपर कैलेन्डर न लटकाएं– किसी भी दरवाजे पर आगे या पीछे की ओर अथवा दरवाजे के मार्ग में कैलेन्डर कभी न लटकाएं, क्योंकि दरवाजे के ऊपर, विशेष रूप से मुख्य दरवाजे के ऊपर, कैलेन्डर या घड़ी लटकाना घर के सदस्यों की दीर्घ आयु के लिए बुरा है। प्रतीकात्मक रूप से इसका यह मतलब होता है कि आपकी जिन्दगी के कितने दिन शेष बचे हैं।

14. दक्षिण पूर्व दिशा में धातु की वस्तुएं और कैंचियां न रखें– दक्षिण–पूर्व दिशा का तत्व काष्ठ है। पांच तत्वों के विध्वंसक चक्र के अनुसार धातु काष्ठ को काट डालती है इसलिए इस क्षेत्र में कैंची या चाकू जैसी धारदार वस्तु रखना इस क्षेत्र की ऊर्जा के लिए हानिकारक है। इन वस्तुओं का नकारात्मक प्रभाव सम्पन्नता के मार्ग में बाधक बनता है क्योंकि इस क्षेत्र से जुड़ी हुई जीवन की अभिलाषा सम्पत्ति है।

Future Point

Future Point

कैंची एवं चाकू

15. नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए अगरबत्तियां– प्रत्येक घर में भगवान की पूजा करने के लिए धूप व अगरबत्तियों का प्रयोग करते हैं। अगरबत्तियों की मोहक सुगन्ध से आसपास का वातावरण सुगन्धित हो उठता है। ये बहुत ही उपयोगी होती हैं। क्योंकि इनसे नकारात्मक ऊर्जाओं वाली वायु शुद्ध हो जाती है। धूप जलाने से ऊर्जा का सृजन होता है, स्थान पवित्र हो जाता है व मन को शान्ति मिलती है। इसलिए प्रतिदिन अगरबत्तियां और धूप जलाना अति उत्तम और बहुत ही शुभ है।

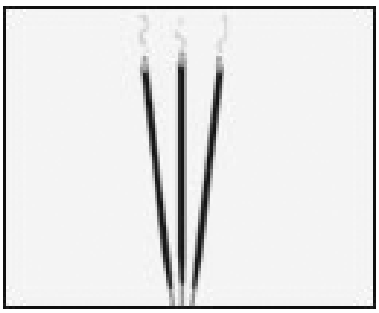

अगरबत्तियां

16. गायत्री मन्त्र अथवा पवित्र धुन– प्रतिदिन सवेरे पूजा पाठ करने के पश्चात् गायत्री मन्त्र का जाप कीजिए। समूचा घर इसकी पवित्र तरंगो से भर उठेगा। यदि आप हिन्दू नहीं है तो अपने धर्म की कोई पवित्र धुन बजा सकते हैं। इससे नकारात्मक ऊर्जा घर से बाहर चली जाती है।

17. उत्तर पश्चिम दिशा में तेज प्रकाश व लाल रंग की वस्तुएं न रखें– प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में एक ऐसा समय आता है जब उसे किसी व्यक्ति द्वारा अनपेक्षित सहायता मिल जाती है। अर्थात् विश्वासघात का शिकार हो जाता है। फेंग शुई में इसके लिए उपाय है। आप' अपने जीवन में सहायक सिद्ध होने वाले मित्र' से सम्बन्धित भाग्य में वृद्धि कर सकता है। उ0प0 दिशा का कोना आपके जीवन में सहायक सिद्ध होने वाले व्यक्तियों से सम्बन्धित भाग्य का कोना है। आप इस स्थान पर धातु से बनी छः छड़ों वाली खोखली पवनघन्टी भाग्य कर इसे शक्तिशाली बना सकते हैं क्योंकि इस कोने का तत्व धातु है।

Future Point

इस कोने में तेज प्रकाशवाली बत्ती या झाड़फानूस न लगाएं क्योंकि यह बहुत हानिकारक है। लाल रंग की वस्तुएं अग्नि की प्रतीक हैं। उ0 पश्चिम दिशा में इनका होना बुरा है। इससे विश्वासघात की संभावना रहती है। यह भी हो सकता है कि जब आपको सहायता की बहुत जरूरत हो तो कोई न आ सके।

18. घर में नमक मिले पानी से पोंछा लगाइए– किसी स्थान अथवा स्फटिक की वस्तु को शुद्ध करने के लिए नमक मिले पानी का उपयोग किया जाता है। यह जल घर में स्थित नकारात्मकता को दूर करने में बहुत सहायक सिद्ध होता है। घर में प्रतिदिन नमक मिले पानी से पोंछा लगाना बहुत शुभ माना जाता है। पोंछा लगाने वाले पानी में पांच चम्मच सादा समुद्री नमक मिलाया जा सकता है। इससे किसी भी नकारात्मक ऊर्जा को कम किया जा सकता है।

19. झाड़ू छिपा कर रखिए– घर में साफ सफाई करने और उसे सुव्यवस्थित रखने के लिए प्रत्येक घर में झाड़ू और पोंछे का इस्तेमाल किया जाता है। ये दोनों चीजें घर में प्रवेश करने वाली बुरी अथवा नकारात्मक ऊर्जाओं को नष्ट करने की प्रतीक भी हैं। खुले स्थान पर झाड़ू रखना अपशकुन माना जाता है। इसलिए इसे छिपा कर रखें।

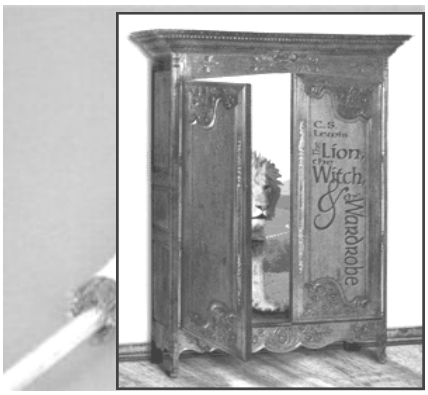

झाड़ू छिपा हुआ

भोजन कक्ष में झाड़ू भूल कर भी खुले स्थान में न रखें क्योंकि अन्न और आय के साफ होने का प्रतीक है। यदि आप अपने घर के बाहर द्वार के सामने झांड़ू उल्टा करके रखते हैं तो यह घुसपैठियों से आपके घर की रक्षा करता है। पर यह कार्य केवल रात के समय किया जा सकता है। दिन के समय झांड़ू छिपा कर रखना चाहिए ताकि किसी को नजर न आए।

20. डाइनिंग टेबल को प्रतिबिंबित करता हुआ आईना– भोजन कक्ष में रखे हुए बड़े आइने अथवा दीवार पर लगे आइने ऊर्जा के अद्भुत स्रोत साबित हुए हैं। भोजन करने के लिए फेंग शुई भाग्य अर्जित करने का यह बहुत ही अच्छा उपाय है। डाइनिंग टेबल को प्रतिबिंबित करने वाला आईना डाइनिंग टेबल पर रखे खाने के दुगुने होने का आभास कराता है। डाइनिंग टेबल के सामने आइना फेंग शुई में अच्छा माना जाता है। ये आपके सद्भाग्य में वृद्धि करता है। उत्तर दिशा की दीवार में लगाए गए दर्पण से आने वाली ऊर्जा घर के सदस्यों को सुरक्षित रखती हैं।

Future Point

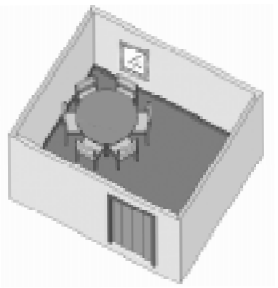

डाइनिंग टेबल के सामने दर्पण

21. फेंग शुई के सिक्के अथवा घंटियां दरवाजे के हैन्डल में लटकाएं– अपने घर के दरवाजे के हैन्डल में सिक्के लटकाना घर में सम्पत्ति का सौभाग्य लाने का सर्वोत्तम मार्ग है। आप तीन पुराने चीनी सिक्कों को लाल रंग के धागे अथवा रिबन में बांध कर अपने घर के हैन्डल में लटका सकते हैं। इससे घर के सभी लोग लाभान्वित होंगे। ये सिक्के दरवाजे के अन्दर की ओर लटकाने चाहिए न कि बाहर की ओर। कृपया इस हद तक न जाएं कि घर के सभी दरवाजों के हैन्डल में लटकाने लगें। केवल मुख्य द्वार के हैन्डल में सिक्के लटकाने हैं।

आप दरवाजे के बाहर वाले हैन्डल में छोटी घंटी भी लटका सकते हैं। यह घन्टी आपके घर में सद्भाग्य के प्रवेश करने की सूचक है जबकि सिक्के घर में सम्पत्ति आ जाने के प्रतीक हैं पिछले दरवाजे पर आपको एक भी सिक्का नहीं लटकाना चाहिए क्योंकि पिछला दरवाजा इस बात का सूचक है कि इस मार्ग से होकर आपका कुछ न कुछ बाहर चला जाता है।

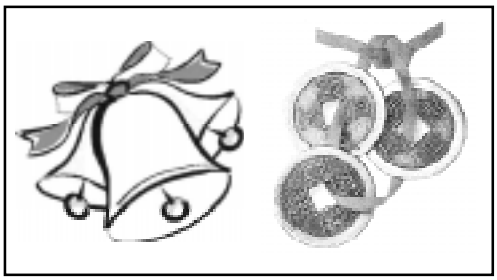

घन्टियां एवं चीनी सिक्के

22. डबल बेड पर एक ही गद्दा होना चाहिए– डबल बेड पर एक ही गद्दा होना चाहिए। पति–पत्नी का दो अलग–अलग पलंग पर सोना बुरी बात नहीं है पर यह अलग होने का कारण बन जाता है।

डबल बेड पर एक ही गद्दा

23. दरवाजे के सामने नहीं सोना चाहिए – चीन में दरवाजे की ओर पांव करके सोना मृत्यु का सूचक माना जाता है। वास्तव में मृत शरीर इसी अवस्था में रखा जाता है जो उसके लिए अच्छा माना जाता है। परन्तु जीवित के लिए यह स्थिति अत्यधिक हानिकारक है। इसको थोड़ा इससे बचा कर रखें।

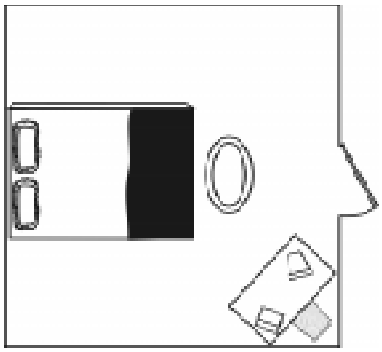

दरवाजे के सामने नहीं सोना चाहिए

24. शयन कक्ष में आईना नहीं होना चाहिए– आईनों से एक प्रकार की ऊर्जा बाहर निकलती है। यह ऊर्जा कितनी अच्छी या कितनी अधिक खराब हो सकती है यह इस बात पर निर्भर करता है कि आईना किस स्थान पर लगा हुआ है।

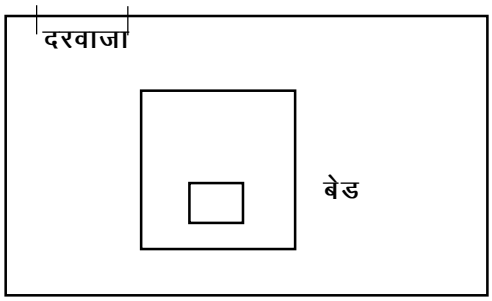

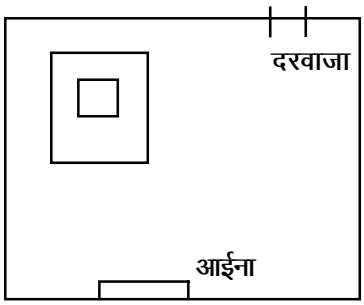

शयनकक्ष में आईना लगाना वर्जित है। पलंग के सामने आईना बिल्कुल नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे पति पत्नी के वैवाहिक सम्बन्धों में भारी तनाव पैदा होता है। इसके कारण पति–पत्नी के अच्छे भले सम्बन्धों के बीच किसी तीसरे व्यक्ति का प्रवेश भी हो सकता है। आईनों का निषेधात्मक प्रभाव कम करने के लिए उन्हें ढक कर रखना चाहिए अथवा आईने अलमारियों में अन्दर की ओर लगवाने चाहिए।

पलंग पर सो रहे पति–पत्नी को प्रतिबिंबित करने वाला आईना तलाक तक का कारण बन सकता है। इसलिए रात्रि के समय आईना दृष्टि से ओझल होना चाहिए। छत में भी आईने नहीं लगे होने चाहिए।

25. गोल्डफिश मछलियों वाला मछली घर– गोल्डफिश मछलियां अपने शयनकक्ष, रसोईघर अथवा शौचघर में कदापि न रखें। मछली घर को अपने दीवान खाने ड्राइंगरूम में रखें इसके रखने की सही दिशाएँ पूर्व, दक्षिण–पूर्व तथा उत्तर हैं। मछलियां रखना सौभाग्य में वृद्धि करने का एक कारगर उपाय है। अपने घर के लघु मछली घर अथवा फिश बाउल में 9 गोल्डफिश रखें। इनमें 8 मछलियां लाल या सुनहरी और एक काले रंग की होनी चाहिए। यदि आपकी गोल्डफिश मर जाती है तो आप मायूस न

Future Point

Future Point

मछली घर को शयनकक्ष में न रखें

हों, उसे बदल दें और नई मछली ले आएं। कहा जाता है कि जब आपके घर की कोई गोल्डफिश मर जाती है तो वह अपने साथ कई दुर्भाग्यों को भी ले जाती है। अगर ऐसा न हुआ तो यह आपत्ति आपके घर के किसी सदस्य पर आती है।

पानी वाली वस्तुएं अगर सही स्थान पर रखी जाएं तो भाग्य के लिए लाभदायक हैं। इनको शयन कक्ष में न रखें।

26. अलमारियां खुली न रखें– पुस्तकें यदि खुली अलमारी में रखी जाएं तो ये अशुभ ऊर्जा को उत्पन्न करती हैं जो इस कमरे में रहने वाले व्यक्ति के लिए बहुत बुरी होती है। ये अलमारियां चाकू के समान होती हैं। यह बुरी फेंग शुई होती है। इनको हमेशा बन्द अलमारी में रखें। अलमारी कभी भी खुली न छोड़ें, इससे इस कमरे में रहने वाला व्यक्ति बीमार पड़ सकता है।

27. तीन टांगों वाला मेढ़क– तीन टांगों वाला मेढ़क बहुत भाग्यशाली माना जाता है। मुंह में सिक्के लिये हुए तीन टांगों वाले मेढ़क की उपस्थिति बहुत महत्वपूर्ण होती है। इसे अपने घर के भीतर मुख्य दरवाजे के आसपास रखना चाहिए। रसोई या शौचघर के भीतर इसे मत रखिए। ऐसा करना दुर्भाग्य को आमन्त्रित करता है।

तीन टांगो वाला मेढ़क

28. क्रीम रंग के चीनी मिट्टी के फूलदान में पीले रंग के फूल रखिए– आपसी सम्बन्ध बढ़ाने के लिए यह एक सरल उपाय है। अपने घर में द0प0 दिशा के कोने में क्रीम रंग की चीनी मिट्टी के फूलदान में पीले रंग के कृत्रिम फूल रखें। यह क्षेत्र स्नेहपूर्ण सम्बन्धों का क्षेत्र है।

29. हंसते हुए बुद्ध की मूर्ति– हंसते हुए बुद्ध की मूर्ति धन दौलत के लिए मानी जाती है। इससे घर में सम्पन्नता, सफलता और आर्थिक समृद्धि आती है। हंसते हुए बुद्ध की मूर्ति जहां रखी जाती है वह स्थान बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसे लगभग 30'' की ऊंचाई पर मुख्य द्वार के सामने प्रस्थापित करना चाहिए। हंसते हुए बुद्ध की मूर्ति मुख्य द्वार से घर में प्रवेश करने वाली ऊर्जा का अभिनन्दन करती है। यह ऊर्जा क्रियाशील होकर अत्यधिक समृद्धि प्रदान करती है।

यदि किसी कारणवश इस स्थान पर यह मूर्ति रखना संभव न हो, तो इसे बगलवाली टेबल अथवा कोने की टेबल पर रखा जा सकता है ताकि तिरछी ही सही, वह मुख्य द्वार के सामने हो और उसका चेहरा मुख्य द्वार की ओर हो। हंसते हुए बुद्ध की मूर्ति शयन कक्ष अथवा भोजन कक्ष में नहीं रखनी चाहिए। सम्पत्ति के इस देवता की पूजा या अराधना नहीं की जाती बल्कि इसे सजा कर रखा जाता है क्योंकि इसकी उपस्थिति शुद्ध रूप से प्रतीकात्मक और शुभ मानी जाती है।

हंसते हुए बुद्ध की मूर्ति

30. रोमान्स के लिए स्फटिक के गोले– आपके घर की दक्षिण–पश्चिम दिशा का कोना प्रेम, रोमान्स और स्नेह से सम्बन्धित होता है। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है। इस क्षेत्र की शक्ति बढ़ाने का श्रेष्ठतम उपाय असली स्फटिक के दो गोलों का इस्तेमाल करना है। असली स्फटिक के कारण आपके शयनकक्ष की द0प0 दिशा का कोना सक्रिय हो जाता है और आपके प्रिय व्यक्तियों के साथ आपके सम्बन्धों में सामंजस्य स्थापित कर घर में सुख शान्ति लाता है।

स्फटिक का गोला

Future Point

यदि बैठकखाने में ऐसा किया जाए तो पूरे परिवार के स्नेह सम्बन्धों में वृद्धि होती है।

असली स्फटिक के गोलों को शोधित करना जरूरी है। उनसे जुड़ी हुई किसी तरह की नकारात्मक ऊर्जाओं को दूर करने के लिए उन्हें कम से कम एक हफ्ते तक नमक के पानी में रखना चाहिए। असली स्फटिक विशेष रूप से बहुत प्रभावशाली होते है।

31. रोमान्स के लिए प्रेमी परिन्दे– पश्चिमी देशों की परम्परा के अनुसार प्रेमी परिन्दे प्रेम, रोमान्स एवं निष्ठा के मुख्य प्रतीक माने जाते हैं जबकि चीनी संस्कृति में मैडरिन बत्तख का जोड़ा नौजवान पति–पत्नियों के बीच प्रेम एवं रोमान्स का प्रतीक होता है। इन्हें घर की दक्षिण–पश्चिम दिशा के कोने में अथवा शयनकक्ष की दक्षिण–पश्चिम दिशा के कोने में रखा जा सकता है क्योंकि दक्षिण–पश्चिम दिशा का कोना पारस्परिक सम्बन्धों और रोमान्स का क्षेत्र है। यह आपके प्रेमपूर्ण जीवन को समृद्ध करता है।

मैडरिन बत्तख का जोड़ा

यदि आप अकेले हैं और विवाह करने के इच्छुक हैं तो आप इन बत्तखों की पेन्टिंग अपने शयनकक्ष में लटका सकते हैं। अथवा एक जोड़ी बत्तख अपने शयनकक्ष में रख सकते हैं। पर इस बात का ध्यान रखें कि आप केवल बत्तख का एक जोड़ा रखेंगे। न अकेली एक बत्तख रखेंगे और न ही तीन बत्तखें रखेंगे। अकेली रखने का परिणाम यह होगा कि आप अकेले (अविवाहित) ही रहेंगे। तीन रखने का परिणाम यह होगा कि आपके वैवाहिक जीवन में कसी तीसरे व्यक्ति का प्रवेश हो सकता है। यह जोड़ा रखने से पहले ध्यान रखें कि एक बत्तख नर और दूसरी मादा हो।

32. उत्तर–पश्चिम दिशा में सिक्कों से भरा कांच का कटोरा रखिए– आपके घर की उत्तर पश्चिम दिशा के क्षेत्र का सम्बन्ध घर के मालिक यानी रोजी कमाने वाले व्यक्ति से होता है। इस क्षेत्र का तत्व धातु है। यहां धातु के सिक्कों से भरा हुआ स्फटिक कांच का कटोरा रखकर आप इस क्षेत्र की धातु ऊर्जा में वृद्धि कर सकते हैं। पर यह कटोरा ऐसी जगह छिपा कर रखना चाहिए जिस पर किसी सामान्य व्यक्ति की नजर न पड़े।

सिक्कों से भरा कांच का कटोरा

Future Point

33. दक्षिण–पश्चिम दिशा में झाड़ फानूस लटकाएं– आपके घर में द0प0 दिशा का कोना पृथ्वी तत्व से सम्बन्ध रखता है। यह विवाह एवं आपसी सम्बन्धों के पहलू से जुड़ा हुआ है। यदि आपका दीवानखाना इस दिशा में है तो आप इस जगह का फायदा उठाएं और यहां एक झाड़फानूस लगवाइए। प्रतिदिन दो घन्टे शाम के समय इसे जला कर रखिए। इससे आपके परिवार के सदस्यों में मेल–जोल की भावना बलवती होगी और साथ ही साथ अविवाहित व्यक्तियों के विवाह होने की सम्भावनाएं भी बढ़ेंगी।

झाड़ फानूस

34. रसोई घर स्वच्छ और बर्नर के छिद्र खुले रखें– बर्नर के प्रति लापरवाही बरतने का परिणाम यह होता है कि वह तेल और कालिख से अवरुद्ध हो जाता है। समय–समय पर बर्नर की सफाई करवा कर उसे हमेशा स्वच्छ रखिए।

35. रसोई घर में पानी और अग्नि को एक–दूसरे के पास न रखें– अपने रसोईघर में पानी ओर अग्नि अर्थात् मोरी और बर्नर एक–दूसरे के समीप या आमने–सामने कभी भी न रखें इसका कारण यह है कि जल और अग्नि एक दूसरे के पूर्णतया विरोधी हैं।

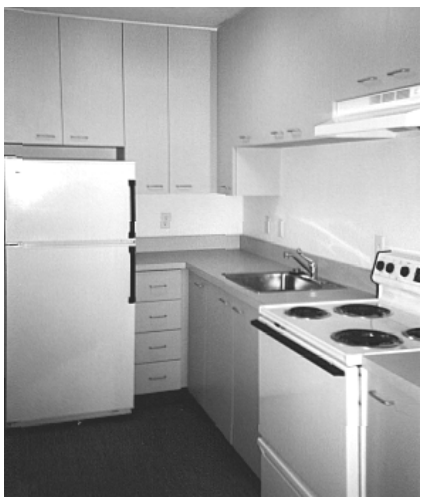

रसोई घर में पानी और अग्नि को एक–दूसरे के पास न रखें

Future Point

Future Point

36. साथ–साथ भोजन करें– अपने घर में परिवार के साथ दिन में एक समय अवश्य सारे लोग साथ–साथ बैठकर भोजन करें। इससे आपसी सम्बन्ध मजबूत होते हैं।

साथ–साथ भोजन करें

37. शिक्षा के लिए उत्तर–पूर्व दिशा में स्फटिक लटकाएं– आपके घर की उत्तर–पूर्व दिशा का कोना आपका सम्बन्ध शिक्षा व ज्ञान से जोड़ता है। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है। परीक्षा में अपने बच्चों की शानदार सफलता के लिए इस कोने में स्फटिक का गोला लटकाइए।

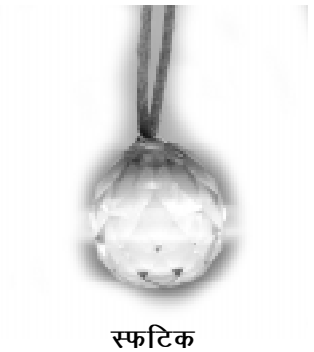

स्फटिक

38. पश्चिम दिशा में बच्चों के चित्र लगाएं– आपके घर का पश्चिमी क्षेत्र **'सन्तान एवं सृजनशीलता'** से सम्बन्धित है। यदि आप इस क्षेत्र में दीवार पर अपने बच्चों के चित्र लगाते है तो उनकी ऊर्जा और भाग्य में वृद्धि होगी।

बच्चों के चित्र

39. शौचघर में नमक का कटोरा रखिए– शौचघर में खिड़की की चौखट पर नमक एक कांच के कटोरे में रखिए। शौचघर में हम अपने शरीर का मलमूत्र त्यागते हैं। इससे अनेक तरह के कीटाणु

उत्पन्न होते हैं जिससे बुरी ऊर्जा का निर्माण होता है। नमक नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेता है। जब नमक गीला हो जाए तो आप इसे बदल कर नया कटोरा रख दें।

नमक का कटोरा

40. टपकने वाला नल ठीक करवाएं– फेंग शुई में जल को सम्पत्ति माना गया है। यदि आपके घर का कोई भी नल लगातार टपक रहा हो तो उसकी तुरन्त मरम्मत करवाएं क्योंकि इसका दुष्परिणाम यह होगा कि आपका धन पानी की तरह बह जाएगा।

टपकने वाला नल

41. दक्षिण दिशा में मालिक का चित्र लगाएं– दक्षिण दिशा का तत्व अग्नि है और उससे जुड़ी है **'प्रसिद्धि'** लाल रंग अग्नि का प्रतीक है। आप लाल रंग के बार्डर में अपना कोई अच्छा सा फोटो मढ़वाएं और दक्षिणी क्षेत्र में लगाएं। आपकी प्रतिष्ठा और साख बढ़ाने का यह अच्छा उपाय है।

मालिक का चित्र

Future Point

Future Point

42. सोने के सिक्कों वाले जहाज द्वारा व्यवसाय में सफलता पाएं– समुद्री जहाज किसी भी व्यक्ति के कार्य में महान् उपलब्धि और व्यवसाय में सफलता का प्रतीक है। घर व दफ्तर कहीं पर भी जहाज का मॉडल रखा जा सकता है। जहाज रखते हुए इतना ध्यान रखें कि जहाज घर या दफ्तर में भीतर की ओर आ रहा हो। बाहर की तरफ जाता न हो बाहर की ओर जाता होगा तो इसका मतलव आपके सभी अच्छे अवसर बाहर चले जा रहे हैं आपको काफी घाटा हो सकता है। जहाज के मॉडल में नकली सोने के सिक्के डाल दें। ये आपके सौभाग्य के सूचक और शकुन माने जाते हैं। अगर उनकी व्यवस्था न हो सके तो आप अन्य सिक्के व रुपये भी डाल सकते हैं।

43. चीनी मिट्टी की वस्तुएं उत्तर दिशा में न रखें– घर में उत्तर दिशा का क्षेत्र जल तत्व का प्रतीक है। तत्वों के विनाशकारी चक्र द्वारा पृथ्वी जल को नष्ट करती है। इसलिए घर के इस क्षेत्र में चीनी मिट्टी या मिट्टी से बनी वस्तुएँ नहीं रखनी चाहिए क्योंकि कि ये इस क्षेत्र की जल ऊर्जा के लिये हानिकारक हैं। ऐसा करने से आपके **'कैरियर'** पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। इस क्षेत्र में स्फटिक से बनी वस्तुएं भी न रखें।

44. शिक्षा व ज्ञान के लिए उत्तर पूर्व में ग्लोब रखिए– अपने घर की उत्तर पूर्व दिशा में समूची पृथ्वी के प्रतीकस्वरूप ग्लोब रखें। इससे शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होती है। इस क्षेत्र का तत्व पृथ्वी है।

ग्लोब

45. चीनी सिक्कों से धन प्राप्त करिए– धन सम्बन्धी भाग्य को सक्रिय करने के लिए चीनी सिक्कों का प्रयोग बहुत प्रभावशाली है। तीन सिक्कों को लाल रिबन में या लाल धागे में बांधकर अपने पर्स में रख सकते हैं। यह आपकी होने वाली आय का प्रतीक है। इन सिक्कों को उपहार में देना बहुत अच्छा माना जाता है। लाल धागा इन सिक्कों को सक्रिय करता है और उसमें से यांग ऊर्जा उत्पन्न होती है।

चीनी सिक्के

Future Point

46. सफेद फूलों वाला धातु का फूलदान रखिए– उत्तर दिशा में आपके घर में उत्तर दिशा का क्षेत्र आपके जीवन की प्रगति और सुअवसरों से सम्बन्धित है। इस क्षेत्र में सफेद रंग के कृत्रिम फूलों से भरा हुआ लोहे अथवा स्टील का फूलदान रखिए। इससे यह क्षेत्र समृद्ध होगा।

फूलदान

47. नीले रंग और पानी वाले प्राकृतिक चित्र दक्षिण दिशा में न लगाएं– दक्षिण दिशा का क्षेत्र अग्नि तत्व है। **'पा–कुआ'** के अनुसार यह प्रसिद्धि से सम्बन्धित है। तत्वों के विनाशकारी चक्र के अनुसार जलअग्नि को नष्ट करता है। इसलिए यहां पर पानी वाला चित्र लगाना आपके नाम व साख के लिए हानिकारक है। यदि इस क्षेत्र में नीले रंग की कोई वस्तु रखी हो तो उसे भी तुरन्त हटा दें क्योंकि नीला रंग भी जल तत्व का प्रतीक है।

48. पवन घन्टी किस क्षेत्र में लटकाएं– पवनघन्टी घर में सद्भाग्य बढ़ाने का अद्भुत उपाय है। पवनघंटी में लगी हुई घड़ियों की संख्या तथा जिस पदार्थ से पवनघंटी बनी होती है दोनों का बहुत महत्व है। पवनघन्टी हर क्षेत्र में नहीं लटकानी चाहिए। इनके लटकाने का स्थान अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। छः घड़ियों वाली पवनघन्टी का स्थान ड्राइंगरूम की उत्तर पश्चिम–दिशा का कोना है। क्योंकि इस कोने का तत्व धातु है और पवनघन्टियां धातु की प्रतीक है। इसका प्रयोग भाग्य में वृद्धि और दुष्प्रभाव को कम करने में किया जाता है।

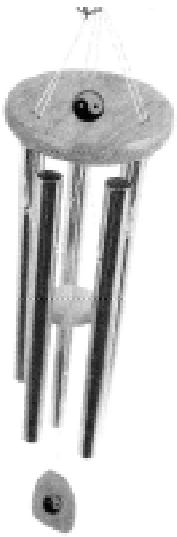

पवन घन्टी

अगर आप विषैले तीरों की दिशा को मोड़ना चाहते हैं तो पांच घड़ियों वाली पवनघन्टी का उपयोग कीजिए। यह दुर्भाग्य को दबा देती हैं। सात घड़ियों वाली पवनघंटी आप अपने घर के पश्चिमी क्षेत्र में लटका सकते हैं। पश्चिमी क्षेत्र का सम्बन्ध सन्तान एवं सर्जनात्मकता से जुड़ा हुआ है। **'लो–शु'** वर्ग के अनुसार इस क्षेत्र से सम्बन्ध रखने वाली संख्या **'सात'** है। इस क्षेत्र में इससे ऊर्जा में वृद्धि होगी।

49. दक्षिण–पश्चिम दिशा में हरे पौधे न रखें– आपके घर की दक्षिण–पश्चिम दिशा का कोना पृथ्वी तत्व का क्षेत्र है और यह रिश्तों तथा विवाह सम्बन्धी इच्छाओं से जुड़ा हुआ है। हरे पौधे काष्ठ तत्व के प्रतीक हैं। काष्ठ पृथ्वी को नष्ट कर देता है। इस दिशा में हरा पौधा होना इस क्षेत्र की पृथ्वी

ऊर्जा के लिए हानिकारक है। वैवाहिक सम्भावनाएं भी इससे क्षीण हो जाएंगी।

हरे पौधे

50. विवाह के लिए पियोनिया के फूलों का उपयोग करें– फेंग शुई के अनुसार घर के किसी भी खण्ड की शक्ति में वृद्धि करने के लिए फूलों का बड़े पैमाने पर प्रयोग किया जता है। पियोनिया का फूल सामान्य रूप से स्त्रियों से सम्बन्धित फूल माना जाता है। यदि लड़कियां विवाह के योग्य हैं तो उस घर में पियोनिया के फूलों का चित्र लगाना बहुत लाभकारी साबित होगा। इसका सबसे उपयुक्त स्थान ड्राइंगरूम है। इससे परिवार को विवाह का मनचाहा सौभाग्य प्राप्त हो सकता है। अगर वास्तविकता में इनका उपयोग किया जाए तो ड्राइंगरूम की द0 प0 दिशा में किया जाए।

51. जेड पौधा रखें– घर में विशेष रूप से दक्षिण पूर्व दिशा के कोने में, जेड का पौधा रखना बहुत शुभ माना जाता है। दक्षिण–पूर्व दिशा का कोना समृद्धि का कोना माना जाता है। यह पौधा आपके घर में समृद्धि का सौभाग्य जागृत कर सकता है।

52. सूखे फूल घर में न रखें– पौधे फेंग शुई के उपयोगी स्रोत हैं। ये यांग ऊर्जा का निर्माण करते हैं और घर में सद्भाग्य लाते हैं। ताजा फूल घर में सजाए जा सकते हैं, लेकिन अगर ये मुरझाने लगें तो इन्हें फौरन हटा दें। ताजा फूल जीवन के प्रतीक हैं और मुरझाये हुए मृत्यु के सूचक हैं। और ये यीन ऊर्जा छोड़ते हैं। फूलों को शयनकक्ष में रखने की बजाए ड्राइंगरूम में रखना ठीक होगा।

53. सम्पन्नता का प्रतीक नारंगी का पौधा– नारंगी व नीबू के वृक्ष सौभाग्य व सम्पन्नता के प्रतीक हैं सुनहरे रंग की नारंगी सोने की प्रतीक है। अपने बगीचे की द0–पूर्व दिशा के कोने में नारंगी का पौधा लगाइए क्योंकि घर का यह क्षेत्र सम्पत्ति का सूचक है।

54. सौभाग्य का प्रतीक ड्रैगन– ड्रैगन उत्तम यांग ऊर्जा का प्रतीक है। इसका सम्बन्ध पूर्व दिशा से जुड़ा हुआ है। इस दिशा का तत्व काष्ठ है। इसलिए लकड़ी की नक्काशी वाला ड्रैगन अच्छा रहता है। मिट्टी व स्फटिक से बना हुआ भी रख सकते हैं परन्तु धातु का कभी मत रखिए क्योंकि पूर्व दिशा में धातु काष्ठ को नष्ट कर देती है।

Future Point

Future Point

ड्रैगन

ड्रैगन यांग ऊर्जा का प्रतीक होने के कारण रेस्टोरेन्ट, दुकानें, डिपार्टमेन्टल स्टोर्स जहां पर ऊर्जा की अधिक आवश्यकता होती है, लोगों का आना–जाना अधिक रहता है वहां पर भी पूर्व दिशा में चित्र रखना बहुत अच्छा होता है। इसे शयनकक्ष में न लगाएं क्योंकि वहां यांग ऊर्जा की जरूरत नहीं होती है।

55. दक्षिण पूर्व दिशा में हरियाली वाला चित्र रखें– दक्षिण पूर्व दिशा का कोना सम्पत्ति का कोना है। इस कोने में हरियाली से परिपूर्ण पर्वत रहित जंगल का चित्र लगाइए। इससे आपकी सम्पन्नता में वृद्धि होगी। यह चित्र काष्ठ का प्रतीक है और द0 पूर्व दिशा का तत्व भी काष्ठ है।

यदि यह कोना आपके शयनकक्ष में पड़ रहा हो तो इस बात का ध्यान रहे कि जंगल के इस चित्र में कहीं भी पानी का दृश्य न हो। यह चित्र ड्राइंगरूम की द0पू0 दिशा के कोने में लगा सकते हैं। इससे आपका सम्पत्ति का क्षेत्र समृद्ध होगा।

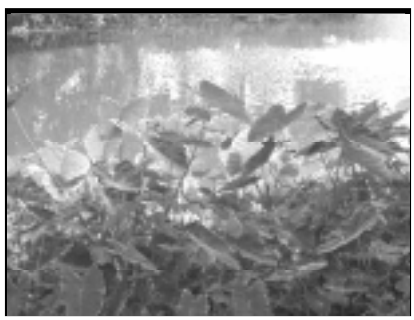

हरियाली वाला चित्र

56. सपरिवार प्रसन्न चिन्त मुद्रा वाला चित्र लगाएं– परिवार के सदस्यों में मिल–जुल कर रहने की भावना विकसित करने के लिए सबसे सरल उपाय अपने बैठकखाने की दक्षिण पश्चिम दिशा के कोने

Future Point

सपरिवार प्रसन्न चिन्त मुद्रा वाला चित्र

में परिवार के सदस्यों का प्रसन्नचित्त मुद्रा में एक तस्वीर (फोटो) लगाएं। इसमें परिवार के सभी सदस्य होने चाहिए और उनके चेहरे प्रसन्नचित्त होने चाहिए। पति–पत्नी के बीच आपसी प्रेम बढ़ाने के लिए चित्र को अपने शयनकक्ष की द0प0 दिशा वाले कोने में लगाना चाहिए।

57. मांगलिक व शुभ चिह्नों का प्रयोग करें– प्राचीन काल से ही लोग मांगलिक प्रतीकों को अपने घरों में प्रदर्शित करते रहे हैं। स्वस्तिक, ऊँ और त्रिशूल मांगलिक चिह्न हैं। अपने घर की सुरक्षा के लिए आप ये प्रतीक अपने मुख्य द्वार के बाहर दरवाजे की दोनों तरफ चिपका सकते हैं।

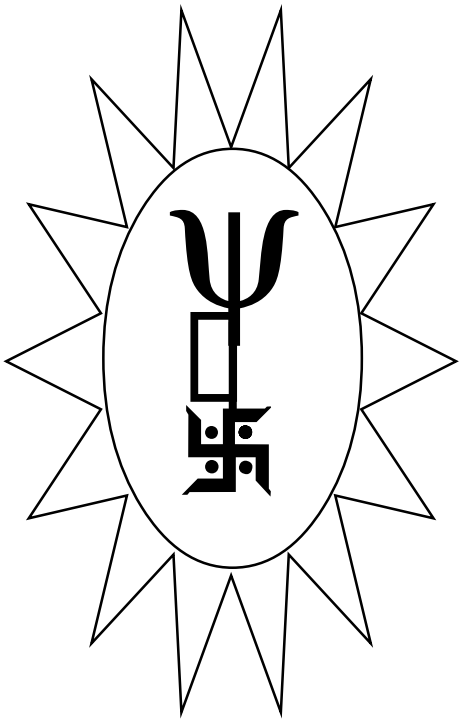

स्वास्तिक– ऊँ–त्रिशूल

Future Point

58. बिना जरूरत वाली चीजें घर में न रखें– बहुत से लोग अनावश्यक वस्तुएं सभांल कर रखते हैं। वे इनका न तो इस्तेमाल करते हैं और न ही इन्हें फेंकते हैं। एक तरह से ये बेकार की चीजें होती हैं। पुराने वस्त्र, पुस्तकें, समाचार की कटिंग, टूटी–फूटी दर्शनीय वस्तुएं, पुरानी वीडियो, ओडियो कैसेट, पुराने उपकरण इत्यादि। यदि आप निरन्तर प्रगति करना चाहिते हैं तो इन सभी अनावश्यक चीजों को अपने घर से बाहर निकालें। इनके सग्रह से व्यक्ति पिछड़ जाता है। आपका विकास रूक जाता है क्योंकि ये सभी चीजें मस्तिष्क में जगह घेरती हैं। इनसे छुटकारा पाने के बाद आप एक काम करें अपने घर में रोज अगरबत्तियां जलाएं। यदि आप चाहें तो पूजा के बाद अपने घर में घन्टियां भी बजा सकते हैं।

59. अधिक आमदनी के लिए– ड्राइंग के दक्षिण–पूर्वी कोने में मनी प्लान्ट का पौधा रखे। क्योंकि यह दिशा धन से सम्बन्धित है।

60. पायदान सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है– अपने सोने वाले कमरे के दरवाजे पर रखा पायदान, आपके कमरे में सकारात्मक ऊर्जाए देने में मदद करता है। मान लीजिए अगर आपके कमरे या ऑफिस का दरवाजा उ0 दिशा में है तो आप काले रंग का पायदान इस्तेमाल करें। अगर आपका कमरा पूर्व की तरफ खुलता है तो हरे रंग का इस्तेमाल करिए। इस तरह कमरे के मुख्य द्वार की दिशाओं के मुताबिक रंग का पायदान आपकी सेहत और व्यापार के लिए लाभदायक है।

61. उपहार में कैंची कभी न दें– तीखी, नुकीली और उग्र चीजों से जहरीले तीर की प्रतिकूल ऊर्जा निकलती है। ऐसी चीजों का उपहार लेने वाला बुरी फेंग शुई से ग्रस्त हो जाता है। अगर उपहार में तीखी चीजे जैसे टूल बाक्स, चाकू या ओपनर मिल जाए तो उसके घातक असर को खत्म करने के लिए उपहार देने वाले को एक सिक्का दे दें।

कैंची

62. जल्दी मकान बेचने का फेंगशुई टिप– अगर कोई अपना मकान जल्दी बेचने को उत्सुक है तो एक लाल लिफाफे में किचन के मैटेलिक उपकरण का एक टुकड़ा, आंगन या बगिया की कुछ मिट्टी और लकड़ी का टुकड़ा रखें। फिर इस लिफाफे को तीव्र गति से बहने वाली नदी में फेंक दें।

63. सोते समय सिर की उचित स्थिति– सबसे जरूरी है शयनकक्ष में बिस्तर की स्थिति। ऐसी हो कि सिर उत्तम दिशा की तरफ हो। यह भी बहुत जरूरी है कि सोते समय उसकी **'शेंग–ची'** दिशा से शानदार शुभ ऊर्जाएं स्पर्श करें। यही शक्तिशाली तरीका है वास्तविक व शानदार **'फेंगशुई'** के उपयोग का। **'शेंग ची'** शयनकक्ष के चयन से व्यवसाय व कैरियर की उन्नति होगी।

64. समाज में लोकप्रियता लाएं– क्रियाशील सामाजिक जिन्दगी जीने और भाग्योदय करने के लिए यांग ऊर्जा को सक्रिय करें। इसके लिए घर के द0प0 कोण में तेज रोशनी की व्यवस्था करनी चाहिए। ऐसा करने के कई उपाय हैं। सबसे बढ़िया उपाय है– उद्यान के द0प0 कोण को तीखी रोशनियों से जगमगा दें। घर के बाहर रोशनी इस प्रकार करें कि मूल्यवान पृथ्वी ऊर्जा का असर घर में पड़ना चाहिए।

65. किसी की ओर उंगली न उठाएं– किसी को भी अपनी ओर उंगली उठाने का दुस्साहस करने की अनुमति न दें। इससे बुरी ऊर्जाएं हमला करती हैं। अगर ऐसा होता है तो समझ लीजिए कि जल्दी ही किसी दुर्भाग्य के शिकार होने वाले हैं। खास तौर पर बात करते वक्त दो उंगलियां कभी न उठाएं क्योंकि कैंची की भांति दो उंगलियों से भी जहरीली ऊर्जा निकलती है।

66. प्लेट से व्यंजन का आखिरी टुकड़ा कभी न लें– घर या पार्टी में प्लेट में पड़े हुए व्यंजन का आखिरी टुकड़ा आग्रह करने पर भी नहीं लेना चाहिए। यह चीन की बहुत पुरानी धारणा है। अगर कोई लगातार इस सिद्धान्त की अवहेलना करता है तो सचमुच वह लाइफ–पार्टनर से वंचित रह जाएगा यही नहीं फेंगशुई में ऐसी धारणा है कि आखिरी टुकड़ा खाने वाला अपने लिए दुर्भाग्य और गरीबी को न्यौता देता है।

Future Point

67. टूटी–फूटी क्रॉकरी इस्तेमाल न करें– दोस्तों या परिचितों को खाने–पीने की चीजें देते वक्त फेंगशुई का सुभाव है कि टूटी–फूटी व दरार वाली क्रॉकरी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ऐसा करना दुर्भाग्य को आमन्त्रित करना है। चीनियों का विश्वास है कि ऐसी क्रॉकरी को न ही अपने लिए और न ही दूसरों के लिए इस्तेमाल करें ऐसा करने से भाग्य कभी भी पनप नहीं सकता है। व्यवसाय या नौकरी करने वाले टूटी–फूटी क्रॉकरी का इस्तेमाल रोक दें वरना फलता–फूलता काम भी तबाह हो सकता है।

68. फुक, लुक और साउ– चीन के प्रत्येक घर में आपको इन तीन चीनी देवताओं की मूर्तियां देखने को मिलेंगी। फुक, लुक और साउ क्रमशः समृद्धि, उच्च श्रेणी एवं दीघार्यु के देवता हैं। इनकी उपस्थिति केवल प्रतीकात्मक होती है, इनकी पूजा नहीं की जाती है। घर में इनकी उपस्थिति अत्यन्त भाग्यशाली मानी गई है। फुक समृद्धि के देवता हैं, वे अन्य दोनों देवताओं से कद में ऊँचे हैं। आम तौर पर उन्हें बीच में रखा जाता है। फुक, लुक, साउ तीनों मिलकर अत्यन्त महत्वपूर्ण सौभाग्य का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनकी उपस्थिति समृद्धि, प्रभुत्व, सम्मान, दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करती है।

फुक, लुक और साउ

69. निःसन्तान दम्पति– कभी–कभी तनाव तथा वायु प्रदूषण आदि के कारण गर्भाशय की ऊष्णता में कमी आ जाती है और गर्भाधान पाना मुश्किल हो जाता है। फेंग शुई में गर्भधान करने की संभावनाओं को बलवती बनाने के सुझाव हैं।

प्रत्येक व्यक्ति के भाग्य की दिशा अलग–अलग होती है जो उसकी नियन येन दिशा कहलाती है। ऐसा करने के लिए पति के लिए नियन येन स्थल पर एक कमरा सुनिश्चित करें तथा नियन येन दिशा की ओर सिर करके सोएं और विषैले बाणें से बचें। जैसे दरवाजे से बीम न हो, ऐसी जगह से विषैले बाण तो नहीं आ रहे हैं। अगर है तो बचने का प्रयास करें। जब आप सन्तान के लिए प्रयास कर रहे हों और आराम करने की सोच रहे हों तो हल्का रोमान्टिक संगीत सुनिए।

70. फर्नीचर के तीक्ष्ण कोनों और किनारों को गोल करें– फर्नीचर के तीक्ष्ण कोनों और किनारों को गोल करके चिकना कर देना चाहिए क्योंकि ये बुरी ऊर्जा के स्रोत है जब भी आप नए फर्नीचर बनवाए

Future Point

Future Point

तो सभी फर्नीचर आयताकार हों, उनके कोने और किनारे गोल हों।

71. एक सीध में तीन दरवाजे नहीं होने चाहिए– किसी मकान में एक सीध में तीन दरवाजे होना जानलेवा फेंगशुई दोष है। क्योंकि इन दरवाजों से होकर ऊर्जा **'ची'** बहुत तेजी से गुजरती है और अन्त में इस दोष के कारण मकान के आखिरी कमरे में रहने वाले व्यक्ति इससे बुरी तरह प्रभावित होते हैं।

इससे छुटकारा पाने का एक सरल उपाय है कि बीच वाले दरवाजे को एक ओर खिसका दें।

एक सीध में तीन दरवाजे नहीं होने चाहिए

72. सबसे ऊपर वाली मन्जिल का फ्लैट खरीदने से बचें– किसी भी मकान की सबसे ऊपरवाली मन्जिल का फ्लैट खरीदने के पहले यह अच्छी तरह देख लें कि मकान की पानी संग्रह करने की

फ्लैट

ओवरहेड टंकी आपके फ्लैट के ऊपर तो नहीं है। आपके फ्लैट के ऊपर या शयनकक्ष के एकदम ऊपरी भाग में, पानी की टंकी होना दोषपूर्ण होता है। फेंग शुई के अनुसार इसे खतरनाक माना गया है।

73. मुख्य द्वार अवरोध रहित होना चाहिए– फेंग शुई के अनुसार मकान का मुख्य द्वार घर के सबसे महत्वपूर्ण भागों में से एक होता है। यह घर का वह मुख्य प्रवेश द्वार होता है जिससे होकर सभी अच्छी ऊर्जाएं और सदभाग्य घर में प्रवेश करते हैं। इसलिए मुख्य द्वार सही स्थान पर होना चाहिए।

मुख्य द्वार

मुख्य द्वार के अन्दर या बाहर किसी भी प्रकार का अवरोध नहीं होना चाहिए। मुख्य द्वार के पास किसी भी तरह का अवरोध सदभाग्य को दुर्भाग्य में बदल सकता है। यह एक गम्भीर किस्म का दोष है। मुख्य द्वार के आगे जूते का डिब्बा, रद्दी वस्तुएं नहीं होनी चाहिए।

74. व्यवस्थित घर से स्वास्थ्य लाभ– इस बात का ध्यान रहे कि आपका घर पूरी तरह से व्यवस्थित रहे, रंग–रौगन पुराना न पड़े। टपकने वाले नलों की मरम्मत करें, फ्यूज बल्बों को बदलवाएं, खिड़कियों के टूटे कांचो को बदल दें, शीशे साफ रखें, शौचालय को साफ रखें। क्योंकि आपके घर के स्वास्थ्य का सीधा सम्बन्ध आपके स्वास्थ्य से है। ऐसा न करने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ेगा।

75. ड्रेसिंग टेबल को दरवाजे के सामने न रखें– ड्रेसिंग टेबल को दरवाजे के सामने रखने से सम्बन्धों में तनाव आएगा। ड्रेसिंग टेबल में चूंकि दर्पण होता है। इस स्थिति में लाभकारी **'ची'** को परावर्तित कर देगा। इससे कमरा इस्तेमाल करने वाले के प्रति विरक्ति उत्पन्न होगी।

76. द्वार पर घण्टी अवश्य लगाएं– किसी के आने की सूचना हमें द्वार–घन्टी से मिलती है। यह एक अनुकूल स्थिति है। घन्टी न होने से आने वाला दरवाजा खटखटाता है जिससे दूषित वायु उत्पन्न होती है। जिससे घर में क्लेश, विवाद उत्पन्न होता है। इसलिए प्रत्ये घर के बाहर द्वार घन्टी अवश्य होनी चाहिए।

77. दिनचर्या व्यवस्थित रखें– भारतीय धर्मशास्त्र के अतिरिक्त फेंगशुई में भी इस बात का विवरण

Future Point

है कि मनुष्य को अपने दैनिक कार्यक्रमों में आवश्यक रूप से परिवर्तन नहीं करना चाहिए। नित्य कर्मों में फेर बदल अच्छे परिणाम नहीं देते हैं। एक जैसी चलने वाली दिनचर्या में अकारण व्यवधान आ जाए, अपनी नींद उचाट होगी, दिनचर्या अन्य दिनों की तुलना में शीघ्र प्रारम्भ हो जाए तो समझिए कि कुछ अप्रत्याशित घटना घट सकती है। इसलिए दिनचर्या को प्रयासपूर्वक सुव्यवस्थित रखें।

78. पलंग के नीचे सामान न रखें– पलंग के नीचे इतना स्थान रहना चाहिए कि वहां 'ची' प्रवाहित हो सके क्योंकि ची का ऊपर, नीचे तथा कम से कम पलंग की ओर प्रवाह लाभदायक होता है। पलंग के नीचे रखा सामान **'ची'** के प्रवाह में रुकावट लाएगा जिससे खराब ऊर्जा का निर्माण हो सकता है।

पलंग के नीचे सामान न रखें।

79. अर्द्धचन्द्राकार घेरे के अन्दर मकान खरीदें– अर्द्ध चन्द्राकार घेरे के अन्दर की ओर आया हुआ मकान फेंगशुई के अनुसार अति उत्तम माना गया है। इसके उत्तम परिणामों में घर के स्वामी को धन, सम्पत्ति तथा प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। यदि घर के आस–पास फूलों वाले पौधे लगा दिये जाएं तो उत्तम परिणामों में वृद्धि होती है। साथ ही अन्य फेंग शुई प्रयोगों द्वारा परिवारजन सभी प्रकार से सम्पन्न जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

80. तनाव से मुक्ति पाइए– अगर आप गहन तनाव या किसी मानसिक समस्या से ग्रस्त हैं तो घर की सज्जा पर निगाह डालिये तो पायेंगे कि अधिकतर जगहों पर गड़बड़ी है जो अनजाने में ही आप या अन्य लोगों द्वारा हो गई होगी। आप रुचि के अनुसार अपने घर की सजावट शुरू कर दीजिए। आप अपने में एक नई ऊर्जा का संचार पाएंगे। फेंग शुई का स्वागत करके, आपका जीवन ठहर गया था, पुनः

तनाव से मुक्ति पाइए

Future Point

उसे आगे बढ़ाइये। आप महसूस करेंगे कि आपका दामन खुशियों से भर गया। निरीक्षण करें कि आपकी कुर्सी के पीछे खिड़की तो नहीं, इसे बदलें। यदि मुमकिन नहीं तो भारी पर्दे लगाएं। द0 दिशा में नौ लाल रंग की मोमबत्तियां किसी सुन्दर से कैन्डल स्टैंड में या दीपदान में सजाएं। अपने पर्सनल ट्रायग्राम के अनुसार सोने की दिशा निश्चित करें।

81. आत्मविश्वास की प्राप्ति के लिए सात छड़ी वाली पवनघन्टी पश्चिम दिशा में रखे

फेंग शुई के अनुसार पश्चिम दिशा का तत्व धातु है। आपके घर के पश्चिमी क्षेत्र का सम्बन्ध सन्तान एवं सृजनात्मकता से जुड़ा हुआ है। **''लो–शु वर्ग''** के अनुसार इस क्षेत्र में सात छड़ों वाली पवनघन्टी रखने से इसकी ऊर्जा में बहुत वृद्धि होती है। ऐसा कार्य करने से आपके आत्म–विश्वास और कार्य करने की क्षमता में वृद्धि होती है। अपने घर में यह छड़ों वाली पवन घन्टी रखने से आपके घर में अप्रत्याशित रूप से समृद्धि का आगमन होगा।

82. कोर्ट केस की फाइलें अग्नि कोण में न रखें

कोर्ट केस की फाइले एवं झगड़े के कागजात के स्थान पर **'फेंगशुई'** में विचार किया गया है। विवाद के कागज व्यक्ति के जीवन में सर्वाधिक महत्वपूर्ण दस्तावेज होते हैं जिनको लेकर वह चिन्तित रहता है अतः कोर्ट केस की फाइलें कभी भी अग्नि कोण में न रखें–इससे आप मुकद्मा हार जाएंगे। झगड़े के कागज कभी गल्ले, एफ. डी. आर. के साथ कैश बॉक्स में भी न रखें वे आपके धन को खीच लेंगी। रुपयों का व्यय कोर्ट केस को लेकर अधिक रहेगा। हमेशा ध्यान रखें। जहां तक कि इष्ट देवता की जगह के नीचे रखें तो इष्ट देवता की कृपा से आप मुकद्मा शीघ्र जीत जाएंगे।

83. प्रसिद्धि पाने के लिए

अगर आप कलाकार, अभिनेता, लेखक या ऐसे व्यवसाय में हैं जिसमें आप अपनी प्रसिद्धि चाहते हैं अपने ऑफिस में चुम्बकीय–कम्पास से दाहिनी दिशा का पता करें और नाचते हुए मोर, उड़ते हुए बाज, हंस के पोस्टर से जगह सजाएं। आपको लाभ होगा।

84. मकान के सामने कोई कारखाना या फैक्ट्री हो तो उससे बचें।

यदि आपके मकान के सामने कोई कारखाना या फैक्ट्री हो तो यह आपके लिए कोई शुभ संकेत नहीं है इससे घर बर्बाद हो जाता है तथा शरीर रोगग्रस्त हो जाता है। इससे बचाव के लिए–

1. अपने मकान के सामने, थोड़ी दूरी पर एक लैम्पपोस्ट लगा दें।
2. मकान के किनारे बड़ा सा गुब्बारा लगा दें।
3. मकान के आगे अशोक आदि के वृक्ष लगा दें।

Future Point

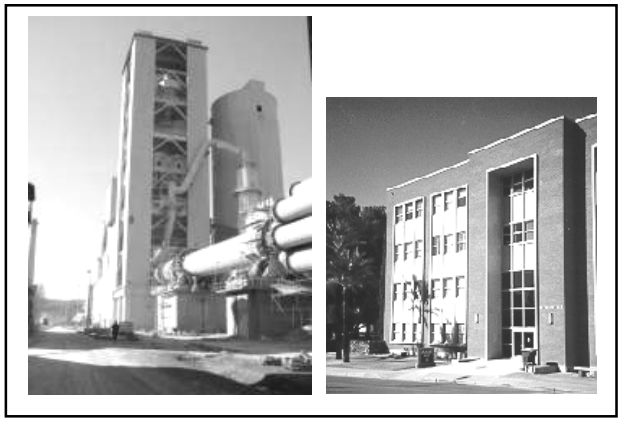

Future Point

मकान के सामने फैक्ट्री

85. आपके मकान का कोना बराबर के मकान के कोने से टकरा रहा हो तो लड़ाई से बचें।

आपके मकान के कोने को अगर सामने वाले मकान का कोना प्रभावित कर रहा है तो निश्चित रूप से भाग्य में बांधा का कारण बनेगा। ऐसे वास्तु दोष के कारण लड़ाई झगड़े की नौबत आ सकती हैं तथा बात कोर्ट कचहरी तक पहुँच सकती है।

1. ऐसे में आप यदि छत पर कांच का त्रिकोणात्मक शेड बना ले तो दोनो पड़ौसी सुखी व समृद्ध हो जाएंगे।

2. अपने मकान की छत के बाहरी भाग पर कोई षटकोणीय आईना लगा दें। यह आईना परदे में भी छिपाया जा सकता है।

86. खम्बों के ठीक ऊपर फ्लैट न हो

कार पार्किंग की जगह बनाने के लिए खम्बों के ऊपर इमारतों का निर्माण किया जाने लगा है। पार्किंग की इस खुली जगह को केवल खम्बों का ही आधार होता है। आप इस तरह की इमारतों की पहली मन्जिल पर स्थित किसी भी फ्लैट को खरीदने से बचें क्योंकि इस प्रकार के फ्लैट में रहने वाले लोगों का जीवन स्थिर नहीं होता है। इसका करण यह है कि इन इमारतों की पहली मन्जिल के फ्लैटों के नीचे मुक्त रूप से ऊर्जा प्रवाहित होती रहती है। ऐसे फ्लैट को छोड़ देना चाहिए।

87. धन वर्षा की दिशाएं

भवन को अगर ठीक प्रकार से बनाया जाए तो समझो मनुष्य का सपना पूरा हो गया। भवन को बनाते वक्त दिशाओं का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। भवन में दरवाजे शुभ दिशाओं में बने हों तो बहुत फायदेमन्द होते हैं। फेंग शुई वास्तु के अनुसार बीच में कहीं परदा दीवार जरूर होनी चाहिए ताकि धन लक्ष्मी का झटका रोका जा सके।

88. दीवारों की हालत ठीक रखिए

दीवारों में इधर–उधर से जोड़ वाला होना या टेढ़ा होना नुकसानदायक साबित होता है। ऐसी दीवारें दरिद्रता लाती हैं। ऐसी जगहों पर बनी मार्किट, बिजनेस सेन्टर व फैक्ट्री को आयताकार कर लेना चाहिए बाकी का स्थान पेड़ पौधे लगाने के लिए छोड़ देना चाहिए।

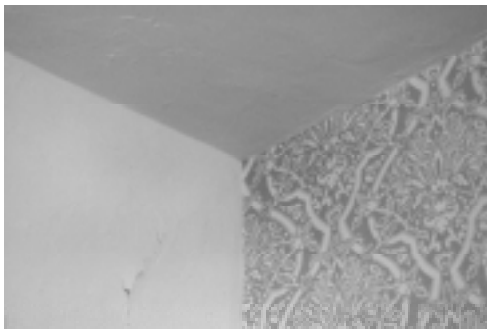

दीवार

89. मूर्ति उत्तर दिशा में न रखें

भूल कर भी उत्तर दिशा में कोई मूर्ति न लगाएं यह विनाश की वजग बनती है। इस दीवार से अलग आप कुछ भी लगा सकते हैं।

मूर्ति

90. पूर्वी दीवार के कोनों और उत्तरी दीवार के कोनों के साथ सीढ़ियाँ न बनाएँ।

पूर्वी दीवार के कोने में उत्तरी दीवार से लगा जीवन जवानी और पैसा दोनों खत्म कर देता है। मुसीबतों और संकटों का दौर शुरू हो जाता है। कभी भी मनुष्य को शान्ति नहीं मिलती और वह कर्जदार हो जाता है।

Future Point

Future Point

91. सौभाग्य में वृद्धि

अगले दरवाजे के सम्मुख आप पक्षियों के नहाने का पात्र, तालाब या फव्वारा बनाकर प्रमुख द्वार से दरवाजे की ओर आने वाली सीधी रेखा के विषाक्त बाण नष्ट को कर सकते हैं इससे सौभाग्य में वृद्धि होती है।

92. त्रिकोण आकार के भूखण्ड न खरीदें

इस आकार के भूखण्ड से झगड़े बढ़ते हैं एवं न्यायलय के चक्कर काटने पड़ सकते हैं। यदि किसी को इस पर भवन बनाना है तो भूखण्ड के कोने की तरफ दरवाजा न रखें। प्रत्येक कोने में पौधे रखने चाहिए ताकि कोनों को ढंका जा सके।

93. भवन के दोनों तरफ ऊंचे भवन हों तो ऐसा भवन न खरीदें

अगर आपके भवन के दोनो तरफ ऊंचे भवन हैं ओर आपके घर की छत उनसे छोटी है तो वह स्वास्थ्य और व्यापार में बार–बार हानि करवाता है। इसके लिए छत के ऊपर उत्तर या पूर्व दिशा की तरफ पानी का स्थान बनाए ताकि उसमें भवनों का प्रतिबिम्ब दिख सके, ऐसा करने से निश्चित लाभ होगा।

94. व्यक्तिगत सम्बन्धों की वृद्धि करने हेतु

व्यक्तिगत सम्बन्धों की वृद्धि हेतु शयनकक्ष की द0 पू0 या द0 प0 दीवार पर चमेली के फूल का चित्र टांगे। चमेली का अधिष्ठाता प्रेम का ग्रह (शुक्र) है। इससे पति–पत्नी में प्रेम भाव बढ़ेगा।

95. सिर दर्द से बचिए

मान लीजिए कि आप सिरदर्द से पीड़ित हैं फेंग शुई यन्त्र पर देख सकते हैं कि यह बीमारियाँ उ0 प0 दिशा में आती हैं क्योंकि उ0 प0 दिशा सिर एवं मस्तिष्क से सम्बन्धित है। इसके लिए सोने वाले कमरे की उ0 प0 दिशा में जूते चप्पल न रखें। बिस्तर विछाएं, गद्दों के नीचे उ0 प0 दिशा में एक सफेद रंग का रुमाल जिसके किनारों पर स्लेटी रंग के धागे की कढ़ाई की हो।

Future Point

पाठ –20

निष्कर्ष

फेंगशुई एक अद्भुत कला है जिसको लागू करके आप अपने व्यक्तित्व चुनाव आदि में बदलाव लाकर एक आदर्श फेंगशुई घर का निर्माण कर सकते हैं।

फेंगशुई का अन्तिम उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सन्तुलन तथा सौहार्द पैदा करना होता है। आपने जिस प्रकार से भी अपने घर को व्यवस्थित किया है आप उससे खुश हैं किन्तु फिर भी कुछ ऐसी बाते हैं जिन्हें आप बदलना चाहते हैं। मगर उससे सन्तुष्ट नहीं हैं। फेंगशुई की सहायता से पूर्ण या सुव्यवस्थित कर आप और भी ज्यादा सुखी बन सकते हैं। एकाएक आप अनुभव करेंगे कि आपके जीवन के प्रत्येक भाग में सुधार आता जा रहा है। इसकी वजह यह होती है कि आप जहां भी जाते हैं अपने साथ सन्तुलन व सौहार्द ले जाते हैं।

फेंगशुई द्वारा परिवर्तन को जल्दबाजी में न करें अच्छा यही होता है। आप एक भाग में परिवर्तन करें और महसूस करें कि वहां परिवर्तन का प्रभाव कैसा है। इसके कुछ समय के पश्चात् दूसरे हिस्से में परिवर्तन करके देखें। इससे आप महसूस करेंगे कि फेंगशुई कितना सफलतापूर्वक कार्य करती है। जैसे–जैसे आप पंच तत्वों का सन्तुलन बना कर लाभकारी **'ची'** को प्रचुर मात्रा में अपने घर में लाते जाएंगे वैसे–वैसे आपका जीवन, घर–परिवार खुशियों से भर जाएंगे।

समृद्धिदायक **'ची'** का निर्माण करें, जिस तरह से आप चाहते हैं उस भाग को फेंगशुई के महत्वपूर्ण उपायों द्वारा सक्रिय करें। फेंगशुई आन्तरिक वातावरण को नियन्त्रित करने के उपाय भी बताता है। आन्तरिक वातावरण को नियन्त्रित करने की प्रक्रिया के लिए पर्याप्त ज्ञान और उत्कृष्ट बुद्धि की आवश्यकता होती है। इसके लिए पूर्व अनुभव द्वारा हम ऊर्जा के प्रवाह में बाधक तत्व को दूर करने का तरीका, विभिन्न भौतिक पक्षों को सुधार कर निकाल सकते हैं। इससे सम्पूर्ण सामंजस्य प्राप्त करके उत्तम स्वास्थ्य, सौभाग्य एवं सम्पन्नता के साथ शान्तिपूर्ण जीवन व्यतीत किया जा सकता है। फेंगशुई सन्तुलन व सामंजस्य द्वारा हमारे जीवन में खुशियों और सफलता के रंग भरती है।